divyahimachal.com

दिव्य हिमाचल

देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

सूर्योदय 6:28 | सूर्यास्त 6:39

शिमला

गुरुवार, 26 मार्च, 2026

13 चैत्र, 2083

वर्ष 30 | अंक 33 | पृष्ठ 12+4/6 | ₹ 5.00

हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व उत्तराखंड में प्रसारित

RNI HPHIN/2003/11579

सबसे जल्दी 900 करोड़ कमाने में 'पुष्पा-2' की बराबरी पर 'धुरंधर-2' —यूथ लाइफ

टी-20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव ने लगाई दो पायदान की छलांग —खेलकूद

कैबिनेट का फैसला, भारत में दस साल में बनेंगे 100 नए हवाई अड्डे —देश.विदेश

शुभ जन्मदिवस

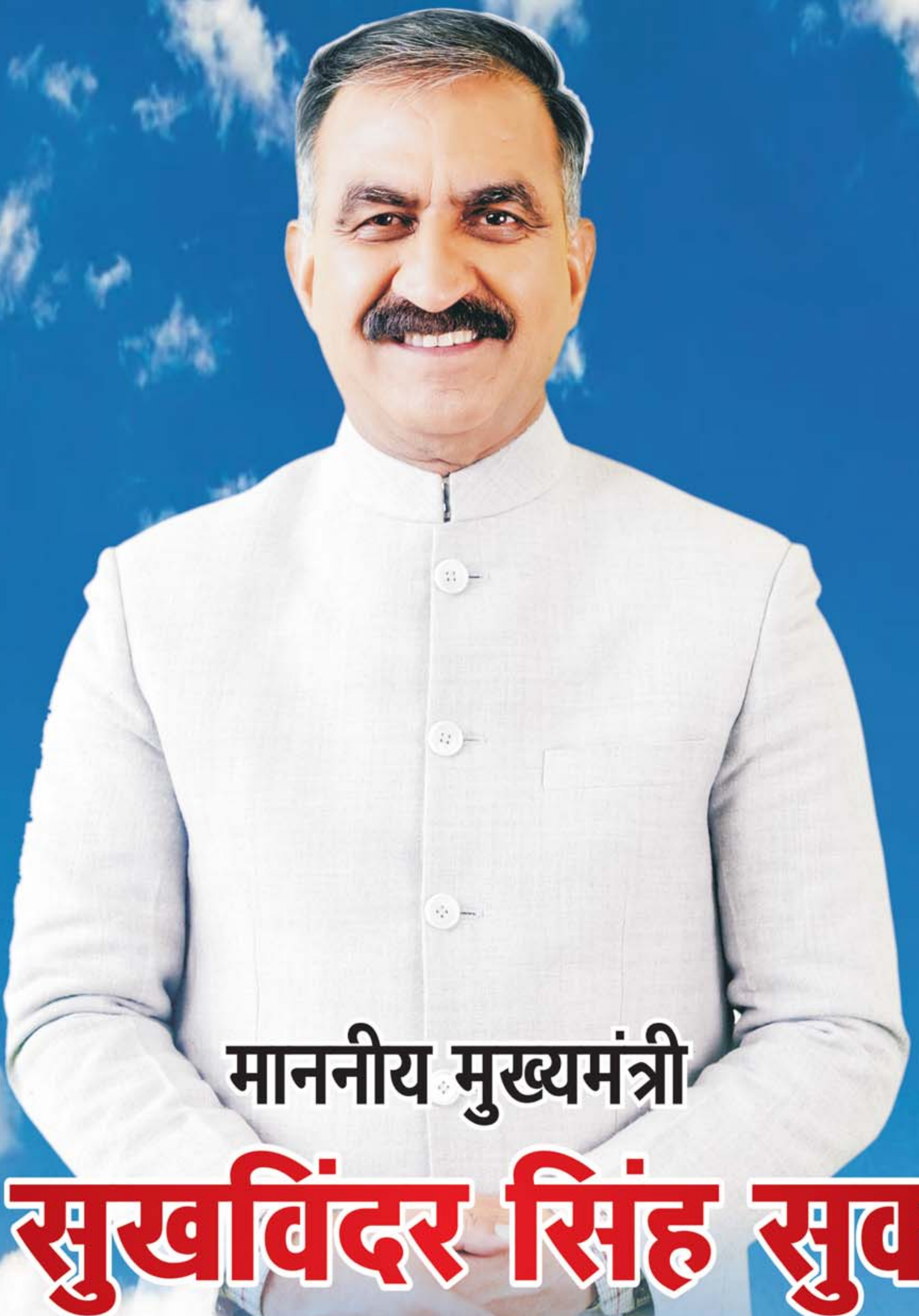

माननीय मुख्यमंत्री

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू जी

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आपके कुशल नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।
ईश्वर से आपके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना है।

SARVPALLI RADHAKRISHNAN INSTITUTE FOR TEACHER EDUCATION
ESTD-2006
NOGLI (BALNA) RAMPUR BSR.

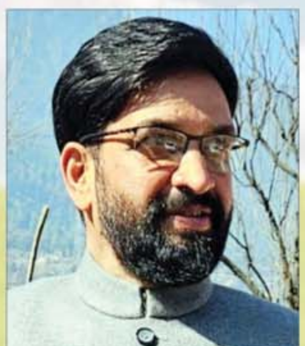

Dr. Mukesh Sharma
Founder cum Chairman
94180-33691

श्री हर्षवर्धन सिंह चौहान
माननीय उद्योग, श्रम,
रोजगार एवं संसदीय कार्य मंत्री

एंट्री टैक्स पर कैबिनेट में करेंगे विचार

मुख्यमंत्री सुक्खू विधानसभा सदन में बोले, प्रश्नकाल के दौरान गूंजा टोल टैक्स का मुद्दा

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

हिमाचल में टोल टैक्स/एंट्री टैक्स को लेकर को लेकर अगर भविष्य में कुछ करना होगा, तो कैबिनेट में सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे। बाहरी राज्यों से वापस आने वाले हिमाचल के वाहनों को एंट्री टैक्स में पूरी रियायत देंगे, जबकि बॉर्डर एरिया के लोगों को आने-जाने के लिए पास पर भी कैबिनेट में चर्चा कर सकते हैं। बुधवार को हिमाचल विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्षी विधायकों द्वारा प्रश्नकाल में रखे टोल बैरियर/एंट्री टैक्स के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बोल रहे थे। बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा सदन में खूब गूंजा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहर से आने वाले वाहनों पर एंट्री टैक्स को लेकर शोर अधिक हो रहा है, जबकि टैक्स अधिक नहीं है। विधायक राकेश जम्वाल के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी गाड़ियों पर कोई टोल टैक्स नहीं लगता है, कॉमर्शियल पर यह लगता है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई के फास्ट टैग के साथ इसको अटैच किया गया है। विधायक राकेश कालिया ने सदन में बॉर्डर एरिया के पास के लोगों को राहत को लेकर रखे प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि एलएमवी और टैक्सी पर कोई टोल टैक्स नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि वहां के हिमाचली लोगों के पास पर कैबिनेट में चर्चा कर विचार कर सकते है। इस दौरान विधायक सुखराम चौधरी के प्रश्न उठाया कि पावटा में एक हजार लोग देहरादून और हरियाणा से पांवटा आते-जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इंडस्ट्री में काम करने वालों को कोई राहत देंगे। इसका उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वापसी पर पूरी रियायत देंगे। उन्होंने कहा कि राजस्व में कितनी कमी आएगी और किस प्रकार विचार करना है, उस पर भविष्य में सहानूभूति पूर्वक भविष्य में विचार कर सकते है। सदन में सीएम के जवाब के बाद विधायक रणधीर शर्मा ने सप्लीमेंट करते हुए कहा कि बॉर्डर पर एनएचएआई के टोल लगे हैं, ऐसे में इन्हें बॉर्डर रोड से दूर करने का विचार रखती है। उन्होंने पंजाब के वित्त मंत्री द्वारा वहां की विधानसभा में दिए बयान का जिक्र करते हुए पूछा कि सरकार क्या इस बढ़ोतरी पुनर्विचार कर सकती है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कोशिश कर रही है कि जहां पर दो बैरियर हैं, वहां पर एनएचएआई के साथ जोड़ दिया जाए।

- वापसी में देंगे पूरी रियायत बॉर्डर एरिया के लोगों के पास पर कैबिनेट में होगा फैसला
- प्रदेश की निजी गाड़ियों पर कोई टोल टैक्स नहीं लगता
- बॉर्डर एरिया में एनएचएआई संग प्रदेश के बैरियरों को साथ जोड़ने के भी चल रहे प्रयास

शिमला — सदन को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

आर्थिक बोझ की संभावना न के बराबर

तीन विधायकों की ओर से प्रश्नकाल में रखे गए सवाल के लिखित जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया है कि प्रवेश शुल्क बढ़ाने से प्रदेश में महंगाई तथा आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना नगण्य है। उन्होंने बताया है प्रवेश शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग सड़कों के निर्माण/ रखरखाव तथा बुनियादी ढांचों के निर्माण पर किया जाता है। इससे स्थानीय नागरिकों तथा प्रदेश के आने वाले पर्यटकों के आवागमन का अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकें। इन नीतिगत परिवर्तनों का मुख्य उद्देश्य राज्य में सुगम यातायात, पर्यटन को प्रोत्साहन, स्थानीय नागरिकों की सुविधा तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

एसडीएम-तहसीलदार का सर्टिफिकेट दें

मुख्यमंत्री सुखवंदिर सिंह सुक्खू ने बताया कि गगरेट विधानसभा से जुड़े पंजाब कंडी एरिया के सीमावर्ती गांवों के लोगों को गगरेट क्षेत्र में आने-जाने पर वाहन मालिक को यह टोकन तभी मिलेगा, जब वे स्थानीय एसडीएम/ तहसीलदार से एक सर्टिफिकेट पेश करेंगे। इसमें यह लिखा होना चाहिए कि वह उसी जगह का निवासी हैं, जो उस बताए गए बैरियर से पांच किलोमीटर के दायरे में आती है। इसके अतिरिक्त टोल नीति में बाहरी राज्य के निवासियों को टोल शुल्क में छूट देने का कोई अन्य प्रावधान नहीं है।

नर्सरी मजदूरों की पेमेंट के लिए एसओपी बनाएगी सुक्खू सरकार

शिमला — वन विभाग की नर्सरियों में काम करने वाले मजदूरों की पेमेंट की अदायगी के लिए सुक्खू सरकार एसओपी बनाएगी, वहीं उद्योगपतियों को पौधा रोपण के लिए जगह भी देगी। प्रश्नकाल के दौरान सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में यह किए। उन्होंने कहा कि नर्सरी में काम करने वाले मजदूरों की पेमेंटक ी हर माह अदायगी हो, इसको लेकर एसओपी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा फॉरेस्ट कवर 29.5 है। इस फॉरेस्ट कवर को 2030 तक 29.5 से बढ़ाकर 32 फीसदी किया जाएगा। इस दिशा में सरकार कदम बढ़ा रहा है। विधायक केवल सिंह पठानिया के अलावा विधायक सुखराम चौधरी, सुरेंद्र शौरी और नीरज नैय्यर के सप्लीमेंट पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह जवाब सदन में दिया है।

अगले सत्र में देंगे जानकारी

प्रदेश के विभिन्न विभागों के तहत बंद, मर्ज और डिनोटिफाई किए गए संस्थानों की सूचना पर प्रश्नकाल में मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पर अगले सत्रों में जानकारी दी जाएगी। मर्ज और डिनोटिफाई का कार्य अभी पूरा होना है, पूरी जानकारी सदन में दी जाएगी। दरअसल नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस सवाल को लेकर एक साल से ज्यादा हो गया। उन्होंने कहा कि इस सूचना को छिपाने का अभिप्राय क्या है। विधानसभा सदस्य होने के बावजूद इस प्रश्न का उत्तर हासिल न कर सकें तो हमारा औचित्य क्या है। आगे का बहाना बनाकर सूचना क्यों छिपा रहे हैं। दरअसल नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक रणधीर शर्मा और चिधायक त्रिलोक जम्वाल की ओर से बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में यह प्रश्न रखा था।

सुक्खू-जयराम में चले शब्दबाण

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

- प्रश्नकाल में ही आमने-सामने आ गए सीएम-नेता प्रतिपक्ष

विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष की ओर से लाए प्वाइंट ऑफ आर्डर पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष खुशफहमी में रहते हैं कि सरकार चली जाएगी। उन्होंने कहा कि इतिहास देख लेना, जिस भी पद पर रहा हूं, लंबे समय तक रहा हूं। अभी समय शुरू हो रहा है। अगर सरकार जानी होती, तो उसी दिन चली जाती, जिस दिन आपने कहा था कि इस सरकार को भगवान भी नहीं बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर अभी सेस लगाया नहीं है, अभी बिल के तौर पर सिर्फ अधिकार ही प्राप्त हुआ है। उन्होंने सरकार को अधिकार मिलने के बाद और अन्य अलग औपचारिकताओं करते हुए कहा कि उसके बाद सरकार तय करेगी कि कितना सेस लगाना है। इस दौरान सीएम ने कहा कि पूर्व सीएम दिल्ली जाकर पीएम से मिलकर आए हैं, क्या कुछ लेकर भी आए हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर लाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने जो टिप्पणी की है, गंभीर है। उन्होंने कहा कि बार-बार सीएम इस टिप्पणी को दोहराते हैं कि पूर्व सीएम तथ्यों पर नहीं बोलते। जयराम ने कहा कि सीएम व्यक्तिगत टिप्पणी के बजाय व्यवस्था पर बोले तो उचित लगता है।

लुहरी-नित्थर सड़क के लिए लाएंगे बजट

विधायक लोकेंद्र कुमार के सवाल के जवाब में लोक निर्माण मंत्री वि्र मादित्य सिंह ने कहा कि लूहरी-नित्थर सड़क स्टेट बजट से के तहत बनाई गई है। वर्तमान में इसके उन्नयन के लिए बजट का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क के पांच किलोमीटर तक के सब्जी मंडी के हिस्से की चौड़ाई का काम अगले वित्तीय वर्ष में करने की कोशिश करेंगे। विधायक मलेंद्र राजन के सवाल के जवाब में आयुष मंत्री यादविंदर गोमा ने कहा कि इंदौरा में स्टेडियम निर्माण की डीपीआर तैयार होते ही इसका निर्माण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए युवा सेवा एवं खेल विभाग के नाम भूमि हस्तांरित कर दिया गया है।

सदन में गरजे मुख्यमंत्री, हिमकेयर में हुए भ्रष्टाचार की होगी विजिलेंस जांच

मुख्यमंत्री सुक्खू का ऐलान, नई इंश्योरेंस कार्ड योजना लाएंगे

कार्यालय संवाददाता — शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के दौरान अपने वक्तव्य देते हुए प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भ्रष्टाचार के चोर दरवाजे बंद कर 2032 में राज्य आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हिमकेयर योजना में करीब 100 करोड़ की आरंभिक जांच में खामियां नजर आई हैं, जिसकी विजिलेंस जांच के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हिमकेयर योजना को बंद कर इंश्योरेंस कार्ड योजना लाई जाएगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमकेयर में 972 करोड़ का इलाज हमारी सरकार ने किया है, जबकि पिछली सरकार ने 442 करोड़ खर्च किया है। उन्होंने कहा कि राज्य को आरडीजी सिर्फ 17 हजार करोड़ मिलने के बाद भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। सीएम ने कहा कि पूर्व सरकार के समय में 2200 करोड़ का बिजली बोर्ड को सबसिडी मिलती थी, आज ही हम इसे 1200 करोड़ पर लाए हैं। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि राज्य के 22 लाख परिवारों को अब दो मीटरों पर ही सबसिडी मिलेगी। उन्होंने कहा कि लैंड रेवेन्यू से राज्य सरकार को 1800 करोड़ की आय होगी इसका मामला उच्च न्यायालय मे विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में नई इंडस्ट्रीयल पॉलिसी लाएगी, जिसमें उद्योगपतियों को मार्केट रेट पर प्लॉट उपलब्ध करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार जब सत्ता छोड़ कर गई थी, तो वर्ष 2018 से 2023 तक 45251 लोन लिया था, जबकि 38723 करोड़ का लोन चुकता किया, जबकि हमारी सरकार ने वर्ष 2023 से अब तक 37 हजार करोड़ लिया है, वहीं जबकि 28340 करोड़ का लोन वापस किया है।

नेता प्रतिपक्ष ने सिरे से नकारे आरोप, किया वॉकआउट

शिमला — सदन के बाहर नारेबाजी करते भाजपा विधायक

मुख्यमंत्री द्वारा सदन में हिमकेयर योजना पर लगाए गए आरोपों को सिरे से नकारते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि झूठ बोलने और सुनने की एक सीमा होती है। उन्होंने कहा कि अगर लुटाया है, तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई। हिमकेयर योजना को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे बेबुनियाद हैं। हिमकेयर योजना को लेकर जबरदस्ती आरोप लगाकर विपक्ष का टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि दोषी है तो जांच की जाए। हम जांच में पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। इसके बाद भाजपा ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

हिमाचल को मिलेगी वर्ल्ड क्लास वाटर क्वालिटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार वर्ल्ड क्लास वाटर क्वालिटी प्रदेश को देने जा रहे हैं। इसके लिए सरकार ने 2000 करोड़ की व्यवस्था की है। प्रदेश की जनता को अच्छा पानी और अच्छी सुविधा मिले, यही हमार प्रयास है। गांव में बैठे व्यक्ति को भी हम साफ पानी देंगे। उन्होंने कहा कि शिमला में पहली बार वर्ल्ड क्लास पानी मिलेगा। इसके साथ ही पहली अप्रैल से 150 रुपए हल्दी मिलेगी। हम अदरक का समर्थन मूल्य देने जा रहे हैं।

केंद्र की कठपुतली बना 16वां वित्तायोग

बजट पर चर्चा के दौरान राजस्व मंत्री का बड़ा आरोप, सदन में जोरदार बहस

कार्यालय संवाददाता — शिमला

बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राजस्व मंत्री मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि 16वां वित्त आयोग केंद्र सरकार की कठपुतली बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को आरडीजी की जरूरत है, लेकिन वित्त आयोग इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा इस मामले पर केंद्र को कुछ भी नहीं कर रही है, इसलिए भाजपा हिमाचल के हित में यह सही नहीं कर रही है। इस दौरान देश के इतिहास को लेकर सदन में तीखी नोक-झोंक देखने को मिली। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई देर तक गहमा गहमी देखने को मिली। जगत सिंह नेगी ने कहा कि राज्य के 55673 वर्ग किलोमीटर एरिया में से 13 प्रतिशत भूमि पर ही खेती होती है और राज्य का 80 प्रतिशत क्षेत्र वर्षा पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि राज्य के नौ लाख परिवार खेतीबाड़ी करते हैं। वहीं, राज्य में दो से अढ़ाई लाख लोग सरकारी कर्मचारी हैं और एक लाख 30 हजार लोग पेंशनर्ज हैं। राज्य का 43 प्रतिशत बजट पेंशन और वेतन पर खर्च होता है। उन्होंने कहा कि इसलिए बजट का सबसे ज्यादा कृषि और बागवानी, पशुपालन, भेड़-बकरी पालन, मछली पालन और प्रदेश के पिछड़े क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ऐसे में विपक्ष को यह बजट नीरस लग रहा है।

धोखे से नौ विधायक ले गई भाजपा

जगत सिंह नेगी ने कहा कि सीआईडी और पैसे के दम पर भाजपा नौ विधायकों को इस पासे से अपनी ओर ले गई। उन्होंने कहा कि भाजपा जैसे-तैसे सत्ता हथियाने और मौज करने के लिए ही कुर्सी पर बैठने के लिए प्रयास कर रही है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि पूर्व राज्यापाल ने संवैधानिक ढांचे को चोट पहुंचाने का काम किया है।

शिमला — सदन का संचालन करते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया

लोकेंद्र कुमार की मांग, बंजार के दर्शनीय स्थलों पर ध्यान दे सरकार

भाजपा विधायक लोकेंद्र कुमार ने कहा कि बागी पुल सहित आसपास के बहुत से क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से काफी सुंदर जगह हैं। यह पर्यटन के लिए बहुत ही किफायती है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। एनएच 305 की हालत खराब है, जिसे दुरुस्त नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा बंजार में कई दर्शनीय स्थल हैं। जिस पनेउ रेस्ट हाउस में पूर्व पीएम पंडिल जवाहरलाल नेहरू भी रुके थे, उसकी स्थिति को दुरुस्त किया जाए। वहीं, महिला मंडल और सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को भी नशे के खिलाफ जागरूकता में शामिल किया जाए। उन्होंने आनी और सिराज में पत्रकारों की पिटाई करने का भी मामला उठाया।

सीएम बोले, कस्टमाइज पैकेज के नाम पर भाजपा ने लुटाई संपदा

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में बजट पर चर्चा के दौरान बिक्रम सिंह द्वारा उठाए गए सवाल पर कहा कि मननीय सदस्य बडे लंबे समय से सदन में रहे हैं और बड़े जोश से बोलते हैं, लेकिन जोश में होश खो बैठते हैं। उन्होंने बिक्रम सिंह से पूछा कि हमने कौन सा झूठ बोला है। हमने कहा 2032 में प्रदेश आत्मनिर्भर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कस्टमाइज पैकेज के नाम पर प्रदेश की संपदा को हमारी सरकार ने लुटने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मार्केट रेट पर हमारी सरकार उद्यमियों को प्लॉट आबंटित कर रही हैं ओर पूर्व भाजपा सरकार में कस्टमाइज्ड पैकेज के नाम पर प्रदेश की संपदा लुटाई गई। हमारी सरकार योजनाएं लाई है, इससे प्रदेश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्क कल्चर बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिना सोचे दफ्तर खालने की जरूरत नहीं है हर आदमी को काम पर जुटना पड़ेगा तब जाकर हम आगे बढेंगे।

सत्ती बोले, ओपीएस आपने ही बंद की, और आपने ही बहाल

बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही पहले ओल्ड पेंशन बंद की थी। अब कांग्रेस सरकार ने ही बहाल कर दी। तो इसमें न तो क्रेडिट है न ही डिस्क्रेडिट। कांग्रेस नेता बेकार में ही भाजपा पर ओपीएस का विरोध करने के आरोप लगाते हैं, जबकि हमने कभी विरोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने चार घंटे से अधिक अपना बजट भाषण पढ़ा, लेकिन इस बजट में उनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि कमियां गिनाना विपक्ष का काम है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ता पक्ष अच्छा काम करेगा को भाजपा आपके साथ है लेकिन गलत काम करेंगे तो हम सरकार के साथ नहीं है।

अनिल शर्मा बोले, सड़कों से हटा दो एक लाख नौकरी देने वाले फट्टे

विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि कोई बजट परफेक्ट नहीं हो सकता, विपक्ष कमियों को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि कौन सा ऐसा राज्य है, जिसे आरडीजी मिल रही है और केवल हिमाचल को अछूता छोड़ दिया है। उन्होंने कहा प्रदेश को कैसे विकास की दृष्टि से आगे ले जाएं और प्रदेश की आय के क्या-क्या साधन हैं तथा कैसे उन्हें बढ़ाया जाए, उस पर विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की इस बार बजट आकर भी कम हुआ। विधायक अनिल शर्मा ने सरकार की गारंटी का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़कों किनारे लगे उन फट्टों को तो निकाल दे, जिनमें हर वर्ष एक लाख यानि पांच वर्ष में पांच लाख रोजगार देने का वदा किया गया है।

मलेंद्र राजन ने कहा, प्रदेश को आगे ले जाना चाहते हैं सीएम सुक्खू

मलेंद्र राजन ने कहा कि प्रदेश मुख्यमंत्री को जिज्ञासा है प्रदेश को आगे ले जाने की इसलिए जो राज्य में बजट पेश किया है, वह आम लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के अंदर सड़कें सुधर रही हैं, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम हो रहा है, तो भाजपा विरोध कर रही है। इंदौरा विधानसभा में तीन स्कूल सीबीएसई किएगए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में विकास के नए काम और योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन विपक्ष को केवल राजनीति दिखाई देती है। हर बात का विरोध करना राजनीति है। हिमाचल की जनता भोली जरूर है, लेकिन समझदार है और विरोध करने वालों का एक दिन जबाब जरूर देगी।

राजेश धर्माणी बोले, राज्य का खर्च कम करने की जरूरत

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि सरकार ने जो बजट पेश किया है वह मुख्यमंत्री ने यह किस हालात में पेश किया हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सी पोस्ट हैं, जिन्हें रैशलाइजेशन करने की जरूरत है, सरकार का खर्च कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्यसचिवालय में कर्मचारियों को काम करने के लिए कुछ ब्रांच में काम करने वाले लोग नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की आय बढ़ाने के लिए इनवेस्टमेंट बढ़ाने की जरूरत है जिससे रेवेन्यू जनरेट हो। इसके साथ ही उन्होंने डेफरमेंट पर कहा कि हमें इससे भी आगे जाना चाहिए। जिसकी आमदनी 50 हजार है, उन्हें 10 प्रतिशत डैफर करना चाहिए।

कमलेश ठाकुर का तंज, आज तीनों बहनें वेंटिलेटर पर

मुख्यमंत्री सुक्खू की धर्मपत्नी और देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने प्रदेश की चौदहवीं विधानसभा के 11वें सत्र में अपनी पहली स्पीच दी। उन्होंने बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि नवरात्र चले हुए हैं, तो मैं शुभमुहूर्त में ही अपनी चर्चा शुरू करूंगी। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए प्रदेश सरकार ने बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा है। बजट की प्रस्तुति दर्शाती है कि सरकार आत्मनिर्भर हिमाचल की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आरडीजी, एलपीजी बीवीजी राम जी और ये तीनों बहने आज वेंटिलेटर पर हैं। उन्होंने कहा कि गैस की किल्लत के चलते इन दिनों होलीडे होम में चूल्हे या भट्ठी पर खाना बन रहा है।

अनुराधा शर्मा ने की बजट की तारीफ, हर वर्ग का रखा ध्यान

विधायक अनुराधा राणा ने चर्चा में भाग लेते हुए प्रदेश की आरडीजी बंद करने का मामला उठाया। उन्होंने कहा सोच समझ कर ही आरडीजी का प्रावधान किया गया था। उन्होंने इसे बंद किए जाने पर कई सवाल खडे किए और प्रदेश के साथ भेदभाव करार दिया। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान प्रधानमंत्री ने 1500 करोड़ देने कि बात कही, लेकिन यह पैसा अभी भी नहीं मिला है। विधायक ने कहा कि एक तरह से प्रदेश को टारगेट किया जा रहा। उन्होंने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि नौतोड़ अभी बाहर नहीं हो पाया है हालांकि इसके लिए राजस्व मंत्री ने भरसक प्रयास किए हैं। साथ ही उन्होंने कहा विधायक निधि में कटौती न हो।

बिक्रम ठाकुर का आरोप, सरकार की नासमझी से कम हुई सैलरी

भाजपा विधायक बिक्रम सिंह ठाकुर ने सदन में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि किसी से आजिविका का अधिकार नहीं छीना जा सकता। उन्होंने कहा कि पूछा कि प्रदेश सरकार ने किस आधार पर वेतन में कटौती कर की है। विक्रम ठाकुर ने कहा कि इनसे ज्यादा असत्य बोलने वाले मुख्यमंत्री नहीं देखे। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि आप अपनी तीन वर्षो की बजट बुक खोलिए। पहले मुख्यमंत्री जिन्होंने 3486 करोड़ की कटौती की है। उन्होंने कहा कि सरकार की नासमझी के कारण सैलरियां कम हो गई हैं। अगर सरकार अपने कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे पा रही है, यह आर्थिक अपातकाल की शुरूआत तो नहीं है।

दलीप ठाकुर बोले, गांव के विकास के लिए जारी करें विधायक निधि

दलीप ठाकुर भाजपा विधायक ने सदन में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि बरसात में आपदा के समय केंद्र की सरकार ने प्रदेश की मदद की है। यदि उस समय पैसा नहीं आता, तो राज्य की सड़कें नहीं खुल पाती। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी पर बात करती है, जबकि कोई इसे तय मूल्य पर खरीदना नहीं चाहता। गांव का विकास करना है, तो विधायक निधि को जारी करना पड़ेगा।

कहीं अवैध कटान हो रहा कहीं सिलेंडर नहीं मिल रहा

शून्यकाल

पेड़ों का अंधाधुंध कटान रोके सरकार

सतपाल सत्ती

विधानसभा में ऊना सदर से विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने शून्यकाल में वनों के अवैध कटान का मामला उठाया। विधायक सतपाल सत्ती ने कहा कि पिछले करीब अढ़ाई ऊना जिला के कुटलैहड़, लठियाणी और गगरेट क्षेत्र में पेड़ों का कटान हो रहा है। प्रदेश सरकार बाहरी एजेंसी से पेड़ कटान के मामले का निरीक्षण करवाए और इसमें लोकल वन विभाग के अधिकारी शामिल न किए जाएं। उन्होंने कहा कि निजी भूमि की आड़ में सरकारी भूमि से भी पेड़ों का कटान हो रहा है।

आय प्रमाणपत्र फॉर्मेट समस्या सुलझाएं

जीतराम कटवाल

झंडूता विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीत राम कटवाल ने शून्यकाल में आय प्रमाण पत्र के फॉर्मेट पर चर्चा की और इसके सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईआरडीपी का सर्वे हो रहा है और इसके लिए राजस्व विभाग ने 50 हजार से कम आय का प्रमाण पत्र केवल बीपीएल वाले लोगों को ही दिया जा रहा है। ऐसे में नए लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। प्रदेश सरकार को इस समस्या का हल निकालना चाहिए।

एससी वर्ग को बीपीएल का लाभ नहीं

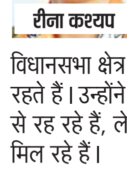

रीना कश्यप

पच्छाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रीना कश्यप ने शून्यकाल में अपने विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति से संबधित लोगों को बीपीएल सहित अन्य लाभ न मिलने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि उनेक विधानसभा क्षेत्र की कॉलोनी में 300 के करीब लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग पिछले करीब 50 वर्षों से रह रहे हैं, लेकिन उन्हें बीपीएल व अन्य लाभ नहीं मिल रहे हैं।

गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों से दिक्कत

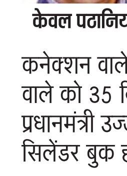

केवल पठानिया

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान सदस्य केवल सिंह पठानिया ने कहा कि गैस सिलेंडर की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने गैस सिलेंडर बुकिंग के नियम बदले हैं, जिसमें सिंगल कनेक्शन वाले को 25 दिन में और डबल कनेक्शन वाले को 35 दिन में सिलेंडर मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री उज्जवल योजना के तहत 45 दिन में गैस सिलेंडर बुक होगा।

मणिमहेश यात्रा की एडवांस तैयारी करें

जनक राज

भरमौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक राज ने शून्यकाल में मणिमहेश यात्रा में बीते वर्ष हुए हादसे से सबक लेकर इस बार श्रद्धालुओं के लिए बेहतर प्रबंध करने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष मणिमहेश यात्रा में भयानक हादसा हुआ था। अभी मणिमहेश यात्रा के लिए चार माह का समय बाकी है। मणिमहेश मार्ग में लोगों की संख्या निश्चित की जाए। इसके अलावा यात्रियों का पंजीकरण भी किया जाए। विधायक जनक राज ने कहा कि मणिमहेश यात्रा में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की जाएं।

स्कूल भवन क्षतिग्रस्त होने से परेशानी

सुरेंद्र शौरी

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान सदस्य सुरेंद्र शौरी ने कहा कि आपदा के दौरान कई घरों को नुकसान हुआ है और उनके विधानसभा क्षेत्र के स्कूल के भवन भी क्षतिग्रस्त हुआ है और बच्चों को पढ़ाई में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल 472 बच्चे पढ़ते हैं और जिस किराए के भवन में स्कूल चल रहा है उसका रेंट एग्रीमेंट भी 31 मार्च तक खत्म हो जाएगा। ऐसे में बच्चे कहां पढ़ाई करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार से मांग की है कि स्कूल भवन के लिए एफआरए और एसीए क्लियरेंस जल्द करवाई जाए।

divyahimachal.com

दिव्य हिमाचल

देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

सूर्योदय 6:28 | सूर्यास्त 6:39

शिमला
गुरुवार, 26 मार्च, 2026

हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व उत्तराखंड में प्रसारित

सबसे जल्दी 900 करोड़ कमाने में 'पुष्पा-2' की बराबरी पर 'धुरंधर-2' —यूथ लाइफ

टी-20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव ने लगाई दो पायदान की छलांग —खेलकूद

कैबिनेट का फैसला, भारत में दस साल में बनेंगे 100 नए हवाई अड्डे —देश.विदेश

अपनी हार को समझौते का नाम न दे अमरीका

- ईरान ने पाकिस्तान के हाथों भेजे ट्रंप के प्रस्ताव का उड़ाया मजाक
- कहा, अब जंग रोकने पर कोई भी सहमति ईरान की शर्तों पर ही होगी
- अमरीकी जंगी जहाज अब्राहम लिंकन पर मिसाइल दागी

एजेंसियां — तेहरान, वाशिंगटन

जंग रोकने के लिए अमरीका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्रीय योजना का ईरान ने मजाक उड़ाते हुए इस खारिज कर दिया है। ईरान ने दो टूक कहा है कि जंग रोकने पर कोई भी सहमति अब केवल ईरान की शर्तों पर ही बनेगी। ईरान की नियमित सेना और अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड की संयुक्त रूप से कमान संभालने वाले खातम अल-अन्बिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जुल्फाघारी ने 15 सूत्रीय योजना को पाकिस्तान के जरिए ईरान को सौंपे जाने के बाद कहा कि आप

अपनी हार को : पृष्ठ छह पर

हिमाचल में बिजली सस्ती, अप्रैल से लागू होंगी नई दरें

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

हिमाचल प्रदेश विद्युत राज्य नियामक आयोग ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बिजली की संशोधित दरें जारी कर दी हैं। सभी कैटेगरी के उपभोक्ताओं के लिए दरें एक पैसा प्रति यूनिट कम की गई हैं। नई दरें पहली अप्रैल, 2026 से लागू होंगी। रेगुलेटरी कमीशन ने समीक्षा के बाद वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य बिजली बोर्ड की वार्षिक राजस्व आवश्यकता का

हिमाचल में बिजली : पृष्ठ छह पर

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

प्रयागराज। बटुकों से यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को बड़ी राहत मिली है। बुधवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक

शंकराचार्य की गिरफ्तारी : पृष्ठ छह पर

अष्टम नवरात्र

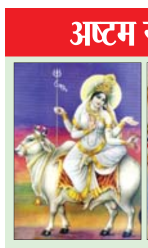

महागौरी-सिद्धिदात्री

दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी और नौवें दिन सिद्धिदात्री की उपासना का विधान है। महागौरी की उपासना से भक्तों को सभी कल्मष धुल जाते हैं, पूर्वसंचित पाप भी विनष्ट हो जाते हैं। वहीं सिद्धिदात्री की साधना से साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है।

मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु माँ सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

आर्थिक बोझ का हवाला देकर मुआवजे का अधिकार नहीं छीन सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि सिर्फ वित्तीय बोझ बढ़ने का हवाला देकर भूमि अधिग्रहण में उचित क्षतिपूर्ति के संवैधानिक अधिकार को कम नहीं किया जा सकता है। सिर्फ आर्थिक बोझ के आधार पर उचित मुआवजा नहीं छीना जा सकता है। पीठ ने एनएचएआई की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 2019 के फैसले को केवल भविष्य में लागू करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा और ब्याज का भुगतान वित्तीय बोझ की मात्रा पर निर्भर नहीं हो सकता। उचित मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को इस आधार

आर्थिक बोझ का : पृष्ठ छह पर

दियोटसिद्ध मंदिर में आर्मी की 6 डोगरा रेजिमेंट ने अर्पित की मोर सवार बाबाजी की प्रतिमा

दियोटसिद्ध- मंदिर में अर्पित मोर सवारी बाबा की प्रतिमा

दियोटसिद्ध। उत्तरी भारत के सिद्धपीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में छह डोगरा रेजिमेंट के द्वारा बाबाजी की मोर सवार पीतल की प्रतिमा भेंट में दी गई। इस पीतल की प्रतिमा का वजन लगभग एक क्विंटल 25 किलोग्राम के करीब हैं। छह डोगरा रेजिमेंट में करनाल के रूप में सेवाएं दे रहे रविंद्र सिंह रावत, सेवानिवृत्त सूबेदार राकेश कुमार, सूबेदार अजमेर सिंह, सूबेदार विनोद कुमार के द्वारा छह डोगरा रेजिमेंट की और से बाबा बालक नाथ की पीतल की प्रतिमा दियोटसिद्ध मंदिर में भेंट की गई। मंदिर अधिकारी केशव कुमार द्वारा बाबाजी की इस प्रतिमा की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की गई।

सप्तमी पर एक लाख श्रद्धालुओं ने टेका माथा

छठे नवरात्र पर 40 लाख 62 हजार 534 रुपए चढ़ावा, श्रीनयनादेवी मंदिर में सबसे ज्यादा चढ़त

माता श्रीबज्रेश्वरी | माता श्रीचिंतपूर्णी | माता श्रीनयनादेवी | माता श्रीचामुंडादेवी | माता श्रीज्वालामुखी

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

चैत्र नवरात्र मेले में बुधवार को सप्तमी पर चिंतपूर्णी, ज्वाला जी, नयनादेवी, बज्रेश्वरी देवी व चामुंडा देवी मंदिर में एक लाख श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाया। चैत्र नवरात्र मेले के छठे नवरात्र पर चार शक्तिपीठों में 40 लाख 62 हजार 534 रुपए नकद चढ़ावा मां के चरणों में चढ़ाया है। प्रदेश में सबसे अधिक चढ़ावा श्रीनयनादेवी मंदिर न्यास को 14 लाख 54 हजार 261 रुपए प्राप्त हुआ है। श्रीनयनादेवी मंदिर में सप्तमी पर 28 हजार श्रद्धालुओं ने शीश नवाया। मंदिर न्यास के अध्यक्ष एवं संयुक्त आयुक्त धर्मपाल चौधरी ने बताया कि मंदिर न्यास को छठे नवरात्र पर 14 लाख 54 हजार 261 रुपए नकद चढ़ावा प्राप्त हुआ है। चिंतपूर्णी मंदिर में सप्तमी पर 20 हजार श्रद्धालुओं ने शीश नवाया। चिंतपूर्णी मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने बताया कि छठे नवरात्र पर दस लाख 30 हजार 429 रुपए चढ़ावे के रूप में प्राप्त हुए हैं। ज्वाला जी मंदिर में 35 हजार श्रद्धालुओं ने माथा टेका। ज्वाला जी मंदिर अधिकार अजय मंडयाल ने बताया कि छठे नवरात्र पर नौ लाख आठ हजार 200 रुपए नकद चढ़ावा प्राप्त हुआ है। कांगड़ा स्थित बज्रेश्वरी देवी मंदिर में सप्तमी पर सात हजार श्रद्धालुओं ने माथा टेका। मंदिर अधिकरी शिवाली ठाकुर ने बताया कि छठे नवरात्र पर छह लाख 69 हजार 644 रुपए नकद चढ़ावा प्राप्त हुआ है।

चामुंडा देवी मंदिर में सप्तमी पर दस हजार श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाया। मंदिर अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि चैत्र नवरात्र मेले में अष्टमी पर विशेष पूजा की जाएगी, जिसमें मां चामुंडा को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे।

दियोटसिद्ध मंदिर में 25 लाख 55 हजार रुपए अर्पित

बड़सर। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ सिद्ध श्री बाबा बालक नाथ दियोटसिद्ध में बुधवार को मंदिर ट्रस्ट कार्यालय द्वारा नियमित चढ़ावे की गिनती की गई। मंदिर ट्रस्ट कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की गिनती में कुल 25,55,418 रुपए का चढ़ावा प्राप्त हुआ। अन्य दान राशि को मिलाकर कुल राशि लगभग 33,44,318 रुपए तक पहुंच गई। बुधवार को बकरों की नीलामी से कोई आय दर्ज नहीं हुई। गिनती के दौरान सोना और चांदी भी श्रद्धालुओं द्वारा भेंट स्वरूप अर्पित की गई। ट्रस्ट के अनुसार लगभग तीन ग्राम 40 मिलीग्राम सोना तथा करीब 119 ग्राम 690 मिलीग्राम चांदी प्राप्त हुई।

नशे की ओवरडोज़ से युवक की मौत, सड़क किनारे फेंका शव

बरोटीवाला में परिजनों की शिकायत पर गैर इरादतन हत्या, सबूत मिटाने का केस दर्ज

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-बद्दी

- एक आरोपी गिरफ्तार, पुलिस कर रही मामले की छानबीन

बरोटीवाला में सड़क किनारे मिले युवक के शव के मामले में अब परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि युवक को नशे की ओवरडोज़ देकर मौत के घाट उतारा गया और बाद में शव को सड़क किनारे फेंक कर मामले को हादसा दिखाने की कोशिश की गई। मृतक की पहचान राम लाल निवासी गांव ठेड़ा (लौदीमाजरा) के रूप में हुई है, जो ब्राह्मण बेली खेड़ा स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार 18 मार्च को वह काम पर गया, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा। रात के समय उसने फोन पर बताया कि वह पंचकूला गया है और जल्द लौट आएगा, लेकिन इसके बाद उसका फोन बंद हो गया । 20 मार्च को पुलिस से सूचना मिली कि राम लाल का शव भटौलीकला रोड पर नैना अपार्टमेंट के पास सड़क किनारे पड़ा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। मामले में नया मोड़ तब आया जब मृतक के पिता जगदीश चंद ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 18 मार्च की शाम रामलाल ट्रक यूनियन बरोटीवाला गया था, जहां उसकी मुलाकात विनोद कुमार और बहादुर सिंह से हुई। तीनों ने नशीले पदार्थ का सेवन किया, लेकिन विनोद और बहादुर ने रामलाल को जान बूझकर ओवरडोज़ दे दी, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपियों ने 19 मार्च की रात को शव ट्रक में डालकर नैना अपार्टमेंट के पास सड़क किनारे नाले में फेंक दिया, ताकि मामले को दुर्घटना का रूप दिया जा सके। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 ए 238 (सबूत मिटाना) और 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी बद्दी विनोद धीमान ने कहा कि इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसे अदालत से चार दिन का पुलिस रिमांड मिला है।

मंडी में डेढ़ किलो चरस सहित दो तस्कर गिरफ्तार

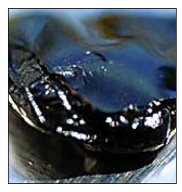

मंडी । मंडी में पुलिस ने नशे के खिलाफ छेड़े अभियान के तहत दो तस्करों को डेढ़ किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी में एक 50 साल की महिला को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंडी बस स्टैंड पर कार्रवाई करते हुए बस में सवार प्रितमू देवी निवासी मंडी को 810 ग्राम चरस के साथ अरेस्ट किया है। दूसरा मामले में पुलिस ने बिंद्राबणी पुल के पास चैकिंग के दौराप बस में सवार नागेंद्र ठाकुर निवासी कांगड़ा को 780 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत ने चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। मंडी एसपी विनोद कुमार ने कहा कि नशे के सौदागरों की धर पकड़ जारी है। कारोबारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं,मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत 310 चालान, कोटपा के अंतर्गत छह चालान कर 700 रुपए जुर्माना वसूला गया है।

कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर 29 सुरंगों से घटेगा 40 किलोमीटर सफर

साढ़े चार घंटे समय की बचत, जनता को मिलेगा लाभ

वरिष्ठ संवाददाता-शिमला

- एनएचएआई के साइट इंजीनियर ने प्रेस सूचना ब्यूरो के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष दी प्रेजेंटेशन
- परियोजना में आठ अतिरिक्त और एक मौजूदा सुरंग भी शामिल

कीरतपुर-मनाली के बीच दूरियों को कम करने के लिए फोरलेन परियोजना के तहत 29 सुरंगों का निर्माण होगा। इसमें आठ अतिरिक्त और एक मौजूदा सुरंग भी शामिल है। इस परियोजना के निर्माण से दोनों स्थानों के बीच की दूरी 46.6 किलोमीटर कम होगी और इससे करीब साढ़े चार घंटे के यात्रा समय की भी बचत होगी। परियोजना के तहत दोनों स्थानों की वर्तमान दूरी 237 किलोमीटर से घटकर 190 किमी कर दिया है। ओडिशा के विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों और प्रेस सूचना ब्यूरो के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष एनएचएआई की ओर से दी गई प्रेजेंटेशन में यह जानकारी साझा की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल के पांच दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के ब्राहदी ब्रिज स्थित प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट का दौरा किया। इस दौरान एनएचएआई के डिप्टी मैनेजर दिग्व्रत सिंह, मैनेजर टेक्निकल अशोक कुमार झा और साइट इंजीनियर अमित ठाकुर ने परियोजना की विस्तृत जानकारी साझा की।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के बेटे पर हमले के दो और आरोपी गिरफ्तार

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

- पुलिस जांच में खुलासा, तीन-चार महीनों से योजना बना रहे थे शातिर
- पूछताछ में मास्टर माइंड मोनू ने उगले नाम

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान के बेटे आर्यन चौहान पर हुए हमले के आरोप में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मामले में गिरफ्तार आरोपी मनीष वर्मा से पूछताछ और सबूतों के साथ आगामी जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि 20 मार्च, 2026 को मुकाम तारापुर में इस वारदात को अंजाम देने में इसके साथ टशी छेरिंग नेगी, राजेंद्र कुमार निवासी गांव कुमाहली शिमला तथा मनमोहन चौहान निवासी गांव मैना जिला शिमला भी शामिल थे। उक्त सभी आरोपी घटना के समय एक ही वाहन में सवार थे। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर राजेंद्र कुमार एवं मनमोहन चौहान घटनास्थल पर एक ही स्थान पर मौजूद पाए गए। आगे की जांच में यह भी सामने आया कि उक्त आरोपी पिछले तीन से चार महीनों से इस वारदात की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम द्वारा राजेंद्र कुमार को मशोबरा के समीप तथा मनमोहन चौहान को ठियोग में ट्रक यूनियन के पास से पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया। गहन पूछताछ के उपरांत दोनों आरोपियों को पुलिस थाना ढली में विधिवत गिरफ्तार किया गया। जो अब इस मुकदमे में शामिल सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह का कहना है कि उक्त घटना में संलिप्त सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है।

आज प्रदेश में झमाझम बरसेंगे बादल

हल्की बारिश के साथ चलेंगी ठंडी हवाएं, 28 से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। भले ही 28 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, लेकिन बादल गुरुवार से बरसना शुरू हो जाएंगे। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को पूरे प्रदेश में हल्की बारिश के साथ ठंडी हवा चलने के आसार हैं। 27 मार्च को भी बारिश-बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। एक और पश्चिमी विक्षोभ के 28 मार्च की रात से सक्रिय होने के आसार हैं। इसके प्रभाव से राज्य के कुछ स्थानों पर 28 और 31 मार्च को हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी की संभावना है। राज्य के कई स्थानों पर 29 और 30 मार्च को हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी होगी। 26, 28 व 29 मार्च को कई जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने का यलो अलर्ट है। राज्य के कई हिस्सों में अगले तीन-चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के आसार हैं।

न्यूनतम तापमान

शिमला 8.2, सुंदरनगर 9.6, कल्पा 2.6, धर्मशाला 6.2, ऊना 12.5, नाहन 11.0, पालमपुर 10.0, सोलन 8.2, मनाली 3.9, कांगड़ा 12.4, बिलासपुर 12.5, कुफरी 5.1 डिग्री सेल्सियस

अधिकतम तापमान

शिमला 19.4, सुंदरनगर 26.5, भुंतर 27.0, धर्मशाला 23.0, ऊना 29.0, नाहन 27.3,कांगड़ा 28,मनाली 20.2,जुब्बड़हट्टी 22.6,बरठीं 27.2, कसौली 21.7 डिग्री सेल्सियस

13 फीसदी कम बरसे मेघ

मौसम विभाग के विशेषज्ञ संदीप कुमार का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में मार्च में अभी तक सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। पहली से 25 मार्च तक की अवधि के लिए 97.6 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया, लेकिन वास्तव में 84.8 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। चंबा जिला में सामान्य से 33, कांगड़ा 19, किन्नौर 26 व लाहुल-स्पीति में 36 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। जबकि बिलासपुर में सामान्य से 36, हमीरपुर 25, कुल्लू 26, मंडी 52, शिमला 17, सिरमौर 17, सोलन 44 व ऊना में 45 फीसदी अधिक बारिश हुई।

ईपीएफओ का 'निधि आपके निकट' अभियान 27 मार्च को

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-शिमला

- मौके पर निपटेंगी शिकायतें योजनाओं पर देंगे जानकारी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय शिमला द्वारा 27 मार्च को हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में निधि आपके निकट जागरूकता एवं संपर्क अभियान का व्यापक आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नियोक्ताओं और श्रमिकों को भविष्य निधि से जुड़ी सेवाओं, योजनाओं और अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के तहत हितधारकों को ईपीएफओ के साथ संचार के विभिन्न माध्यमों जैसे पीआरओ, कॉल सेंटर और शिविरों की जानकारी दी जाएग। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से ईपीएफओ सेवाओं का लाभ उठाने पर भी विशेष फोकस रहेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रमिकों के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट के तहत प्रावधानों और संबंधित देशों की जानकारी भी साझा की जाएगी। खास बात यह है कि इस अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक जिले में आयोजित शिविरों में भविष्य निधि से संबंधित शिकायतों और लंबित मामलों का मौके पर ही निपटान किया जाएगा। बिलासपुर से किन्नौर और चंबा से शिमला तक विभिन्न चिन्हित स्थानों पर कार्यक्रम से सैकड़ों कर्मचारियों और नियोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

हिमाचल में बसेंगे तीन नए सेटेलाइट टाउन

हिम चंडीगढ़, हिम पंचकूला और कांगड़ा वैली एयरोसिटी का होगा निर्माण

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

- नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी की अध्यक्षता में एमओयू साइन

प्रदेश में तीन नए सेटेलाइट शहरों के विकास के लिए हिमाचल प्रदेश आवास और शहरी विकास प्राधिकरण (हिमुडा) और हाउसिंग एंड अर्बन डिवेलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (हुडको) के बीच बुधवार को नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इस एमओयू के तहत हिम चंडीगढ़, हिम पंचकूला और कांगड़ा वैली एयरोसिटी का निर्माण किया जाएगा। हिमुडा की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव डा. सुरेंद्र कुमार वशिष्ठ तथा हुडको की ओर से क्षेत्रीय प्रमुख नीरज सेठी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च अधिमान देते हुए नियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देने में यह परियोजनाएं मील पत्थर साबित होंगी। संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने तथा राज्य में बढ़ते शहरीकरण के दबाव को कम करने के लिए इन परियोजनाओं को योजनाबद्ध, सतत् विकास के दृष्टिगत भविष्य के अनुरूप शहरी केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा।

शिमला - नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी की अध्यक्षता में एमओयू साइन करते हिमुडा और हुडको के अधिकारी

प्रदेश को नई पहचान

सीएम की नियोजित शहरीकरण की परिकल्पना को साकार करने की दृष्टि में यह परियोजनाएं सहायक साबित होंगी। यह पहल नए आर्थिक अवसरों के सृजन में सहायक होगी। इससे प्रदेश को एक नई पहचान और रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, हिमुडा और हुडको के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार ने कांगड़ा की राशि चिंतपूर्णी को दी

- 100 करोड़ की स्वदेश दर्शन योजना से बाहर हुआ महाराणा प्रताप सागर
- अब चिंतपूर्णी मंदिर पर खर्च होगा बजट

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला को पर्यटन राजधानी बनाने की राह में एक बड़ा रोड़ा अटका है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत पौंग बांध के कायाकल्प के लिए प्रस्तावित लगभग 100 करोड़ रुपए की महत्त्वाकांक्षी परियोजना प्रदेश के हाथ से निकल गई है। तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से धरातल पर न उतर पाने के चलते केंद्र ने इस भारी-भरकम राशि को अब प्रसाद योजना में स्थानांतरित कर दिया है। इसी फेरबदल के तहत प्रदेश के सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ चिंतपूर्णी मंदिर के विकास के लिए 57 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी गई है। इस योजना के तहत देहरा, नगरोटा सूरियां और खटेहड़ में पर्यटन का एक सशक्त ईको-सिस्टम तैयार किया जाना था। विभाग ने यहां वेलनेस सेंटर, अत्याधुनिक बर्ड वाचिंग सेंटर, हाई-एंड होटल्स, कैंपिंग साइट्स और विशाल पूल का रोडमैप तैयार किया था। औपचारिकताएं पूरी न होने से यह परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई है।

चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सेवाएं

राहत की बात यह है कि केंद्र ने इस बजट का रुख प्रदेश के धार्मिक पर्यटन की ओर मोड़ दिया है। चिंतपूर्णी मंदिर में जारी हुई 57 करोड़ की राशि से श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, आधुनिक आवास और यात्री सुविधाओं का विस्तार शामिल है।

स्थानीय युवाओं के हाथ से निकला रोजगार

पौंग बांध में हर साल करीब चार महीने विदेशी मेहमान परिंदों का जमावड़ा रहता है। बर्ड वाचिंग और टूरिज्म गतिविधियों से जुड़कर स्थानीय लोग आजीविका कमा सकते थे। विदेशी पर्यटकों के आने से स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान और होम-स्टे जैसे स्वरोजगार के रास्ते खुलने थे, जो फिलहाल बंद होते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा इस प्रोजेक्ट के जरिए क्षेत्र के 2000 मछुआरा परिवारों को वैकल्पिक रोजगार देने की योजना थी।

अनदेखी से पर्यटन हब बनने से पिछड़ा कांगड़ा

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्वदेश दर्शन योजना सिरे चढ़ जाती, तो पूरा क्षेत्र एक एकीकृत पर्यटन इकाई के रूप में उभरता। विदेशी सैलानियों की आमद से न केवल राजस्व बढ़ता, बल्कि आसपास के गांवों में स्थायी आर्थिक गतिविधियां शुरू होतीं।

निचले स्तर के कर्मचारियों के तैयार किए गए आदेश रद्द

शिमला। प्रदेश हाई कोर्ट ने निचले स्तर के कर्मचारियों द्वारा तैयार किए गए आदेश को रद्द करते हुए पुनरीक्षण याचिका को पुन: सुनने व उस पर आदेश पारित करने के निर्देश जारी किए है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया न्यायाधीश जिया लाल भारद्वाज की खंडपीठ ने मोहन मुसाफिर द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि होता हुआ भी दिखना चाहिए। कोर्ट ने पाया कि पुनरीक्षण प्राधिकारी ने पुनरीक्षण याचिका का निर्णय 21 जुलाई, 2025 को ही कर दिया था। ऐसी परिस्थितियों में एकल पीठ ने पाया था कि मामले का निर्णय 21 जुलाई, 2025 को कभी नहीं हुआ था । कार्यवाही के अनुसार, अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर 25 जुलाई, 2025 को किए गए थे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि उक्त आदेश पारित होने के संबंध में एक और अस्पष्टता है, क्योंकि मामले के शीर्षक में पुनरीक्षण याचिका संख्या 01/2025 का उल्लेख है, जिसका निर्णय चार जून, 2025 को हुआ था।

राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई

केंद्र सरकार-चुनाव आयोग को नोटिस

विधि संवाददाता-शिमला

- हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार अनुराग शर्मा से भी मांगा जवाब
- प्रतिवादियों को 21 मई तक जवाब दायर करने के आदेश

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कांग्रेस से राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा के चुनाव को चुनौती देने वाली जनहित याचिका में केंद्र सरकार व राज्य सरकार सहित भारतीय चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने अनुराग शर्मा को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता विनय शर्मा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के पश्चात मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बीसी नेगी की खंडपीठ ने सभी प्रतिवादियों को 21 मई तक जवाब दायर करने के आदेश जारी किए। प्रार्थी ने मांग की है कि हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए अनुराग शर्मा के चुनाव को रद्द करने के आदेश जारी किए जाए व उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 9ए के तहत सरकारी अनुबंधों के बने रहने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था। मांग की गई है कि भारत निर्वाचन आयोग को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए के तहत झूठा हलफनामा दाखिल करने के लिए कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया जाए। प्रार्थी ने चुनाव आयोग को राज्यसभा सीट के लिए नए सिरे से चुनाव कराने के निर्देश देने की मांग भी की है। अनुराग शर्मा ने उक्त चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया और अपने चुनावी हलफनामे में स्वीकार किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के समय हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ उनके नाम पर कई सरकारी ठेके लंबित हैं। अनुराग शर्मा एक सरकारी ठेकेदार है और वर्तमान में प्रदेश सरकार के साथ सार्वजनिक कल्याण विभाग और अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों के माध्यम से कई अनुबंधों का निष्पादन कर रहा है।

धर्मशाला में 28 मार्च से अध्यात्म-राष्ट्रवाद का संगम

धर्मशाला । धर्मशाला 28 और 29 मार्च को एक बड़े वैचारिक और आध्यात्मिक समागम का केंद्र बनने जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान न केवल तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा से भेंट करेंगे, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद कर राष्ट्र निर्माण का रोडमैप भी साझा करेंगे। प्रवास के पहले दिन 28 मार्च की सुबह होसवोले और बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा के बीच होने वाली भेंट पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इसके तुरंत बाद, कोतवाली बाजार स्थित कम्युनिटी हाल में आयोजित बौद्ध धर्म सम्मेलन में वह मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। इस गरिमामय कार्यक्रम में उनके साथ प्रख्यात बौद्ध धर्मगुरु लिंग रिनपोछे की उपस्थिति चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी दिन दोपहर 3.30 बजे तिब्बती सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों के साथ एक विशेष बैठक भी प्रस्तावित है। प्रवास का दूसरा दिन यानी 29 मार्च पूरी तरह से वैचारिक आदान-प्रदान के नाम रहेगा।

सोनिया गांधी की सेहत स्थिर, बेटे राहुल गांधी ने टाला केरल दौरा

नई दिल्ली। कांग्रेस की सीनियर नेता सोनिया गांधी की तबीयत स्थिर है। उन्हें मंगलवार की रात को ही सर गंगाराम अस्पताल में एडमिट कराया गया था। फिलहाल उनकी तबीयत स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में वह स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। इस बीच रायबरेली के सांसद और उनके बेटे राहुल गांधी मां की सेहत को देखते हुए दिल्ली में ही रुके हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को बुधवार को केरल में एक चुनावी दौरे पर जाना था, लेकिन उन्होंने केरल का दौरा रद्द कर दिया।

10 साल में बनेंगे 100 नए हवाई अड्डे

केंद्र ने संशोधित 'उड़ान' योजना के लिए मंजूर किए 28,840 करोड़

दिव्य हिमाचल ब्यूरो, नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी

केंद्र सरकार ने बुधवार को 28,840 करोड़ रुपए की लागत से 10 साल की 'संशोधित उड़ान' योजना को मंजूरी प्रदान की, जिसके तहत देश में 100 नए हवाई अड्डों और 200 आधुनिक हेलिपोर्ट का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि छोटे तथा मझौले शहरों को देश के हवाई नेटवर्क में शामिल करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)'उड़ान' की शुरुआत साल 2016 में की गई थी और पहली फ्लाईट दिल्ली से शिमला के बीच अप्रैल 2017 में शुरू हुई थी। इसके तहत 95 नए हवाई अड्डों की शुरुआत की गई है, जिनमें ज्यादातर पुरानी हवाई पट्टियों और उपेक्षित हवाई अड्डों को विकसित करके बनाए गए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि उड़ान योजना में 1.62 करोड़ लोगों ने रियायती दरों पर यात्रा की है। वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 के लिए मंजूरी नई योजना में चार करोड़ यात्रियों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि आठ साल में 100 नए हवाई अड्डों का विकास चैलेंज मोड में किया जाएगा। राज्य बताएंगे कि किन शहरों को शामिल करना चाहते हैं। उसके लिए जमीन, वन एवं पर्यावरण संबंधी मंजूरी आदि मुहैया कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी। केंद्र सरकार हवाई अड्डों के विकास के लिए कुल 12,159 करोड़ रुपए की बजटीय सहायता देगी। सभी 100 हवाई अड्डे पुरानी हवाई पट्टियों को विकसित करके ही बनाए जाएंगे। इससे 120 नए शहर 'उड़ान' में शामिल होंगे। 'उड़ान' हवाई अड्डों के संचालन एवं रखरखाव के लिए केंद्र सरकार पहले तीन साल अधिकतम 3.06 करोड़ रुपए सालाना प्रति हवाई अड्डा मदद देगी।

■ पुरानी हवाई पट्टियां विकसित कर बनेंगे सभी एयरपोर्ट

इमिग्रेशन, वीजा और आईवीएफआरटी योजना पांच साल के लिए बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने इमिग्रेशन, वीजा, विदेशी पंजीकरण एवं पहचान (आईवीएफआरटी) योजना को 1800 करोड़ रुपए की लागत से अगले पांच वर्ष 2031 तक जारी रखने का महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि यह मंजूरी आगामी एक अप्रैल से 31 मार्च 2031 तक के लिए दी गयी है और इसके लिए 1800 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म देश में आव्रजन, वीजा जारी करने और विदेशियों के पंजीकरण से संबंधित कार्यों को आपस में जोड़ने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित और एकीकृत सेवा वितरण ढांचे के भीतर आव्रजन और वीजा सेवाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है।

कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कांग्रेस पार्टी को उसके 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय और पांच रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय को ख़ाली करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार संपदा निदेशालय ने नोटिस भेजकर कांग्रेस से ये दोनों कार्यालय 28 मार्च तक खाली करने को कहा है। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष अपना मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थानांतरित कर लिया था, लेकिन वह 24 अकबर रोड़ पर अपना कार्यालय बनाए हुए है। नोटिस के संबंध में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह नोटिस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। पार्टी इस मसले पर वैधानिक और राजनीतिक रूप से चर्चा कर आगे कदम उठाएगी।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

एजेंसियां — प्रयागराज

■ बटुकों से यौन शोषण केस में हाई कोर्ट का फैसला, इंटरव्यू देने पर लगाई रोक

बटुकों से यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को बड़ी राहत मिली है। बुधवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। हाई कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है। यह फैसला सुनाने के दौरान शंकराचार्य के वकीलों ने कहा कि योर ऑनर इस पर भी कहें कि कोई बच्चों को लेकर घूमने लगता है, कोई यात्रा के दौरान बयानबाजी करता है। इसे भी रोका जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए। बता दें कि अगर आरोपी जेल में है, तो पुलिस को हर हाल में 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होती है। नहीं, तो कोर्ट जवाब मांग लेता है। लेकिन अगर आरोपी गिरफ्तार नहीं है, तो पुलिस जांच के नाम पर कुछ वक्त ले सकती है।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा; राष्ट्रगीत न गाने पर दंड का प्रावधान नहीं, यह सिर्फ प्रोटोकॉल

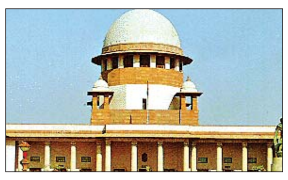

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को केंद्र सरकार के उन हालिया दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिनमें सरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में राष्ट्र गीत वंदे मातरम बजाने की बात कही गई थी। इसके साथ ही जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने इस याचिका को समय से पहले (अपरिपक्व) करार दिया। बेंच ने यह भी कहा कि इन दिशानिर्देशों का पालन न करने पर किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल (नियम-प्रक्रिया) हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ये एक गाइलाइंस हैं। इसमें कोई दंड का प्रावधान नहीं है। यानी किसी को भी 'वंदे मातरम' गाने या बजाने के लिए मजबूर नहीं किया जा रहा है। इसके आगे बेंच ने कहा कि हम इन सभी मामलों पर तभी सुनवाई करेंगे, जब इनका पालन न करने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई होती हो या फिर (गाना) अनिवार्य कर दिया गया हो। यह अधिसूचना केवल एक सलाह (एडवाइजरी) है। इसमें किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। मोहम्मद सईद नूरी नाम के एक व्यक्ति ने यह याचिका दायर की थी, जिस पर सीजेआई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ सुनवाई कर रही थी। सईद नूरी एक शैक्षणिक संस्थान चलाते हैं। उनकी तरफ से वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े मामले की पैरवी कर रहे थे। हेगड़े ने सुनवाई के दौरान दलील दी कि भले ही नियम सलाहकारी हों, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण लोग मजबूर हो सकते हैं।

■ अदालत का याचिका पर सुनवाई से इनकार

शनिवार और रविवार को संसद में कामकाज बंद

नई दिल्ली। संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने राज्यसभा में अहम जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि शनिवार और रविवार अब संसद में कामकाज नहीं चलेगा, यानी छुट्टी रहेगी। पहले संसद चलाने की योजना थी, लेकिन अब अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को संसद में रामनवमी का अवकाश रहेगा और शुक्रवार को राज्यसभा में फाइनांस बिल लाया जाएगा। संसद में 26 मार्च को रामनवमी का अवकाश है और इससे पहले 19 और 20 मार्च को गुड़ी पाड़वा और ईद की छुट्टी रही थी। इन छुट्टियों के की भरपाई के लिए सरकार ने पहले इस हफ्ते 28 और 29 मार्च को दोनों सदनों की बैठक बुलाने की बात कही थी।

जुबीन गर्ग की मौत महज हादसा, साजिश नहीं

सिंगापुर कोर्ट का फैसला, पीसीजी की जांच को सही ठहराया

एजेंसियां — सिंगापुर

जुबीन गर्ग

सिंगापुर की अदालत ने सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया है। कोर्ट ने किसी भी साजिश से इनकार किया है। बुधवार को एक स्टेट कोरोनर ने सिंगापुर पुलिस कोस्ट गार्ड (पीसीजी) की इस जांच को सही ठहराया कि सिंगर जुबीन गर्ग की मौत में कोई साजिश नहीं थी। उन्होंने फैसला सुनाया कि पिछले साल सितंबर में इस शहर-राज्य के एक द्वीप के पास हुई उनकी मौत एक -हादसे में डूबने' का मामला था। पीसीजी की इस जांच पर गर्ग की पत्नी द्वारा जताई गई चिंता का सीधा जवाब देते हुए स्टेट कोरोनर एडम नखोदा ने कहा कि पीसीजी ने इस मामले में एक व्यापक और पूरी तरह से जांच की थी।

नखोदा ने पाया कि गर्ग की मौत महज एक दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद हादसे में डूबने के कारण हुई थी और किसी ने भी उन्हें जबरदस्ती, दबाव डालकर या धक्का देकर पानी में नहीं डाला था। नखोदा ने बताया कि इस बात का भी कोई सबूत नहीं मिला कि उन्हें बचाने वाले तैराकों ने जान-बूझकर उनका चेहरा पानी के नीचे दबाए रखा था। नखोदा ने बताया कि 52 वर्षीय गर्ग नशे में थे और संभवत: इसी वजह से उनके फैसले लेने की क्षमता प्रभावित हुई। इसमें पहली बार तैरते समय उनका अपनी लाइफ जैकेट उतार देना और दूसरी बार तैरते समय यॉट के कैप्टन और अन्य यात्रियों के बार-बार कहने के बावजूद उसे पहनने से पूरी तरह इनकार कर देना शामिल है। जुबीन गर्ग 19 सितंबर, 2025 को लाजरस आइलैंड के पास पानी में डूब गए थे।

अश्विनी वैष्णव बोले, ट्रेनों में 78 फीसदी सीटें सामान्य, स्लीपर क्लास की

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि ट्रेनों में 70 प्रतिशत स्लीपर और सामान्य डिब्बे लगाए गए हैं। श्री वैष्णव ने बताया कि कुल ट्रेनों में 78 प्रतिशत सीटें स्लीपर और सामान्य डिब्बों की हैं। गर्मियों और त्योहारों के समय तथा भीड़ बढ़ने के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन चलाई गई हैं, जिससे यात्रियों को बहुत सहूलियत हुई है। आरक्षित टिकटों के लिए दलाली करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है।

ईरानी नागरिकों पर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फैसला, टूरिस्ट वीजा एंट्री पर लगाया छह महीने का बैन

मेलबर्न। मिडल ईस्ट में छिड़ी जंग के बीच ऑस्ट्रेलिया ने ईरानी नागरिकों के टूरिस्ट वीजा को लेकर बड़ा फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया ने नए कानूनों के तहत ईरान से आने वाले नागरिकों के ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश उन ईरानी नागरिकों पर लागू होगा, जिनके पास विजिटर वीजा है। इन पर छह महीने के बैन की घोषणा की गई है। गुरुवार (26 मार्च) से यह नया नियम लागू किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने दुनिया में तेजी से बदलते हालात के चलते राष्ट्रीय हितों के लिए इस फैसले को जरूरी बताया। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि सरकार को अंदेशा है कि कुछ लोग वीजा खत्म के बावजूद भी देश में रह सकते हैं।

दिव्य हिमाचल | divyahimachal.com
शिमला, गुरुवार, 26 मार्च, 2026

“भाग्य में नहीं, अपनी शक्ति में विश्वास रखो।
–डा. बीआर अंबेडकर

इधर चलो या उधर चलें

सदन के बाहर और भीतर प्रदेश की प्राथमिकताओं का ढेर उठाएं भी तो कैसे। ऐसा लगने लगा है कि हम वक्त गुजार रहे या वक्त को धकेल रहे हैं। हम ऐसी नौका में सवार हैं जिसका कोई गंतव्य नहीं। सियासत कहती है इधर चलो, उधर निकल जाते हैं। हिमाचल का जोगिंद्रनगर-पठानकोट रेल मार्ग अपने हाल पर रो रहा है। यूं तो सांसद हमें कह रहे हैं कि एक दिन रेल की पटरियां चौड़ी हो जाएंगी, लेकिन हकीकत यह कि पठानकोट का सफर जोगिंद्रनगर पहुंचता नहीं। किसने रोकी कांगड़ा घाटी की रेल। कौन संसद में कर रहा खोखली बात। आश्चर्य है कि जहां पटरी है, वहां ट्रेन चल नहीं रही और राजनीतिक सपने कह रहे कि उधर देखो, कल तमाशा होने वाला है। कुछ यही हाल शिमला-कांगड़ा और पठानकोट-मंडी फोरलेन का भी है। पता नहीं कब जसूर और मलां के फ्लाईओवर पूरा न होने की जिद्द छोड़ेंगे। अड़ियल विकास के स्तंभ कई जगह दिखाई दे रहे हैं। कांगड़ा से निकला फोरलेन सुरंग तक नहीं पहुंच रहा है। बड़े-बड़े पुल बन गए, सुरंगें बन गईं, लेकिन सफर जुड़ नहीं रहा। उधर पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन का एक टेंडर हजारों शिकायतें दोहरा कर भी पूरा नहीं हो रहा। प्रदेश में ही देखेंगे तो कई अधूरी इमारतें, तो कई बन के भी उदास हैं, फिर भी आजमाइश में सिलसिला चल रहा है। हर बार अपने मुहाने पर धर्मशाला के जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर अपनी शव यात्रा निकालता है, मगर कोई रोता नहीं। न कांग्रेस और न ही भाजपा। कई नेता बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन राजनीति का व्यवहार हर बार निर्दोष साबित होता है। परियोजना रोकने की मासूमियत भी बड़ी अजीब होती है। हम प्रदेश में बनते-बिगड़ते संस्थानों को देखते रहे हैं, लेकिन इस सदी का सबसे घटिया मजाक धर्मशाला का केंद्रीय विश्वविद्यालय है और यह जिद्द है या दस्तूर कि एक परिसर की मौत के बाद जनाजा भी उठ नहीं रहा। कहानी तत्कालीन भाजपा सरकार से शुरू हुई और मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, सांसद अनुराग ठाकुर, स्व. किशन कपूर, जयराम ठाकुर से लेकर सुखविंदर सुक्खू सरकार तक पहुंच गई। हिमाचल का सारा बजट इसी परिसर पर आकर खत्म हो रहा है, तो विकास भी मुंह छिपाता होगा। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर राजनीति को क्यों नहीं सुहाता, जबकि यहां करीब पंद्रह हजार छात्र बाहर से आकर रह रहे हैं। शहर में तीन दर्जन निजी पुस्तकालय व कई प्रतियोगी व प्रवेश परीक्षाओं पर केंद्रित अकादमियां हैं। एक जिला मुख्यालय की विडंबना यह कि यहां से मेडिकल कालेज की संभावना के बाद विश्वविद्यालय का अस्तित्व भी मिटाया गया। यही हिसाब पर्यटन परियोजनाओं का भी पूरे प्रदेश में दिखाई देता है। राजनीतिक घंटियां बांध कर कई संस्थान खड़े तो होते हैं, लेकिन गिरते धड़ाम से। नूरपुर में दो बार पर्यटन परिसर उजड़ गए और भागसूनाग का कैफे बिक कर मॉल बन जाता है। बैजनाथ के कैफे को निजी हाथों का कबाड़ केंद्र किसने बनाया। आंखें थक जाती हैं कि कभी बीड़-बिलिंग का पैराग्लाइडिंग संस्थान अपनी आंख खोलेगा। अब बात छोटी सी है कि नयनादेवी परिसर में लिफ्ट लगाना कितनी जरूरी है, लेकिन एक पक्ष कहता है, इधर देखो, दूसरा कहता है उधर देखो। विडंबना यह है कि हिमाचल में एकपक्षीय विकास का सिलसिला चल रहा है। हर सरकार के कार्यकाल में कुछ विशेष क्षेत्रों में विकास जीत जाता है, कहीं हरा दिया जाता है और कहीं थोंप दिया जाता है। नाहन में बनते मेडिकल कालेज की बिल्डिंग को देखें, तो पूछना पड़ेगा कि जमीन किस टोडरमल ने चयनित की। अब शहर से बाहर जमीन खोजी जा रही है, तो जो बन गई उन इमारतों के मलबे में किसकी फिजूलखर्ची ढूंढी जाएगी। यह बहुमत की जिद्द है, राजनीति का वर्चस्व या खोखला अहंकार जो हिमाचल में विकास को विकास से उलझाता है। कुछ विधायक इन विषयों पर बोलना चाहते हैं, लेकिन प्रदेश सुनता नहीं। प्रदेश को चाहिए अंधा-बहरा विकास और अंधी-बहरी घोषणाएं। यह अंधकार है, क्योंकि सूरज को पर्दे में रखकर हम अपने भविष्य के मुगालतों में रहना सीख गए हैं।

वैकल्पिक ऊर्जा है कहां?

ईरान युद्ध के कारण परिस्थितियां ऐसी बनी हैं कि पहली बार जीवाश्म (फॉसिल, कोयला-तेल आदि) ईंधन पर बहस छिड़ी है। यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस को बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के मद्देनजर यह बहस छिड़ी है। दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी...! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है। उसमें मध्य-पूर्व देशों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत का तेल-गैस आयात का बिल उस स्तर तक पहुंच चुका था, जहां एक साल में ही 180 अरब डॉलर तक उछल सकता था। कतर ने 2024-25 में भारत को 1.10 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति की थी। वह करीब 41 फीसदी थी। तेल-गैस आयात करने के मद्देनजर हमारी अर्थव्यवस्था उन क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर आश्रित हो गई, जहां हमारी या आपूर्ति करने वाले देशों की भूमिका या दखल सीमित है। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई। उसमें प्रधानमंत्री ने शिपिंग मार्ग के खुले और सुरक्षित होने का मुद्दा भी उठाया था। जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग में ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं और मार्ग अवरुद्ध है, उसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार्य नहीं माना। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सहमति जताई। भारत के अभी तक 6 जहाज होर्मुज को पार कर चुके हैं, लेकिन अब भी 20 जहाज समुद्र में ही फंसे हैं। मौजूदा संकट के कारण भारतीय जीडीपी की विकास दर 4 फीसदी तक गिर सकती है, यह आकलन 'मूडीज' का है, जबकि गोल्डमैन सैश का आकलन है कि भारत की विकास दर 7 फीसदी से घट कर 5.9 फीसदी तक आ सकती है। महंगाई भी बढ़ सकती है। हम रूस, अमरीका, अफ्रीका, ओमान और लाल सागर के रास्ते हररोज कच्चा तेल आयात कर रहे हैं। युद्ध के बाद भी 18 लाख बैरल तेल हररोज आ रहा है, जबकि युद्ध से पहले 30-35 लाख बैरल तेल आता था। यह सुखद है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर कोई राशनिंग नहीं है, लेकिन गैस को लेकर है, क्योंकि गैस का अधिकतम भंडारण मात्र पौने दो दिन का ही कर सकते हैं। ओडिशा और कर्नाटक में तेल के भंडारण बनाने की बात करीब 5 साल पहले उठी थी, लेकिन आज भी 'शून्य' स्थिति है। हमें खाद भी मोरक्को जैसे देश से मंगवानी पड़ रही है। यदि अब भी युद्ध लंबा खिंचा, तो हमारा चालू खाता घाटा 2.2 फीसदी तक हो सकता है। बहरहाल स्थितियां अच्छी नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद में अपने वक्तव्य में कहा है कि युद्ध के बाद भी, युद्ध के असर, लंबे वक्त तक हो सकते हैं, इसकी प्रबल आशंका है।

संपादकीय लेखों पर सुधी पाठकों की प्रतिक्रियाएं आमंत्रित हैं, भेजें : पाठकों के पत्र, द्वारा संपादक, पोस्ट बॉक्स 14, धर्मशाला-176215
फोन : 01892-264713, 260676
फैक्स : 01892-264700
Email : feature@divyahimachal.com या edit.dshala@divyahimachal.com

करुणा की साधना

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरु प्रमोद निर्वाण
गिन्नीज विश्व रिकार्ड विजेता लेखक

रूसी लेखक एंटोन चेखव की कहानी 'मिज़री', यानी, कष्ट को विश्व प्रसिद्ध कहानियों में गिना जाता है। इस कहानी का मुख्य पात्र आयोन पोटापोव नामक एक बूढ़ा तांगे वाला है, जो अपने बेटे की मौत के दुख से टूट चुका है। वह बर्फीली रात में ग्राहकों को ले जाता है और उन्हें अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताने की कोशिश करता है क्योंकि वह किसी से अपना दर्द साझा करना चाहता है, लेकिन कोई भी उसकी बात नहीं सुनता और उल्टे अपने दुखों की चर्चा करने लगता है। लोगों के इस रुख से वह इतना परेशान हो जाता है कि अंत में वह अपने घोड़े के पास जाता है, उसे अपना दुख सुनाता है, और उसके साथ लिपट कर अपना मन हल्का करता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह एक स्थिति है जिसे हम सभी कभी न कभी भुगतते ही हैं। कभी-कभी मनुष्य के जीवन में दुख इतना गहरा उतर जाता है कि वह किसी का सहारा खोजता है, वह बस इतना ही चाहता है कि कोई उसकी बात सुन ले। आयोन पोटापोव उसी अवस्था का प्रतीक है। उसका दुख कोई दर्शन नहीं मांगता, कोई समाधान नहीं चाहता, वह केवल साझेदारी चाहता है। पर संसार समाधान सुनने का आदी है, दुख सुनने का नहीं।

आज का समाज अपने दुखों में, अपने स्वार्थों में, अपने छोटे-छोटे अहंकारों में व्यस्त है। वहां किसी दूसरे के शोक के लिए स्थान नहीं है। आयोन जब अपने बेटे की मृत्यु का उल्लेख करता है, तो सामने वाला उसे अपने जीवन की समस्या सुनाने लगता है। यह केवल कहानी नहीं है, यह मानव-स्वभाव का आईना है। आयोन का दुख इसलिए असह्य नहीं है कि उसका बेटा मर गया, बल्कि इसलिए है कि वह उसे किसी से बांट नहीं पा रहा। दुख बांटने से हल्का होता है, पर जब बांटने का पात्र न मिले, तो दुख बोझ बन जाता है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि मनुष्य को यहां सबसे पहले समाधान नहीं, सहानुभूति चाहिए होती है। घोड़ा उत्तर नहीं देता, सलाह नहीं देता, बस उपस्थित रहता है। यही उपस्थिति आयोन को राहत देती है। यहां कोई ज्ञान नहीं, कोई उपदेश नहीं, केवल मौन है और वही मौन औषधि बन जाता है। यह कहानी दुख की नहीं, अनसुनेपन की है। आयोन रो नहीं रहा, चिल्ला नहीं रहा, वह केवल कहना चाहता है कि उसका बेटा मर गया है। लेकिन दुनिया सुनने के लिए रुकी हुई नहीं है। हर आदमी अपने ही नाटक में व्यस्त है। यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि मनुष्य तभी सुन सकता है जब वह भीतर से खाली हो। जो स्वयं दुखों से भरा है, वह दूसरे के दुख के लिए जगह कहां बनाए? इसलिए आयोन को कोई नहीं सुनता। अंत में वह घोड़े से बात करता है, क्योंकि घोड़े का मन खाली है। यह कहानी कहती है कि संवाद शब्दों से नहीं, उपस्थिति से होता है। घोड़ा समझता नहीं, फिर भी सुन लेता है। मनुष्य समझने का दावा करता है, पर सुन नहीं पाता। यही विडंबना है। दार्शनिक दृष्टि से यह कहानी मानव-अस्तित्व की उस स्थिति को उजागर करती है जहां व्यक्ति समाज के बीच रहते हुए भी अकेला होता है। आयोन का अकेलापन भौतिक नहीं, अस्तित्वगत है। वह लोगों के बीच है, पर संबंध में नहीं। आधुनिक समाज में संवाद एकतरफा हो गया है। हर व्यक्ति बोलना चाहता है, पर कोई सुनना नहीं चाहता। किसी का दुख सुन लेना करुण चेतना की अवस्था है, बुद्धि की नहीं। यहां हम दिमाग से नहीं, दिल से काम ले रहे होते हैं। मनोविज्ञान कहता है कि शोक का सबसे आवश्यक चरण है दुख को शब्द देना। आयोन बार-बार प्रयास करता है, पर असफल रहता है। इससे उसका शोक बढ़ जाता है। जब वह घोड़े से बात करता है, तो उसका मस्तिष्क पहली बार भावनात्मक राहत अनुभव करता है। इससे स्पष्ट होता है कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि सुन कौन रहा है, बल्कि महत्त्वपूर्ण यह है कि कोई सुन रहा है। भारतीय जीवन-दर्शन दुख को समस्या नहीं मानता, वह उसे अवस्था मानता है। यही कारण है कि हमारे यहां दुख के लिए तुरंत उत्तर नहीं दिए जाते, दुख के साथ बैठा जाता है। चेखव की कहानी इसी अंतर को तीखेपन से उजागर करती है। आयोन जिस किसी को भी अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताता है, वह उसे सुनने के बजाय अपनी कहानी सुना देता है। यहां संवाद नहीं, प्रतिस्पर्धा है कि किसका दुख बड़ा है। भारतीय दृष्टि में यह अहम का खेल है, जहां करुणा के लिए स्थान नहीं बचता। गीता का बोध हमें बताता है कि मनुष्य का संतुलन तब टूटता है जब वह केवल अपने अनुभवों में बंद हो जाता है। दूसरे के अनुभव में प्रवेश करने की क्षमता ही करुणा है जो संतुलन को पुनः स्थापित करती है। करुणा कोई भावुकता नहीं है, यह चेतना की परिपक्वता है। आयोन को करुणा नहीं मिलती, इसलिए उसका दुख भारी होता जाता है। दुख स्वयं भारी नहीं होता, उसे अकेले ढोना भारी बना देता है। गीता दुख के समय उपदेश देने के बजाय स्थिति में ठहरने की शिक्षा देती है। यही कारण है कि भारतीय जीवन-दर्शन में मौन का महत्व इतना अधिक है। मौन शून्यता नहीं है, मौन संपूर्ण स्वीकार है। जब कोई व्यक्ति दुख में होता है, तब उसे तर्क नहीं चाहिए, सलाह नहीं चाहिए, उसे यह अनुभूति चाहिए कि उसका दुख वैध है, कि वह देखा जा रहा है। सुनना मतलब अपने भीतर जगह बनाना। जो व्यक्ति सुनता है, वह अपने अहम को थोड़ी देर के लिए हटाता है। समाज में यही सबसे दुर्लभ है।

गीता यह भी सिखाती है कि अहम सबसे बड़ा अवरोध है। जो व्यक्ति हर समय बोलना चाहता है, वह खुद को सबसे बड़ा ज्ञानी मानता है, वह चाहता है कि लोग उसकी बातें सुनें, उसके ज्ञान का आदर करें, वह सुन नहीं सकता, वह किसी का दुख भी सुन नहीं सकता। आयोन भी बोलना चाह रहा है, पर वह ज्ञान नहीं बांट रहा। आयोन अहंकार में नहीं है, दुख में है। आयोन के ग्राहक बोलते हैं, इसलिए वे सुन नहीं पाते। घोड़ा नहीं बोलता, इसलिए वह सुन लेता है। यह प्रतीक अत्यंत गहरा है। यह बताता है कि करुणा बुद्धि की नहीं, भावना की उपज है। आयोन जब अपने घोड़े को अपना दुख बताता है तो इस दृश्य में एक बूढ़ा व्यक्ति है और उसका घोड़ा, और बीच में बहता हुआ मौन। यही मौन गीता का भी मूल स्वर है। आयोन पोटापोव हर उस मनुष्य का प्रतीक है जिसने पाया है कि दुनिया उसके शोक के लिए रुकी नहीं है। भारतीय जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि यदि हम किसी के दुख के साथ बैठ सकें तो शायद हम उसके जीवन का सबसे बड़ा सहारा बन सकते हैं। यही गीता का मौन उपदेश है। यही करुणा की साधना है।

ई-मेलः indiatotal.features@gmail.com

गीता यह भी सिखाती है कि अहम सबसे बड़ा अवरोध है। जो व्यक्ति हर समय बोलना चाहता है, वह खुद को सबसे बड़ा ज्ञानी मानता है, वह चाहता है कि लोग उसकी बातें सुनें, उसके ज्ञान का आदर करें, वह सुन नहीं सकता, वह किसी का दुख भी सुन नहीं सकता। आयोन भी बोलना चाह रहा है, पर वह ज्ञान नहीं बांट रहा। आयोन अहंकार में नहीं है, दुख में है। आयोन के ग्राहक बोलते हैं, इसलिए वे सुन नहीं पाते। घोड़ा नहीं बोलता, इसलिए वह सुन लेता है। यह प्रतीक अत्यंत गहरा है। यह बताता है कि करुणा बुद्धि की नहीं, भावना की उपज है। आयोन जब अपने घोड़े को अपना दुख बताता है तो इस दृश्य में एक बूढ़ा व्यक्ति है और उसका घोड़ा, और बीच में बहता हुआ मौन। यही मौन गीता का भी मूल स्वर है। आयोन पोटापोव हर उस मनुष्य का प्रतीक है जिसने पाया है कि दुनिया उसके शोक के लिए रुकी नहीं है। भारतीय जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि यदि हम किसी के दुख के साथ बैठ सकें तो शायद हम उसके जीवन का सबसे बड़ा सहारा बन सकते हैं...

प्रसंगवश

तपती धरती, बढ़ता संकट

लगातार अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के प्रति लापरवाही के कारण आज हमारी धरती(नीला ग्रह) एक गंभीर व बड़े संकट का सामना कर रही है। कहना गलत नहीं होगा कि जलवायु परिवर्तन अब कोई भविष्य की बात नहीं रही है, बल्कि यह आज की सच्चाई बन चुका है। वास्तव में, इसका मुख्य व प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग है, जो कोयला, पेट्रोल, डीजल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अधिक उपयोग, बढ़ते उद्योगों और प्लास्टिक प्रदूषण से हो रहा है। हमने विकास के नाम पर जंगल काट दिए, पहाड़ों को खोखला कर दिया और नदियों को प्रदूषित कर दिया। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कंक्रीट के फैलाव ने हमारे पर्यावरण व धरती का संतुलन बहुत बिगाड़ दिया है, जिससे मौसम का चक्र भी गड़बड़ा गया है। अब कहीं समय से पहले बारिश होती है, कहीं भयंकर बाढ़ (अतिवृष्टि) आती है और कहीं सूखा पड़ता है। कंक्रीट के कारण जमीन पानी सोख नहीं पाती, जिससे भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। आज धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और हाल के साल सबसे ज्यादा गर्म दर्ज किए गए हैं, जो बहुत चिंता की बात है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 से 2025 तक का समय अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है और 2025 का तापमान औद्योगिक युग (1850-1900) से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर 2026-27 में एल-नीनो फिर सक्रिय हुआ, तो तापमान और तेजी से बढ़ सकता है। एल-नीनो एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसमें प्रशांत महासागर का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इससे दुनिया भर का मौसम बिगड़ जाता है। भारत में मानसून कमजोर पड़ सकता है और सूखा पड़ सकता है, जबकि दक्षिण अमेरिका में भारी बारिश और बाढ़ आ सकती है और ऑस्ट्रेलिया व इंडोनेशिया में सूखा बढ़ सकता है। समुद्र के गर्म होने से समुद्री जीवों पर असर पड़ता है और मछलियों की संख्या कम हो जाती है, जिससे मछुआरों की आजीविका प्रभावित होती है। धरती के गर्म होने का कारण यह है कि सूर्य से आने वाली ऊर्जा और अंतरिक्ष में लौटने वाली गर्मी के बीच संतुलन बिगड़ गया है। कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसें गर्मी को वायुमंडल में रोक लेती हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि आज कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर 423 पीपीएम तक पहुंच गया है, जो करीब 20 लाख साल में सबसे ज्यादा है, और मीथेन का स्तर औद्योगिक समय से पहले की तुलना में 266 प्रतिशत बढ़ चुका है। फैक्ट्रियों, बिजलीघरों और वाहनों से निकलने वाला धुआं इन गैसों को बढ़ा रहा है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जलाने से भी प्रदूषण बढ़ता है। पेड़ों की कटाई, धान की खेती और पशुओं से निकलने वाली मीथेन गैस भी तापमान बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। शहरों में कंक्रीट और लोहे की इमारतें ज्यादा गर्मी सोखती हैं, जिससे 'हीट आइलैंड प्रभाव' पैदा होता है और शहर ज्यादा गर्म हो जाते हैं। इस बढ़ती गर्मी के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं व मौसम अनियमित हो गया है।

–सुनील कुमार

हिमाचल : बजट

वित्तीय दबाव में समावेशी बजट

अनुज आचार्य
लेखक बैजनाथ से हैं

हिमाचल प्रदेश का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट एक ऐसे दौर में आया है जब राज्य गंभीर वित्तीय दबाव, घटते संसाधनों और बढ़ती सामाजिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रहा है। सबसे पहले यदि बजट के समग्र आकार और वित्तीय स्थिति को देखें तो 54928 करोड़ रुपए का प्रावधान अपने आप में यह संकेत देता है कि राज्य सीमित संसाधनों के बावजूद विकास की गति बनाए रखना चाहता है। यह बजट गंभीर वित्तीय चुनौतियों के बीच 'आत्मनिर्भर हिमाचल' और 'व्यवस्था परिवर्तन' का संदेश देता है। केंद्रीय अनुदान रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद होने से भले ही बजट का आकार पिछले वर्ष से छोटा हुआ है, लेकिन मुख्य फोकस गरीब परिवारों, कृषि, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर कायम है। हालांकि 6577 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा और लगभग 9698 करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा यह भी स्पष्ट करता है कि आर्थिक स्थिति अभी भी दबाव में है। प्रति 100 रुपए खर्च में से 27 रुपए वेतन, 21 रुपए पेंशन और 13 रुपए ब्याज अदायगी पर जाना इस बात का संकेत है कि राज्य की आय का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों, पेंशनर्स और ऋणों के ब्याज भुगतान पर खर्च हो रहा है, जिससे पूंजीगत निवेश की गुंजाइश सीमित हो जाती है। इसी वित्तीय दबाव के चलते सरकार ने जो सबसे चर्चित और साहसिक निर्णय लिया, वह है उच्च स्तर के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के वेतन का 30 से 50 प्रतिशत तक छह महीने के लिए स्थगन।

यह कदम प्रतीकात्मक रूप से त्याग और जिम्मेदारी का संदेश देता है, खासकर तब जब ग्रुप सी और डी कर्मचारियों को इससे बाहर रखा गया है। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि यह स्थगन अस्थायी है, कटौती नहीं। जबकि अभी भी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के वित्तीय लाभ, महंगाई भत्तों और एरियर्स का भुगतान होना बाकी है। दूसरी ओर इस बजट का सबसे मजबूत पक्ष इसका समावेशी कल्याण दृष्टिकोण है। आंगनबाड़ी, आशा वर्कर, मिड डे मील कर्मचारियों और अन्य निम्न आय वर्ग के कर्मियों के मानदेय में वृद्धि सीधे तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह बढ़ाएगी। इसी तरह, एक लाख अति गरीब परिवारों के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 1500 रुपए मासिक सहायता और पक्के मकान का प्रावधान एक लक्षित कल्याणकारी मॉडल प्रस्तुत करता है। हालांकि हिमाचलियों की मजबूत आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत अब किसी भी प्रकार की सब्सिडी तर्कसंगत नहीं लगती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर भी बजट में स्पष्ट प्राथमिकता दिखाई देती है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, दूध के समर्थन मूल्य में 10 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि, और गेहूं, मक्की, हल्दी तथा अदरक के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा प्रयास है। ऐसे समय में जब मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत बेरोजगार युवाओं की संख्या लगभग 7 लाख तक पहुंच चुकी है, वहां 10 हजार युवाओं को औद्योगिक प्रशिक्षण, पुलिस में नई भर्तियां और स्वास्थ्य क्षेत्र में पदों का सृजन रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में छोटा सा प्रयास ही कहा जाएगा। महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर भी बजट में कई पहलें उल्लेखनीय हैं, जैसे संपत्ति खरीद पर स्टांप ड्यूटी में रियायत, 1500 रुपए मासिक सहायता, और स्वरोजगार के लिए 3 लाख रुपए तक का ऋण। ये कदम महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में निवेश बनाए रखना एक सकारात्मक संकेत है। मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक सुविधाओं, नई लैब्स और उपकरणों की स्थापना से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। वहीं गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थानों में पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का निर्णय सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देने वाला है। लेकिन सबसे बड़ी चिंता है बढ़ता हुआ कर्ज और ब्याज भुगतान का बोझ। यदि राज्य इसी तरह राजस्व घाटे के साथ आगे बढ़ता रहा, तो भविष्य में विकासात्मक खर्च और अधिक सीमित हो सकता है। इसके अलावा विधायक क्षेत्र विकास निधि में कटौती जैसे निर्णय यह दर्शाते हैं कि सरकार को संसाधनों के पुनर्संतुलन के लिए कठिन फैसले लेने पड़ रहे हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में कांगड़ा हवाईअड्डे का विस्तार, हेलीपोर्ट निर्माण, सड़कों का विस्तार और इलेक्ट्रिक बसों की खरीद जैसे कदम राज्य को आधुनिक बनाने की दिशा में हैं। एक बात और, सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार को अपने पिछले बजट में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा क्योंकि तीन साल बाद भी कई योजनाएं फाइलों में अटकी हैं, जिससे सरकार की कार्यशैली और वित्तीय योजना पर सवाल उठते हैं। भरोसा तभी बनेगा जब वादे जमीन पर उतरें।

यदि सरकार अपने वायदों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सफल रहती है और राजस्व बढ़ाने के नए स्रोत खोज पाती है, तो यह बजट राज्य को स्थिरता की ओर ले जा सकता है। सरकार को अपनी आय बढ़ाने के लिए पड़ोसी राज्यों से भी अपने जल, जंगल, शानन जल विद्युत परियोजना, बीबीएमबी और अपने लोगों के विस्थापन का मुआवजा वसूलने के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी होगी। अंततः, यह बजट एक संतुलन साधने की कोशिश है जहां एक ओर वित्तीय अनुशासन लाने के प्रयास हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कल्याण योजनाओं को भी जारी रखा गया है। यह बजट न तो अत्यधिक महत्वाकांक्षी है और न ही पूरी तरह रक्षात्मक, बल्कि यह परिस्थितियों के अनुरूप एक व्यावहारिक दस्तावेज है। इसलिए इस बजट की सफलता का असली परीक्षण आने वाले वर्षों में उसके परिणामों से ही होगा। कुल मिलाकर, यह बजट आर्थिक तंगी के बावजूद सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को जारी रखने और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक संतुलित कदम है।

सरकार को अपनी आय बढ़ाने के लिए पड़ोसी राज्यों से भी अपने जल, जंगल, शानन जल विद्युत परियोजना, बीबीएमबी और अपने लोगों के विस्थापन का मुआवजा वसूलने के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी होगी। अंततः, यह बजट एक संतुलन साधने की कोशिश है जहां एक ओर वित्तीय अनुशासन लाने के प्रयास हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कल्याण योजनाओं को भी जारी रखा गया है...

छिलकों की छाबड़ी

जिंदा लोगों की कतार में

सुरेश सेठ
sethsuresh25@gmail.com

सरकार का कथन है कि उसने बेकारी की समस्या को हल कर दिया है। हल कर दिया है अनुकम्पा उर्फ मुफ्त रेवड़ियां बांटने की शार्ट कट संस्कृति से। यह दीगर बात है कि इस संस्कृति के पल्लवित होने के साथ-साथ कर्म संस्कृति लुप्त हो गई है। काम के सूचकांक बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक भारत के लोग काम की जगह आराम को पसंद करते हैं। चाहे 'आराम हराम है' का सबसे ऊंचा नारा भारत में लगाया जाता है, लेकिन जगह-जगह फलदार बेरियों के नीचे आपको निष्क्रिय लोग लेटे हुए नजर आते हैं। ये वहां निस्पन्द लेट कर अपनी छातियों पर कोई बेर गिरने का इंतजार करते हैं। बेर गिर जाए तो वे लेटे लेटे पास से गुजरते आदमी को कहते हैं, 'भाई मेरी छाती से उठा कर यह बेर मेरे मुंह में डाल दो।' रहगुजर उस बेर को उठा कर अपने मुंह में डाल लेता है, और कालांतर में सत्ता का दलाल कहलाता है। बाद में आपके लिए बाकी रह जाता है एक ही काम कि साबित करो कि आप अभी जिंदा हो, और इन बेरियों से टपकते बेर खाने के काबिल हो। असमर्थ रहने पर आपका नाम बेर उपकृत संस्कृति से काट दिया जाता है, और आपकी जगह किसी दूसरे को मिल जाती है। वैकल्पिक रूप से उपलब्ध हो जाना यहां कोई समस्या नहीं है। भारी आबादी है, एक तलाशने पर हजार मिलते हैं। यह एक की जगह हजार का मिलना ही सबसे बड़ी समस्या है, इसलिए आजकल जिंदा लोगों में मर चुके लोगों की तलाश हो रही है, अर्थात सब सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। आजकल राज्य-राज्य में वोट सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। इसके बाद मनरेगा सूचियों की पड़ताल होगी। जी हां, वही वोटर सूचियां जिनकी पड़ताल पर आजकल विपक्षी दल भारी वावेला कर रहे हैं, और कहते हैं कि इन सूचियों से उनके समर्थकों के नाम इसलिए कट जाते हैं, ताकि सत्ता पक्ष जीत कर सत्ता की कुर्सी के नजदीक से कभी न फिसल सके। सत्ता में जो बैठे हैं, उनके नाम पर ही कुर्सी सुरक्षित रहे। उनके जाने की नौबत आए तो उनके नाती-पौत्र इन कुर्सियों पर डट जाएं, और समाज और राजनीति के परिवारवाद के विरुद्ध नारा लगाएं। आप तो जानते हैं कि हर नियम के अपवाद होते हैं। इस नियम के अपवाद स्वरूप कुर्सी-धारियों के नाते रिश्तेदार हाजिर हो जाते हैं। जो अभागा रह गया, उसे भी किसी न किसी कार्पोरेशन के चेयरमैन बनने का सुख अवश्य प्राप्त हो जाएगा। लेकिन सुख से जीवन व्यतीत करने के लिए समय-समय पर सिद्ध करते रहें कि आप अभी जिंदा हैं, और राशन की कतार में खड़े रहने के लिए चाक-चौबन्द। यह भी खूब है कि समय-समय पर आपको अपने जिंदा रहने का प्रमाण देना पड़ता है, कभी नाम बदली मनरेगा में एक बरस में से एक सौ पच्चीस दिवस करना या वेतन प्राप्त कर कर्मशाली हो सकने का अभियान प्राप्त कर सकने का। बात यूं नहीं समझ आती, तो सुन लीजिये। इनमें सबसे मनोरंजक और शौर्यपूर्वक है अपने आपको जिंदा साबित करने का अभियान। सरकारी वोटर पुनरीक्षण सूची से लेकर इसके लिए बहुत-सी जगहों पर 'मैं जिंदा हूं' चिल्लाना पड़ता है। आदमी यूं अपना स्वर गंवा कर मूकदर्शक बन कर रह जाता है। यह मूकदर्शक बन जाना भी खूब है साहिब! अब देश में कुछ भी हो जाए, आप केवल महामना के हक में उठा हुआ एक नारा हैं। नारे उठाते रहिये, आपके जिंदा रहना साबित करने के लिए लिपिक आपके घर तशरीफ ले आएंगे। नारा न उठा सको तो आप चाहे नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ही क्यों न हों, आपका नाम कट जाएगा। फिर शोर-शराबा करके आप जिंदा लोगों की श्रेणी में आ सकते हैं।

पाठकों के पत्र

सारगर्भित लेख का प्रकाशन

दिव्य हिमाचल समाचारपत्र सचमुच पाठकों को कायल कर जाता है। इसमें प्रकाशित सामग्री चयन संपादकीय, आस्था, प्रतिबिम्ब, यूथ लाइफ, कम्पीटीशन रिव्यू परिशिष्ट आदि बेहतरीन होता है। मंगलवार24 मार्च, 2026 अंक संपादकीय पृष्ठ में साहित्यिक विवेचन 'चम्बा साहित्य उत्सव : बड़ी उम्मीद छोटे सवाल' में डा. सत्य नारायण स्नेही जी ने बहुत सारगर्भित लिखा है। पाठकों, श्रोताओं को प्रसिद्ध साहित्यकारों की रचना प्रक्रिया से रूबरू होने का सुअवसर मिलना बहुत बड़ी बात होती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से हम आने वाली युवा पीढ़ी को पुस्तक/साहित्य पठन-पाठन संस्कृति से जोड़ सकते हैं क्योंकि आजकल अधिकतर बच्चे ऑनलाइन गेम, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर ही दिनचर्या का अधिकतर समय व्यतीत करते हैं। इस प्रकार के साहित्य उत्सव हर जगह पर होने चाहिएं।

–रवि कुमार, मैहरी काथला, बिलासपुर

जालंधर पुलिस ने तीन नशा तस्कर धरे

जालंधर। नशा तस्करों के बारे में विस्तृत जानकारी देते पुलिस अधिकारी

निजी संवाददाता — जालंधर

■ 150 ग्राम हेरोइन और 56 नशीली गोलियां बरामद

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ड्रग रैकेट का पर्दाफाश किया है। जानकारी के अनुसार जालंधर ग्रामीण के फिल्लौर थाने की पुलिस टीम ने विशेष नाकाबंदी के दौरान तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मौके से आरोपियों के कब्जे से 150 ग्राम हेरोइन, 56 नशीली गोलियां और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की इनोवा गाड़ी बरामद की है। जालंधर ग्रामीण के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क द्वारा जारी निर्देशों पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फिल्लौर पुलिस ने इलाके में चैकिंग अभियान चलाया था। इस दौरान पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान शक के आधार पर एक इनोवा कार को रोका और गाड़ी की तलाशी ली। पुलिस टीम को गाड़ी की तलाशी के दौरान 150 ग्राम हेरोइन और 56 नशीली गोलियां मिलीं। वहीं, पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गाड़ी में सवार तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नशीले पदार्थों की सप्लाई में इस्तेमाल होने वाली एक इनोवा गाड़ी को भी अपने कब्जे में लिया गया। अब पुलिस यह पता करने की कोशिश कर रही है कि आरोपी नशा कहां से लाए थे और किसे सप्लाई देने जा रहे थे। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से नशे के अवैध धंधे में लिप्त थे और नशे की तस्करी के लिए अकसर लग्जरी गाड़ियों का इस्तेमाल करते थे, ताकि पुलिस को किसी प्रकार का शक न हो।

गुरदासपुर में सरपंच के भाई पर फायरिंग

शाहपुर गांव में बाइक सवार चार बदमाशों ने किया हमला, बाजू और कमर में लगी गोली

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — पठानकोट

क्राइम

गुरदासपुर में बुधवार को सरपंच के भाई पर फायरिंग की गई, जिसमें उन्हें बाजु और कमर में गोली लगी लगी है। इसके बाद उन्हें फतेहगढ़ चूड़ियां अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए डाक्टरों ने उन्हें अमृतसर रैफर किया गया। इसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर जोरा ने ली है। यह घटना बुधवार को डेरा बाबा नानक के गांव शाहपुर में हुई। सरपंच नवदीप सिंह ने बताया कि सुखराज सिंह उर्फ काका पड्डा किसी निजी काम से अपने गांव पड्डा से नजदीकी गांव शाहपुर जाजन गए थे। वहां पहले से ही चार युवक मुंह ढके हुए इंतजार कर रहे थे। जैसे ही सुखराज उनके पास पहुंचा, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान बाजु और कमर में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उन्हें तुरंत फतेहगढ़ चूड़ियां के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें श्री गुरु नानक अस्पताल अमृतसर रैफर कर दिया। सुखराज सिंह ने बताया कि पीछे से आकर उन पर हमला किया गया। उन पर छह से सात फायर किए गए। दो गोलियां उन्हें लगी। आरोपी दो बाइकों पर आए थे। घटना की सूचना मिलते ही बटाला के एसएसपी डा. महताब सिंह गांव शाहपुर पहुंचे।

उन्होंने पूरे मामले का जायजा लिया और बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी ने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच डेरा बाबा नानक के गैंगस्टर जोरा और उसके बड़े भाई मिंटू जोरब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस घटना की जिम्मेदारी ली है। डेरा बाबा नानक के जोरा और उसके बड़े भाई मिंटू जोरब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल लिखा कि जो भी हमारे भाइयों का नुकसान करेगा, उसका यही हाल होगा। यह भी हमारे भाइयों का नुकसान करना चाहता था। 'दिव्य हिमाचल' इस पोस्ट की जिम्मेदारी नहीं लेता है ।

SHORT TERM NOTICE
INVITING TENDER

Sealed tenders/ quotations are hereby invited for outsourcing of SADA Barrier Kaza for a period of 1 year.

The interested parties/ firms may submit their sealed quotations in the office of the ADC-cum-Member Secretary, SADA Kaza, on or before 15-04-2026 up to 5:00 PM.

The received quotations/ tenders will be opened on 16-04-2026 at 11:00 AM in the office of the undersigned in the presence of the bidders or their authorized representatives who wish to be present.

The terms and condition of the Bid Application can be available from the office of the undersigned.

The undersigned reserves the right to accept or reject any or all tenders without assigning any reason thereof.

अमृतसर में नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़

सात किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार; नेटवर्क के लिंक खंगालने में जुटी पुलिस

निजी संवाददाता — अमृतसर

काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले मॉड्यूल के दो सदस्यों को सात किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान इंद्रजीत सिंह निवासी कलसियां खुर्द, तरनतारन और रविंदर शर्मा निवासी गुरबख्श नगर, नया कोट, अमृतसर के रूप में हुई है। नशीले पदार्थों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी कार (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी 39एल 7651) और एक मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी 02बी यू 2253), जिसका उपयोग खेप की डिलीवरी के लिए किया जाता था, को भी जब्त किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी हेरोइन की खेप की ढुलाई में सक्रिय रूप से शामिल थे और संभवत: इस क्षेत्र में सक्रिय एक बड़े नशीले पदार्थों के नेटवर्क का हिस्सा हैं। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर की पुलिस टीमों को विशेष सूचना मिली थी कि संदिग्ध इंद्रजीत सिंह और रविंदर शर्मा हेरोइन की एक बड़ी खेप की डिलीवरी के संबंध में अमृतसर में झब्बाल रोड, अड्डा बोहड़ू के पास दरिया के किनारे वाले रास्ते पर आने वाले हैं। डीजीपी ने बताया कि तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने इलाके के आसपास नाकाबंदी की और दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान इंद्रजीत सिंह की कार की ड्राइवर सीट के नीचे से चार किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जबकि रविंदर शर्मा के पास से तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस मामले में आगे.पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 19 दिनांक 25 मार्च, 2026 को थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत दर्ज की गई है।

अमृतसर। नशा तस्करों से पकड़ी गई हेरोइन

उत्तर रेलवे

खुली रूचि की अभिव्यक्ति के लिए निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, भारत के राष्ट्रपति की ओर से अतिरिक्त मंडल अस्पताल, जगाधरी वर्कशॉप, प्रतिष्ठित निजी रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग केंद्र के लिए निर्धारित प्रपत्र पर रूचि की अभिव्यक्ति के लिए सीलबंद खुली निविदा आमंत्रित की की गई है।

एनआईटी नंबर	140 Med/Investigation/JUDW/2026
निविदा संख्या	140 Med/Investigation/JUDW/2026
कार्य का नाम	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त मंडल अस्पताल, उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, प्रतिष्ठित निजी डायग्नोस्टिक लैबेरेट्रीज और रेडियोलॉजिकल इमेजिंग केंद्र, जो यमुना नगर, जगाधरी और जगाधरी वर्कशॉप के नगर निगम क्षेत्र के भीतर या आस-पास के शहरों/स्थानों में स्थित है, को जगाधरी वर्कशॉप के रेलवे लाभर्थियों के लिए दो वर्ष के लिए कैशलेस पैनल में शामिल करने हेतु विभिन्न लैब जांचों (हेमेटोलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, मूत्र और मल की जांच आदि) और रेडियोलॉजिकल जांचों (X Ray, USG, CT Scan और MRI आदि) की सुविधा उपलब्ध करने के उदेश्य से खुली रूचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई) आमंत्रित की गई है। इन सेवाओं के लिए दरें यमुना नगर शहर हेतु निर्धारित CGHS दरों के अनुसार होंगी।
पूर्णता की अवधि	2 वर्ष
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	www.nr.indianrailways.gov.in निविदाकर्ता 28.03.2026 से निविदा दस्तावेज 27.04.2026 को 11.00 बजे तक डाउनलोड कर सकते हैं।
कार्यालय का पता और तारीख जहां से निविदा दस्तावेज उपलब्ध होंगे	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त मंडल अस्पताल, उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, से किसी भी कार्य दिवस पर 28.03.2026 से 09.00 बजे से 13:00 बजे के बीच में अंतिम तिथि 27.04.2026 में 11:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	सीलबंद आवेदन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त मंडल अस्पताल, जगाधरी वर्कशॉप के कार्यालय में अंतिम तिथि 27.04.2026 में 12:00 बजे तक ही जमा कर पाएंगे।
निविदा खोलने की तिथि और समय	सीलबंद आवेदन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त मंडल अस्पताल, जगाधरी वर्कशॉप के कार्यालय में 27.04.2026 में 12:30 बजे खोले जाएंगे।
निविदा दस्तावेज की लागत	निविदा दस्तावेज की लागत रु. 1000/- बैंक ड्राफ्ट के रूप में अधिकृत बैंक से जारी Sr. AFA उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप के पक्ष में जगाधरी वर्कशॉप-135002 में देय होनी चाहिए।

No. 140-Med/Investigation/JUDW/20246
Date : 21.03.2026 1016/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट की बड़ी उपलब्धि

12 होनहारों ने एसओएफ इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में जीते स्वर्ण पदक

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — पठानकोट

प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट के 12 विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। एसओएफ आईईओ एक वार्षिक शैक्षणिक प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा में दक्षता का आकलन करना है, जिसमें व्याकरण, शब्दावली और समझ कौशल शामिल हैं। यह ओलंपियाड विद्यार्थियों को उनकी भाषाई प्रतिभा को पहचानने और निखारने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जिससे वे प्रारंभिक अवस्था से ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले विद्यार्थियों के नाम हैं: अवंतिका, सार्थक, श्रेहान, अब्दुल, श्रीशा, स्कार्मा, अक्षत, कृषिव, करामत, शगुन, रामीरा और सुखसार। इन विद्यार्थियों की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। प्रताप वर्ल्ड स्कूल के निदेशक सनी महाजन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें अपने इन होनहार विद्यार्थियों पर अत्यंत गर्व है।

प्रधानाचार्य सुभ्रा रानी ने भी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आज के समय में भाषा कौशल के महत्त्व को दर्शाती है। हमारे विद्यार्थियों ने अंग्रेजी पर उत्कृष्ट पकड़ का प्रदर्शन किया है।

पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल के होनहार मेडल और सर्टिफिकेट के साथ

गुरमीत सिंह मीत हेयर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — पठानकोट

क्रिकेट एसोसिएशन पठानकोट ने गुरमीत सिंह मीत हेयर को पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का सचिव चुनने पर बधाई दी है। यह प्रतिष्ठित नियुक्ति उनके नेतृत्व, समर्पण और क्षेत्र में खेलों, विशेष रूप से क्रिकेट के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में पंजाब में क्रिकेट को नई ऊंचाइयां मिलेंगी, बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और उभरते हुए खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्राप्त होंगे। एसोसिएशन के सदस्यों ने श्री हेयर को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनकी दूरदृष्टि जमीनी स्तर पर क्रिकेट को और मजबूत करेगी तथा पंजाब को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी। क्रिकेट एसोसिएशन पठानकोट के सचिव सनी महाजन ने भी बधाई देते हुए कहा कि हम गुरमीत सिंह मीत हेयर को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हैं।

पठानकोट। गुरमीत सिंह मीत हेयर को पुष्प गुच्छ सौंप बधाई देने का दौर

H.P. CITY TRANSPORT & BUS STANDS MANAGEMENT & DEVELOPMENT AUTHORITY

(Constituted under the H.P. Bus Stands Management & Development Authority Act, 1999)

TENDER NOTICE FOR ADDA FEE COLLECTION

Sealed tenders are invited from the interested parties to participate in the Tender-cum-open auction of work of collection of adda parking fee at **Bus Stand Aani, Kumarsain& Rampur** on "as is where is basis" for period of 11 months. It does not include charging adda fee etc. from HRTC/HPBSMDA buses/vehicles. The detailed schedule of Tender cum-Open Auction shall be as under:

Name of Bus Stand	Place of depositing Tender Forms	Date of Sale of Tender Forms	Last Date of receipt of TenderForms	Date & Time of Opening Tender Forms	Date & Time of Open Auction
Aani, Kumarsain& Rampur	Regional Office, HRTC Rampur	09.04.2026 up to 12:00PM	09.04.2026 up to 12:30PM	09.04.2026 at 12:45PM	Immediately after completion of tender process

The Open Auction may be conducted if the bids received through tender do not meet the criteria specified in the tender document.

Each tender form must be accompanied by an Earnest Money Deposit (EMD) of Rs. 25,000/- per shop, in the form of a Demand Draft drawn in favour of Regional Manager, HRTC, Rampuror through cash deposit in the office of the Regional Manager, HRTC Rampur. Tender forms received without the prescribed EMD shall be summarily rejected.

Tender documents containing detailed terms and conditions can be purchased from the office of the Regional Manager, HRTC, Rampur on payment of Rs. 1,180/- (Rs. 1,000 + Rs. 180 GST), non-refundable.

sd/-
Regional Manager,
HRTC, Rampur
(On behalf of HPCT & BSM&DA)

जालंधर में शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को नमन

निजी संवाददाता — जालंधर

शहीद-ए-आज़म भगत सिंह के 95वें शहीदी दिवस के अवसर पर मेहर चंद पॉलिटेक्निक कॉलेज जालंधर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रिंसीपल डा. जग रूप सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन डा. संजय बंसल और दुर्गेश चेची द्वारा किया गया। यह रक्तदान शिविर पीआईएमएस अस्पताल जालंधर सेव अर्थ सोसायटी और एनएसएस के वालंटियर्स के सहयोग से लगाया गया। इस संस्था के अध्यक्ष डा. संजय बंसल और उपाध्यक्ष मीना बंसल हैं। पिम्स अस्पताल की टीम, जिसमें डा. शशि किरण और डा. लक्ष्मण गुलाटी शामिल थे, द्वारा कुल 83 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस रक्तदान शिविर के प्रति विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला और कई स्टाफ सदस्यों ने भी रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। शिविर का समुचित प्रबंधन दुर्गेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर संदीप, विक्रमजीत सिंह, प्रिंस मदान, गगनदीप, अजय दत्ता, सुशील, किरण, नेहा और गुरप्रीत कौर उपस्थित रहे। पॉलिटेक्नीक कालेज द्वारा हर वर्ष शहीद भगत सिंह जी के शहीदी दिवस के अवसर पर इस प्रकार के सामाजिक सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं।

अग्निवीर भर्ती पर जागरूक किए युवक

रणजीत एवेन्यू आईटीआई और गवर्नमेंट सरूप रानी कालेज में अवेयरनेस वर्कशॉप

निजी संवाददाता—अमृतसर

पंजाब सरकार द्वारा युवाओं के रोजगार और करियर को लेकर किए जा रहे प्रयासों को जारी रखते हुए डिस्ट्रिक्ट एम्प्लॉयमेंट एंड कॉमर्स ब्यूरो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कम एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (अर्बन डिवेलपमेंट) डा. रुपिंदर पाल ने बताया कि बुधवार को डिस्ट्रिक्ट एम्प्लॉयमेंट एंड कॉमर्स ब्यूरो अमृतसर ने आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस अमृतसर के साथ मिलकर गवर्नमेंट आईटीआई रणजीत एवेन्यू और गवर्नमेंट सरूप रानी कालेज (गर्ल्स) में अग्निवीर भर्ती के लिए एक अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप के दौरान इंडियन आर्मी द्वारा एक खास अग्निवीर ट्रक का इस्तेमाल किया गया। इस ट्रक का इस्तेमाल युवाओं को अग्निवीर भर्ती ट्रेनिंग का वीडियो और दूसरी जानकारी दिखाने और अलग-अलग मनोरंजक गेम्स के जरिए हिस्सा लेने वाले युवाओं में अवेयरनेस पैदा करने के लिए किया गया और इसके साथ ही विजेताओं को इनाम भी बांटे गए। इस वर्कशॉप के आखिर में युवाओं से बातचीत करते हुए आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस अमृतसर के डायरेक्टर कर्नल जैकब और डिस्ट्रिक्ट एम्प्लॉयमेंट एंड बिजनेस ब्यूरो अमृतसर की करियर काउंसलर भारती ने युवाओं के सवालों के जवाब दिए।

अमृतसर। सेना के जवानों के साथ एनसीसी के कैडेट्स और अन्य

पोर्टस भर्ती

1. 136 (आई) इंफेन्ट्री ब्रिगेड ग्रुप पोर्टर कम्पनी, 179 दिनों की अवधि के लिए संविदात्मक (अस्थाई) आधार पर 600 सिविल मजदूरों (पोर्टस) को भर्ती करेगा
2. **पात्रता मानदण्ड:-**
   (क) भारत का पुरुष नागरिक हो।
   (ख) उसकी आयु 10 अप्रैल 2026 को 18 से 40 वर्ष के मध्य हो।
   (ग) वह चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ हो तथा किसी संक्रामक रोग से ग्रस्त न हो।
   (घ) वह मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड/प्रमाण पत्र धारक हो।
   (ड़) उसे कभी कोई कारावास नहीं हुआ हो (व्यक्तिगत द्वारा इस संबंध में स्थानीय पुलिस स्टेशन से चरित्र प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा)
3. पोर्टस का पंजीकरण ऑनलाईन होगा (**136himachalhillportercompany.org**) की वेबसाइट पर नामांकन की तिथि से प्रारंभ होकर 10 दिन तक मान्य रहेगा।
4. **परीक्षा स्थान-** अवैरी पट्टी रामपुर बुशहर जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)
5. **साक्षात्कार का समय-** 10 अप्रैल 2026 से 16 अप्रैल 2026 को प्रातः 0800 बजे 1400 बजे तक
6. **प्रवेश पत्र आबंटित-** 6 अप्रैल 2026
7. **परीक्षाफल घोषित-** 18 अप्रैल 2026 को किया जाएगा।
8. **व्यक्ति द्वारा लाए जाने वाले अनिवार्य दस्तावेज:-**
   (क) जन्म व शिक्षा प्रमाण पत्र मूल और साथ तीन छाया प्रति लाना अनिवार्य होगा।
   (ख) आधार कार्ड और प्रवेश पत्र की 03 छाया प्रति लाना अनिवार्य होगा जो स्वयं द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित हो।
   (ग) बैंक पासबुक मूल एवं साथ दो फोटो कॉपी (केवल स्टेट बैंक या पंजाब नैशनल बैंक)
   (घ) जन धन बैंक खाता स्वीकार्य नहीं होगा।
   (ड़) निवास प्रमाण पत्र मूल एवं एक छायाप्रति एवं चयन होन के पश्चात 10 राजस्व टिकट लाना अनिवार्य है।
   (च) मोबाइल नंबर अपना और अपने NOK का देना अनिवार्य होगा।

फोटोग्राफ
   (i) व्यक्तिगत की फोटो (रंगीन) . 06
   (ii) एन. ओ. के. (रंगीन) . 04
   (छ) 01 जनवरी 2026 के पश्चात राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र।
   (ज) पुलिस स्टेशन से पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र, जो 01 फरवरी 2026 से पहले का न हो।
9. **सुनिश्चित वेतन एवं भत्ता व अन्य सुविधाएं**

(क) वेतन व भत्ता:-

कम सं.	श्रेणी	मूल वेतन (₹)	डी.ए.	फील्ड भत्ता	कुल वेतन (₹)
(1)	पोर्टर	18000/-	13320/-	2700/-	34020/-

नोट:- ऊपर उल्लिखित मजदूरी परिवर्तन के अधीन है, क्योंकि इसकी गणना भारत सरकार (GOI) के नियमों के अनुसार अनुमानित महंगाई भत्ता) और अन्य भत्तों के आधार पर की गई है।

(ख) राशन: व्यक्ति को आपरैशनल/फील्ड/मॉडिफाईड/फिल्ड एरिया में सेवा के दौरान कम्बेटेंट सैनिकों के मापक के अनुसार पर निःशुल्क राशन प्रदान किया जाएगा।

(ग) चिकित्सा सुविधाएं:- व्यक्ति को कार्य के दौरान व्यक्तिगत चोटिल होने या गंम्भीर बिमारी से ग्रसित होने पर सैन्य व सिविल अस्पताल में केवल स्वयं के लिए निःशुल्क चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाएगा।

(घ) अनुशासन: संविदा अवधि के दौरान, वह व्यक्ति सेना अधिनियम व नियमों के अधीन होगा और सैन्य संचालन की आवशयक्तानुसार 24 घंटे कार्य हेतु उपस्थित रहना होगा।

(ड़) कुछ ऐसे पद जो कि आर्टेसियन कंट्रक्शन, ऑपरेर्टस, कारपेंटर्स, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, वेल्डर, फिटर और निर्माण कार्य करने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी।

(च) साईबर सुरक्षा: चयनित अभ्यर्थी को यह सुनिशिचत करना अनिवार्य है कि उसे सेना सुरक्षा सम्बन्धी जो भी दिशा निर्देश प्राप्त होते है वह उनका अनुपालन करेगा व सेना की सूचना किसी भी सोशल मीडिया के साथ साझा नही करेगा और किसी भी राष्ट्रविरोधी संस्था का हिस्सा नही बनेगा।

(छ) अभ्यर्थी को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना पॉलिसी पहले ही की गई है और बीमा भुगतान की एक छायाप्रति अपने साथ लाना अनिवार्य होगा।

डीएवी कालेज के छात्रों ने सीखा मिट्टी उर्वरता बढ़ाना

भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान मोहाली का किया शैक्षणिक भ्रमण

निजी संवाददाता — जालंधर

डीएवी कालेज जालंधर के बीएससी जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जैव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा भू विज्ञान के क्षेत्रों में स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। इन जैविक विज्ञान विभाग की प्रयोगशालाओं ने विद्यार्थियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया, जहां उच्च विश्लेषण क्षमता वाले सूक्ष्मदर्शी, कॉन्फोकल सूक्ष्मदर्शी तथा स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी जैसे उन्नत उपकरण उपलब्ध थे। यहां विद्यार्थियों को आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं के साथ विचार विनिमय किया तथा आणविक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, सूक्ष्मजीव विज्ञान और भू-विज्ञान से संबंधित विभिन्न अनुसंधान कार्यों के विषय में जानकारी प्राप्त की। इस अनुभव ने उनके भीतर सूक्ष्मजीव समुदाय संबंधी अनुसंधान तथा जीन संशोधन जैसे नवोन्मेषी क्षेत्रों के प्रति रुचि उत्पन्न की। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने खमीर की विभिन्न प्रजातियों सेरेविसी तथा पोम्बे का उपयोग करते हुए आणविक परीक्षण एवं प्रतिकृति निर्माण से संबंधित प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रोटीन विश्लेषण तथा बहुगुणन अभिक्रिया जैसी तकनीकों को भी समझा, जिससे उनके व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने घरेलू ठोस एवं द्रव अपशिष्ट से बायोगैस निर्माण की प्रक्रिया का अध्ययन किया तथा यह जाना कि अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग मृदा की उर्वरता बढ़ाने में किस प्रकार किया जा सकता है। यह शैक्षणिक भ्रमण विभागाध्यक्ष डा. रेणुका मल्होत्रा, समन्वयक डा. संजय शर्मा तथा प्रोफेसर प्रिंसी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि जागृत करना तथा उन्हें अनुसंधानात्मक वातावरण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। वहीं, महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनूप कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के भ्रमण सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक उपयोग के मध्य की दूरी को कम करते हैं।

क्लासिफाइड

NOTICE

● I, Brijesh Rana S/o Kishan Chand V.P.O. Kasol, Tehsil Bhunter, Kullu HP declare that I want to correct my name as Brijesh Rana instead of Shunty (शन्टी) in Gram Panchayat Karjan record. All concerned Note it.

Advt. No.: 15699

● मैं, ब्रहम देवी पत्नी बकील सिंह गांव गोदरा डाकघर साहला, तहसील सिहुंता, जिला चम्बा (हि.प्र.) ब्यान करती हूं के मेरे बेटे हरबन्स लाल फौज नंबर 10199468A रैंक हवलदार के फौज रिकॉर्ड मे गलती से मेरा नाम ब्रहमो देवी व जन्मतिथि 26/05/1952 दर्ज है। सही नाम ब्रहम देवी व जन्मतिथि 01/01/1957 है। संबंधित नोट करें।

Advt. No.: 15671

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि समाचारपत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में विवेक से काम लें और कोई कदम उठाने मसलन चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित, भविष्य संबंधी, अनुबंध, आकर्षक या किसी प्रकार की पुरस्कार योजना-प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व भली-भांति जांच पड़ताल कर लें। किसी भी विज्ञापन में किए गए दावे से 'दिव्य हिमाचल' न तो सहमत है और न ही इसकी गारंटी देता है। इस मामले में पाठक ही निजी तौर पर जिम्मेदार होगा, जबकि 'दिव्य हिमाचल' के प्रकाशक, संपादक या स्वामी को किसी विज्ञापन के विषय, संदर्भ या दावे के परिणामों की विफलता के लिए जिम्मेदार नहीं माना जाएगा।

डॉलर 94 रुपए से पार

मुंबई। रुपया बुधवार को 29 पैसे टूटकर अमरीकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 94.05 (अस्थायी) पर आ गया। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशक चिंतित हैं।

अगले वित्त वर्ष भी नहीं रुकेगी भारत की रफ्तार

एस एंड पी ग्लोबल ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर किया 7.1 फीसदी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी रहेगी और वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बुधवार को जारी एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। अपनी नवीनतम आर्थिक रिपोर्ट में एसएंडपी ग्लोबल ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा। इसकी मुख्य वजह मजबूत घरेलू मांग, स्थिर निर्यात और निजी निवेश में धीरे-धीरे हो रही बढ़ोतरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी ग्रोथ अगले वित्त वर्ष में 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो यह दिखाता है कि वैश्विक

अनिश्चितताओं के बावजूद देश की आर्थिक रफ्तार मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एशिया-पैसिफिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था भी बेहतर बनी हुई है और इसमें भारत एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। चीन को छोड़कर इस क्षेत्र की ग्रोथ 2026 में 4.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसमें मजबूत घरेलू गतिविधियां और टेक्नोलॉजी सेक्टर अच्छा योगदान देगा। ईरान और अमरीका-इजरायल के बीच जारी युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब तक इससे ज्यादा बाधित नहीं हुई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी रेटिंग एजेंसी ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमानों को भी बेहतर किया है। उसने एफवाई28 के लिए ग्रोथ को 20 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 7.2 फीसदी और एफवाई29 के लिए 20 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 7.0 फीसदी कर दिया है। ये अनुमान कहीं न कहीं भारत की ताकत को दर्शा रहे हैं। पॉलिसी के मोर्चे पर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से उम्मीद है कि वह ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखेगा और अपने बेस केस में एक न्यूट्रल रुख बनाए रखेगा, क्योंकि वह ग्रोथ और महंगाई के समीकरणों को संतुलित कर रहा है। हालांकि, एसएंडपी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और कच्चे तेल के ऊंचे स्तरों से पैदा होने वाले उभरते जोखिमों की ओर इशारा किया है।

ईरान शांति वार्ता की उम्मीद में शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी

एजेंसियां — मुंबई

■ सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ा
तेल-गैस समूहों में बहार

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 1,205 अंक (1.63 प्रतिशत) चढ़कर 75,273.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 394.05 अंक यानी 1.72 प्रतिशत ऊपर 23,306.45 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भी दोनों प्रमुख सूचकांक 1.8 प्रतिशत के आसपास चढ़े थे। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध को लेकर शांति वार्ता की उम्मीद में शेयर बाजारों में तेजी लौटी है। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.07 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.59 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, ऑटो, वित्त, बैंकिंग, धातु, फार्मा, रियलटी, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक दो फीसदी से अधिक चढ़े। तेल एवं गैस, मीडिया और आईटी समूहों में भी तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर करीब साढ़े चार प्रतिशत की बढ़त में रहा। बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, टाइटन, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर तीन से चार प्रतिशत चढ़े। भारतीय स्टेट बैंक, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर, बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर रहे। इटरनल, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, आईटीसी और कोटक महिंद्रा बैंक में एक से दो प्रतिशत तक की तेजी रही। एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर बंद हुए। टेक महिंद्रा में डेढ़ प्रतिशत और पावर ग्रिड में सवा प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। टीसीएस का शेयर भी नीचे बंद हुआ।

वैश्विक संकट के बीच भारत का निर्यात मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बावजूद भारत के कुल निर्यात में मजबूती देखने को मिली है। सरकार ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश का कुल निर्यात 5.2 फीसदी बढ़कर 714.73 अरब डॉलर पहुंच गया है। केंद्रीय वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 679.02 अरब डॉलर था। इस प्रकार कुल निर्यात में 5.26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

सोना छह हजार और चांदी दस हजार रुपए महंगी

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में बुधवार को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना छह हजार बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत दस हजार बढ़कर 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 13 हजार बढ़ चुकी है। वहीं, चांदी भी इस दौरान चार हजार रुपए महंगी हुई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल करेक्शन फेज (कीमतों में सुधार) में है। शॉर्ट टर्म में मोमेंटम थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन लॉन्ग टर्म में तेजी का रुझान बरकरार है। ऐसे में निवेशक सोने में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

पृष्ठ एक के शेष...

अपनी हार को...

जिस ताकत की बात करते थे, वह अब नाकामी में बदल गई है। आप खुद को दुनिया की महाशक्ति कहते हैं, लेकिन अगर यह ताकत आपके पास होती, तो अब तक इस जंग को जीत चुके होते। अपनी हार को समझौते का नाम मत दीजिए। आपके खोखले वादों का दौर अब खत्म हो चुका है। पहले दिन से ही हमारी पहली और आखिरी बात यही रही है और यही रहेगी कि हम जैसे लोग आप जैसे लोगों के साथ कभी समझौता नहीं करेंगे। न अभी, न कभी। उधर, ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा है कि तेहरान क्षेत्र में अमरीका की हर गतिविधि, खासकर सैनिकों की तैनाती, पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जनरलों ने जो नुकसान किया है, उसे सैनिक ठीक नहीं कर सकते। हमारे इरादे परखने की कोशिश मत करो। जानकारी के मुताबिक, अमरीका ने पाकिस्तान के जरिए ईरान को युद्ध खत्म करने के लिए 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भेजा है, जिसमें एक महीने तक सीजफायर का प्रस्ताव भी ट्रंप की तरफ से दिया गया है, ताकि जंग खत्म करने को लेकर बातचीत की जा सके। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि ईरान को अपनी सभी परमाणु क्षमताओं को पूरी तरह खत्म करना होगा। ईरान अपनी धरती पर यूरेनियम संवर्धन का काम पूरी तरह बंद करेगा। ईरान को लिखित और स्थायी प्रतिबद्धता देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह फ्री मैरीटाइम जोन घोषित किया जाएगा। इसके अलावा बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज और स्टॉक पर सख्त सीमाएं तय करने की बात कही गई है तथा ईरान को मिडिल ईस्ट में सक्रिय अपने सहयोगी गुटों (जैसे हिजबुल्लाह या हूती) को हथियार और पैसा देना बंद करना होगा। अगर ईरान ये शर्तें मानता है, तो अमरीका उस पर लगे सभी परमाणु प्रतिबंध हटा लेगा। ईरान को नाभिकीय रिएक्टर जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिए सिविलियन न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम चलाने में मदद दी जाएगी। स्नैपबैक मैकेनिज्म को हटा दिया जाएगा, जिससे प्रतिबंध दोबारा अपने आप लागू नहीं होंगे। इस पूरे समझौते पर विस्तार से बात करने के लिए अमरीका ने 30 दिनों के युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, ताकि दोनों पक्ष इस दौरान किसी स्थायी समाधान पर बात कर सकें। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब अमरीका की सेना 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से कम से कम 1,000 और सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रही है, ताकि क्षेत्र में पहले से मौजूद करीब 50,000 सैनिकों को और बल मिल सके। ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने की वकालत कर रहे इजरायली अधिकारी अमरीकी प्रशासन द्वारा युद्धविराम योजना सौंपे जाने से हैरान हैं। उधर, ईरान ने दावा किया है कि उसने अमरीका के जंगी जहाज एयरक्राफ्ट कैरियर यूएस अब्राहम लिंकन पर मिसाइल हमला किया, जिसके बाद उसे इलाका छोड़कर पोजिशन बदलनी पड़ी।

हिमाचल में बिजली...

अनुमान 8,636.16 करोड़ रुपए लगाया है। जबकि वित वर्ष 2025-26 में यह 8,403,.25 करोड़ था। समीक्षा के बाद कमीशन ने 2026-27 के लिए बिजली बोर्ड की आपूर्ति की औसत लागत 6.75 रूपये प्रति यूनिट अनुमानित रखी है, जबकि वित वर्ष 2025-26 के लिए यह 6.76 रूपये प्रति यूनिट थी। इसी कारण प्रति यूनिट एक पैसा कम किया गया है। हालांकि बिजली बोर्ड की ओर से दी गई याचिका के आंकड़ों के बाद बिजली करीब 30 पैसे महंगी होने का अंदेशा था। आयोग के अनुसार डोमेस्टिक उपभोक्ताओं के लिए वर्ष 2026-27 के लिए बिजली टैरिफ 4.71 रुपए प्रति किलोवाट, जबकि अन्यों में 0-125 यूनिट प्रतिमाह 5.44 और 126 और इससे उपर 5.89 का टैरिफ रखा गया है। कृषि उपभोक्ताओं के लिए 5.03, नॉन डोमेस्टिक नॉन कॉमर्शियल के अलग-अलग स्लैब के तहत 6.11, कॉमर्शियल के अलग-अलग स्लैब के लिए 6.39 से 6.20 रुपए प्रति किलोवाट टैरिफ रखा गया है। इसी तरह छोटे उद्योग के लिए 5.71 से 5.60, मध्यम उद्योग हेतू 5.60 और बड़े उद्योग के लिए टैरिफ 5.45 से लेकर 5.60 तक रखा है। पेयजल और सिंचाई स्कीमों के लिए टैरिफ अलग-अलग स्लैब में 6.41 से लेकर 5.61 और बल्क सप्लाई के लिए 6.17 से 5.47, स्ट्रीट लाइट हेतू 6.36, अस्थायी सप्लाई के लिए 8.29 से 7.67, रेलवे 6.29 और इवी चार्जिंग के लिए 6.78 रुपए प्रति किलोवाट का टैरिफ वर्ष 2026-27 के लिए रखा गया है।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी...

शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। हाई कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे।

आर्थिक बोझ का...

पर कमजोर नहीं किया जा सकता। केवल संभावित वित्तीय देनदारी दिखाना समीक्षा का वैध आधार नहीं है। एनएचएआई ने अदालत से कहा था कि अगर 2019 के फैसले को पुराने मामलों पर भी लागू किया गया, तो सरकार पर करीब 29,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा, इसलिए इसे केवल भविष्य के मामलों पर लागू किया जाए। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहले से अंतिम रूप ले चुके मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा। अदालत ने तीन अहम स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि जिन भूमि मालिकों के क्षतिपूर्ति के दावे 28 मार्च, 2015 (जब नया भूमि अधिग्रहण कानून प्रभावी हुआ) तक लंबित थे, उन्हें मुआवजा और नौ फीसदी ब्याज का लाभ मिलेगा। जहां मुआवजा बढ़ा, लेकिन क्षतिपूर्ति का मुद्दा तय नहीं हुआ, ऐसे मामलों में भूमि मालिक कानून के अनुसार क्षतिपूर्ति और ब्याज की मांग कर सकते हैं। हालांकि ब्याज केवल उस तारीख से मिलेगा, जब दावा उठाया गया। जिन मामलों में 28 मार्च, 2015 से पहले मुआवजा अंतिम रूप ले चुका था और कोई कार्यवाही लंबित नहीं थी, उन्हें दोबारा नहीं खोला जाएगा। 2019 में एक मामले में अदालत ने कहा था कि जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए ली गई है, जमीन मालिकों को 1894 के भूमि अधिग्रहण कानून के तहत क्षतिपूर्ति से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT KOTKHAI DISTT. SHIMLA(H.P)

No.NPK/2026-2466-68 Dated: 24/03/226

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are hereby invited for Deploy of 01 No. Electrician for the maintenance of street lights in Nagar Panchayat Kotkhai area. The tender forms can be had from this office against cash payment of Rs. 300/- up to 11:00 AM on 30.03.2026. so as to reach in this office on 30.03.2026 up to 11:30 AM to 12:00 PM and will be opened on the same day at 12:45 PM in the presence of intending contractors or their authorized representative if present any. The earnest money of Rs. 5000/- in the shape of Cash, FD must accompany with tender. The conditional tender will be rejected. If holiday declared by the Govt. on the above date to any reason, then shall be counted as next working day. Undersigned reserves the right to accept/reject tender without assigning any reason.

S. No.	Name of work	Cost of tender form	Earnest money
1.	Hiring of Electrician / Lineman for the maintenance of street lights in Nagar Panchayat Kotkhai area.	500/-	5000/-

Terms and conditions :
1. Contractor have diploma/Experience Certificate.
2. The photo copy of PAN Number and Aadhar Number should be attached with the application otherwise tender form will not be issued.

Secretary
Nagar panchayat Kotkhai
Distt. Shimla HP

Advt. No. 2404/25-26

HIMACHAL PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD LTD
"A State Government Undertaking"
"Press Tender Notice"
(E-tendering mode only)

Online Notice Inviting Tender is hereby invited for Supply of Pulling and Lifting Machine, complete in all respect, as per Tender Specifications by the undersigned for & on behalf of Managing Director, HPSEB Ltd., Shimla-4. The dates of sale, receipt and opening of tender is as per detail below:-

Sr. No	Tender No.	Description of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of Tender Documents inclusive GST (Non-refundable)	Completion period
1	CEO/MM/ Tender/ No. 70 (Pulling & Lifting Machine) /2025-26	Supply of Pulling and Lifting Machine, complete in all respect as per Tender Specifications.	Rs. 23,64,000.00	Rs. 23,640.00	Rs. 1180/-	03 Months

Key Dates:-

1.	Date of online publication	31.03.2026
2.	Start date and time of bid submission	31.03.2026 (at 15:00 Hrs.)
3.	End date and time of bid submission	07.04.2026(upto11:00 Hrs)
4.	Date and time of opening of techno comm. bid	08.04.2026 (at 12:00 Hrs)

The bid document is available online and bid shall be submitted on line on website https://www.hptenders.gov.in. Bidders would be required to register in the website which is free of cost. For submission of bids, the bidders are required to have digital signature certificate (DSC) from one of the authorized certifying authority (CA). Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPSEBL may obtain the same from the website https://www.hptenders.gov.in. DSC is mandatory to participate in e-tendering. Bidders already possessing valid DSC issued from authorized CAs can use the same in this tender.

Sd/-
Chief Engineer (OP) SZ,
HPSEB Ltd., Shimla-171004.

Advt. No. 2411/25-26

HIMACHAL PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD LTD
"A State Government Undertaking"
"Press Tender Notice"
(E-tendering mode only)

ONLINE TENDERS are hereby invited in two part bids for Supply of Crimping Tool suitable for crimping 50mm2 to 400mm2thimbles and cables complete in all respect as per tender specificationsby theundersigned for & on behalf of Managing Director, HPSEB Ltd., Shimla-4. The dates of sale, receipt and opening of tender is as per detail below:-

Sr. No.	Tender No.	Description of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of Tender Documents inclusive GST (Non-refundable)	Completion Period
1	CEO/MM/ Tender/ No. 72 (Crimping Tools) 2025-26	Supply of Crimping Tool suitable for crimping $50mm^2$ to $400mm^2$ thimbless and cables complete in all respect as per tender Specifications.	Rs. 14,98,000-00	Rs. 14,980.00	Rs. 1180/-	03 Months

Key Dates:-

1.	Date of online publication	31.03.2026
2.	Start date and time of bid submission	31.03.2026 (at 15:00 Hrs.)
3.	End date and time of bid submission	07.04.2026(upto11:00 Hrs.)
4.	Date and time of opening of techno comm. bid	08.04.2026 (at 11:30 Hrs.)

The bid document is available online and bid shall be submitted on line on website https://www.hptenders.gov.in. Bidders would be required to register in the website which is free of cost. For submission of bids, the bidders are required to have digital signature certificate (DSC) from one of the authorized certifying authority (CA). Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPSEBL may obtain the same from the website https://www.hptenders.gov.in. DSC is mandatory to participate in e-tendering. Bidders already possessing valid DSC issued from authorized CAs can use the same in this tender.

Sd/-/-
Chief Engineer (OP) SZ,
HPSEB Ltd., Shimla-4.

Advt No. 2410/25-26

HIMACHAL PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD LTD
"A State Government Undertaking"
"Press Tender Notice"
(E-tendering mode only)

ONLINE TENDER is hereby invited in two part bids for Fabrication and Supply of L.T. distribution panel box suitable for 630 KVADTRs, complete in all respect, as per Tender Specifications by theundersigned for & on behalf of Managing Director, HPSEB Ltd., Shimla-4. The dates of sale, receipt and opening of tender is as per detail below:-

Sr. No.	Tender No.	Description of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of Tender Documents inclusive GST (Non-refundable)	Completion Period
1	CEO/MM/ Tender/ No. 73 (LT Panel 630 KVA)/ 2025-26	Fabrication and Supply of L.T. distribution panel box suitable for 630 KVA Sub-Stations complete in all respect as per Tender Specifications.	Rs. 21,89,000-00	Rs. 21,890.00	Rs. 1180/-	03 Months

Key Dates:-

1.	Date of online publication	31.03.2026
2.	Start date and time of bid submission	31.03.2026 (at 15:00 Hrs.)
3.	End date and time of bid submission	07.04.2026(upto11:00 Hrs.)
4.	Date and time of opening of techno comm. bid	08.04.2026 (at 11:45 Hrs.)

The bid document is available online and bid shall be submitted on line on website https://www.hptenders.gov.in. Bidders would be required to register in the website which is free of cost. For submission of bids, the bidders are required to have digital signature certificate (DSC) from one of the authorized certifying authority (CA). Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPSEBL may obtain the same from the website https://www.hptenders.gov.in. DSC is mandatory to participate in e-tendering. Bidders already possessing valid DSC issued from authorized CAs can use the same in this tender.

Sd/-
Chief Engineer (OP) SZ,
HPSEB Ltd., Shimla-171004

Advt No. 2408/25-26

PRESS NOTICE TO ISSUE FOR PUBLICATIONS IN NEWS PAPER FOR E-TENDERING

The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Chowari invites tenders on behalf of the Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work(s) through e-tendering process.

Sr. No. 1, Name of Work: Providing L.W.S.S. for Sihunta & Other Multi villages Rural piped W.S.S. for the part of Block Bhattiyat Distt. Chamba (H.P) (SH: Providing and making distribution manifolds and by pass arrangement of 20 Nos. Tanks. (Balance work.), **Estimated Cost:** Rs.549127/-, **Earnest money:** Rs.10983/-, **Time Limit:** 2 Months, **Cost of form:** Rs. 350/-, **Start and Last date for uploading the tender throughe-tendering:** From 23-03-2026 at 01.30 P.M. to 30-03-2026 at 1.30 PM

The bidders are advised to note other details of tender from the departmental website https://hptenders.gov.in. The Executive Engineer, reserves the right to reject/cancel any or all the bids without assigning any reason(s).

Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Chowari
Distt. Chamba (HP)-176302

Advt. No.: 7414/25-26

OFFICE OF AGRICULTURAL PRODUCE MARKET COMMITTEE CHAMBA, DISTRICT CHAMBA (H.P.) 176314
Ph. 01899-225708, 01899-294009, Email-awmcha-hp@nic.in

सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति चम्बा (हि.प्र.) के अंतर्गत विनियमित फल व सब्जी उप-मंडी तीसा में सब्जी तथा फलों के थोक व्यापार हेतु दुकान संख्या 1, 2, 3, 4, 5 एवं 6 को खुली बोली द्वारा किराए पर आबंटित किया जाना है, जिसका ब्यौरा निम्न है:-

क्रम संख्या: 1, दुकान संख्या: 101 से 06 (कुल 06 दुकानें), **आवंटन का उद्देश्य** : सब्जी एवं फलों तथा अन्य अधिसूचित कृषि उपज के थोक व्यापार हेतु, **प्रत्येक दुकान का क्षेत्रफल:** रु. 4.5 m x B. 3 m = 13.5 वर्ग मीटर, **निर्धारण प्लिंथ एरिया दर 2023:** ₹260/- प्रति वर्ग मीटर प्रति माह, **बोली हेतु न्यूनतम प्रतिमाह किराया:** ₹3510/- (18% GST सहित) प्रति दुकान

अतः इस सबंध में जिला चम्बा के सब्जी तथा फलों के थोक व्यापारियों/ विक्रेताओं को सूचना प्रकाशित होने के 21 दिनों के भीतर निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन आमंत्रित है। इच्छुक आवेदक आवेदन हेतु कृषि उपज मंडी समिति चम्बा स्थित बालू कार्यालय में रु. 100/- जमा करवाकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन की अंतिम दिनांक 15-04-2026 को अपराह्न 5:00 बजे रहेगी। इसके उपरांत कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आबंटन की शर्तें एवं नियम, हि.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड शिमला की वेबसाइट https://hpsamb.hp.gov.in/ पर उपलब्ध है।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
चम्बा जिला चम्बा (हि .प्र.)

Advt. No.: 2412/25-26

HIMACHAL PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD LIMITED
(A State Govt. Undertaking)

Registered Office	Vidyut Bhawan, HPSEBL, Shimla-171004(H.P)
Number (CIN)	U40109HP2009SGC031255
GST No.	HPSEBL 02AACCH4894EHZB
Telephone Number	0177-2623952
Website Address	www.hpseb.in
E-Mail	xendivnno1hpsebshimla@gmail.com

(e- Tendering mode only)

Online tenders are hereby invited by the undersigned and on behalf of Managing Director, HPSEBL, Shimla-4 from A-Class registered contractor for the following work on the prescribed form (Tender Document). The dates of sale/Receipt and opening of tender is as per detail given below:-

Tender No. No.SED/SP-E-Press-Tender No- 86/2025-26**Description of work:** Tender for SOP to SJPL office-cum Laboratory Building at Dhalli by providing 250kVA, 22/0.4kV Subatation alongwith CP/PT unit & HT line in ES Dhalli under ESD, HPSEBL, Dhalli. **Estimated cost:** Rs, 14,77,833/- only **Earnest money:** Rs 14778/- only. **Price of tender document:** Rs, 1000/- only Add GST @18% i.e Rs. 1180/- **NIT Published Online portal:** 27.03.2026 at 12.00 PM **Bid Submission Start Date:** 27.03.2026 at 12.00 PM **Bid Submission End Date:** 04.04.2026 at 12.00 PM **Due date of opening of techno commercial bid:** 06.04.2026 at 12.00 PM **Completion Period:** 3 Months

The bid document is available online and bid shall be submitted on line on website http:/www.hptenders.gov.in. Bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of bids, the bidders are required to have digital signature certificate (DSC) from one of the authorized certifying authority (CA). Aspiring bidders who have not obtain the user id and password for participating in e–tendering in HPSEBL may obtain the same from the website http:/www.hptenders.gov.in. DSC is mandatory to participate in e-tendering. Bidders already possessing valid DSC issued from authorized CAs can use the same in this tender.

(Er. Pratap Singh Sidholi)
Addl. Superintending Engineer
Electrical Division No-I, HPSEBL,
Kasumpti, Shimla-9

Advt No. 2409/25-26

कार्यालय सचिव कृषि उपज मण्डी समिति- सिरमौर, पांवटा साहिब (हि.प्र.)
'' नीलामी सूचना ''

कृषि उपज मण्डी समिति सिरमौर के अंतर्गत स्थापित उप सब्जी मंडी नोहराधार (SMY-Nohradhar) में निम्न वर्ग के लिए आरक्षित दुकानों का आबंटन हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा निधारित संशोधित आबंटन निति 2021 व हिमाचल प्रदेश कृषि उपज मंडी समिति के उप नियम 2007 की धारा 62(2) के अनुसार स्थानीय फल व सब्जी उत्पादक, फल व सब्जी के थोक व्यापारी, सहकारी एवं स्वयं सहायता समूह, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को वर्गानुसार क्रमशः 25%, 50%, 10% व 15% के अनुपात से किया जाएगा। अतः फल व सब्जियों के थोक व्यापार करने के इच्छुक व्यक्तियों, व्यापारियों व किसानो को सूचित किया जाता है कि वह कृषि उपज मण्डी समिति सिरमौर स्थित पांवटा साहिब के कार्यालय से ₹500/- (पांच सौ रुपए मात्र) का भुगतान करके आवेदन प्रपत्र 16-04-2026 सायं 5:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं एवं दिनांक 17-04-2026 सायं 5:00 बजे तक जमा करवा सकते हैं। उसके उपरांत कोई भी आवेदन पत्र मान्य नहीं होगा।

प्राप्त आवेदनों के आधार पर दुकानों का आबंटन खुली बोली द्वारा दिनांक 18.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे गठित उप-समिति के समक्ष कृषि उपज मण्डी समिति सिरमौर स्थित पांवटा साहिब के कार्यालय में किया जाएगा। आबंटन हेतु अलग से सूचित नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या	श्रेणी (2021 की नीति के अनुसार)	आरक्षण %	दुकान संख्या	न्यूनतम बोली मूल्य (बिना GST)
1	आरक्षितः जैविक/ प्राकृतिक उत्पाद	50%	1	3472
2	फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी		2	3632
3	फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी		3	3525
4	फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी		4	
5	फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी		5	3344
6	फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी		6	4220
7	स्थानीय फल व सब्जी उत्पादक/ किसान	25%	7	3557
8	स्थानीय फल व सब्जी उत्पादक/ किसान		8	3579
9	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग	15%	9	3579
10	सहकारी/ किसान उत्पादक संगठन/FPO / महिला स्वयं सहायता समूह/SHG	10%	10	3632

आबंटन बोली की शर्तें निम्न प्रकार से हैं :-

1. बोलीदाता जिला हिमाचल प्रदेश का स्थाई निवासी होना चाहिए, जिसके लिए आवेदन कर्ता के पास हिमाचली प्रमाण पत्र होना चाहिए।
2. नीलामी आबंटन नीति 2021 और अन्य संबंधित नियमों, उपनियमों और हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि एवं बागवानी (विपणन एवं विनियमन) अधिनियम 2005 की धाराओं के अनुसार आयोजित की जाएगी।
3. उच्चतम बोली राशि पर वस्तु एवं सेवा कर/GST (वर्तमान में 18%) अतिरिक्त रूप से लागू होगा।
4. जो दुकान प्राकृतिक खेती के लिए आरक्षित है उसकी नीलामी में भाग लेने के लिए किसी भी सरकारी संस्थान/विभाग से प्राकृतिक खेती का प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
5. फल व सब्जी के थोक विक्रेता और व्यापारी श्रेणी के आवेदक के पास कृषि उपज मंडी समिति (APMC) का लाइसेंस होना चाहिए।
6. स्थानीय फल व सब्जी उत्पादक/ किसान वर्ग के सभी आवेदकों को दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करना होगा कि वे किसान हैं।
7. सभी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग,सहकारी / किसान उत्पादक संगठन/FPO/ महिला स्वयं सहायता समूह/SHG को अपनी श्रेणी का वैध प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
8. आवेदनकर्ता को बोली के दिन मु. रु. 10,000/- (दस हजार रुपए) धरोहर राशि के रूप में केवल डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ''सचिव, ए.पी.एम.सी. सिरमौर'' के पक्ष में जमा करना अनिवार्य है। बोली के उपरान्त उच्चतम बोलीदाता के अतिरिक्त, शेष सभी की जमा की गई धरोहर राशि वापिस कर दी जाएगी।
9. उच्चतम बोलीदाता को आबंटन के 7 दिन के भीतर दुकान/शेड /गोदाम के आबंटन मूल्य की सुरक्षा राशि के रूप में 11 महीने का अग्रिम किराया इस कार्यालय में जमा करवान होगा। यदि बोलीदाता उक्त सुरक्षा राशि के रूप में 11 माह की अग्रिम राशि समय सीमा पर जमा करवाने में असमर्थ रहता है तो आवेदनकर्ता की धरोहर राशि जब्त कर दी जाएगी।
10. आबंटित की गई दुकान/शेड में केवल कृषि उत्पादों से सम्बन्धित कार्य ही किया जाएगा, ऐसा न करने पर दुकान का आबंटन रद्द कर दिया जाएगा।
11. अधूरे या बिना प्रतिभूति राशि वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
12. आबंटन से संबंधित सभी अधिकार कृषि उपज मण्डी समिति, सिरमौर के पास सुरक्षित रहेंगे।
13. अधोहस्तक्षरी को बिना कोई कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को रद्द करने का पूरा अधिकार होगा।
14. अन्य शर्तें कृषि उपज मण्डी समिति सिरमौर द्वारा बोली शुरू होने से पहले मौके पर बता दी जाएंगी।

सचिव,
कृषि उपज मण्डी समिति सिरमौर,
पांवटा साहिब

Advt. No. 2405/25-26

To be issued for publication Newspapers for e-tendering.

The Executive Engineer Jal Shakti Division Salooni invites following e-tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from eligible contractors for the following work through e-tendering process.

Sr. No. 1, Name of work: Proiding sewerage scheme to Dalhousie Town in Tehsil Dalhousie Distt. Chamba (SH:-Providing 25 Nos. house Sewer connection to ward no. 6 Kathlag. (Job-2), **Estimated cost:** 4,90,339/-, **Earnest money:** 9850/-, **Time limit:** Three Months

Sr. No. 2, Name of work: Proiding sewerage scheme to Dalhousie Town in Tehsil Dalhousie Distt. Chamba (SH:-Providing 25 Nos. house Sewer connection to ward no. 6 Kathlag. (Job-3), **Estimated cost:** 4,90,339/-, **Earnest money:** 9850/-, **Time limit:** Three Months

Sr. No. 3, Name of work: Restoration of rain damages to WSS Sher Bhatoli Guniala in GP Osal Tehsil Dalhousie Distt. Chamba Dalhousie Distt. Chamba HP (SH:- C/O storage tank 20000 ltrs cap at Village Luthnu), **Estimated cost:** 208582/-, **Earnest money:** 4200/-, **Time limit:** Three Months

Last date of filling/ uploading the tender through online dated 01.04.2026 upto 17:00 Hrs. The Tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website http//hptender.gov.in.

Executive Engineer
JS Division Salooni

Advt. No.: 7410/25-26

विपक्ष ईरान युद्ध पर सरकार संग

पश्चिम एशिया के हालात पर सर्वदलीय बैठक में मिला साथ; रिजिजू बोले, सरकार ने दिलाया भरोसा

राजनाथ सिंह-किरन रिजिजू

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

संसद के मौजूदा बजट सत्र के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ एक सर्वदलीय बैठक की, जिसमें पश्चिम एशिया के हालात और उसके भारत पर प्रभाव को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में सरकार ने भरोसा दिलाया कि भारत के पास पर्याप्त ऊर्जा भंडार हैं और कई जहाज अभी रास्ते में हैं। सरकार ने सभी दलों को आश्वस्त किया कि तेल और गैस को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। यह बैठक करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली, जिसमें सरकार ने सभी दलों के नेताओं को भरोसा दिलाया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा की स्थिति स्थिर और नियंत्रण में है। सरकार ने विपक्ष के सवालों के जवाब भी दिए। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मीटिंग में शामिल नहीं हुए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि विपक्ष ने कहा कि वह सरकार के साथ है। उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। रिजिजू के मुताबिक, उनसे दो बार संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने किसी अन्य कार्यक्रम का हवाला देकर आने से मना कर दिया। रिजिजू ने उम्मीद जताई कि इस संकट के समय विपक्ष भी सरकार के साथ मिलकर देश के हित में काम करेगा। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी अपील की है कि देश एकजुट रहे और संसद से एकता का संदेश जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अन्य पार्टियों के नेताओं में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर एवं मुकुल वासनिक तथा कई अन्य नेता शामिल हुए। इनके अलावा बीजेडी के सस्मित पात्रा, जदयू के ललन सिंह, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और सीपीआईएम से जॉन ब्रिटास भी इस बैठक में मौजूद थे।

■ कहा; भारत के पास पर्याप्त ऊर्जा भंडार, रास्ते में कई जहाज

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और जनसेना पार्टी के नेता भी सर्वदलीय बैठक में शामिल थे। खास बात यह है कि तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि बैठक में मौजूद नहीं था। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने बताया कि पार्टी बैठक में शामिल नहीं हो सकी, क्योंकि पार्टी का कोई भी नेता दिल्ली में उपलब्ध नहीं था।

पीएनजी कनेक्शन है, तो एलपीजी सिलेंडर नहीं

रसोई गैस संकट के बीच केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

दिव्य हिमाचल ब्यूरो —नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रसोई गैस को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक नया निर्देश जारी किया है जिसके अनुसार जिन इलाकों में पाइप्ड नैचुरल गैस यानी पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां अगर लोग एलपीजी सिलेंडर से पीएनजी पर शिफ्ट नहीं करते हैं, तो उनकी एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है।

सरकार का कहना है कि यह कदम देश में गैस नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए उठाया गया है।पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे देश में इसकी कमी देखने को मिल रही है। ऐसे में सरकार अब लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए कह रही है, जो पाइप के जरिए सीधे घर तक लगातार मिलती है और सिलेंडर बुक करने की झंझट भी खत्म कर देती है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी नए नियम के मुताबिक, अगर किसी घर में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद तीन महीने के भीतर कनेक्शन नहीं लिया जाता है, तो एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है।सरकार का असली उद्देश्य क्या है?सरकार के इस फैसले के पीछे मुख्य उद्देश्य गैस सप्लाई सिस्टम को ज्यादा संतुलित और मजबूत बनाना है।

जिन इलाकों में पीएनजी की सुविधा पहले से उपलब्ध है, वहां एलपीजी के उपयोग को कम करके उस गैस को उन क्षेत्रों तक पहुंचाना है जहां अभी पाइपलाइन नेटवर्क नहीं है।

PRESS NOTICE TO BE PUBLISHED IN NEWS PAPERS FOR E-TENDERING

The Executive Engineer Jal Shakti Division Rampur invited tenders on behalf of the Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following works(s) through e-tendering process:-

Name of Work: C/O Raja Virbhadra Singh Ghat and Rejuvenation of Bawari at Shani Mandir near Gandhi park in Tehsil Rampur Distt. Shimla (HP) (SH:- Development , Beautification and Eco friendly Plantation works at Raja Virbhadra Singh Ghat)
Estd. Cost: Rs. 1359321/-, **Earnest Money:** Rs. 27186.00, **Cost of form:** Rs. 500, **Time:** Three months

Last date of filing/uploading the tender through e-tendering 30.03.2026 upto 5.00 PM and the same will be opened on 31.03.2026 at 10.00 AM. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hptenders.gov.in

Executive Engineer
Jal Shakti Division Rampur
Advt. No. 7406/25-26

सभी नागरिकों के लिए समान कानून भाजपा की प्राथमिकता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता रही है कि देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले। गुजरात विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होने पर श्री शाह ने यह बात कही। श्री शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह भाजपा का स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है।

वित्त विधेयक लोकसभा से पारित

निर्मला सीतारमण बोलीं, भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

निर्मला सीतारमण

लोकसभा ने लंबी चर्चा के बाद बुधवार को वित्त विधेयक 2026 को 32 सरकारी संशोधनों के साथ पारित कर दिया। इससे केंद्र सरकार की बजटीय प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। अब यह विधेयक राज्यसभा में जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पूरी तरह लागू हो जाएगा। केंद्रीय बजट 2026-27 में कुल 53.47 लाख करोड़ रुपए के व्यय का अनुमान है, जो 31 मार्च को समाप्त हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है। अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित कुल पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए है। इसमें 44.04 लाख करोड़ रुपए के सकल कर राजस्व संग्रह और 17.2 लाख करोड़ रुपए की सकल उधारी का प्रस्ताव है। वित्त वर्ष 27 के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो मौजूदा वित्त वर्ष के 4.4 प्रतिशत से कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है।

उभयलिंगी व्यक्ति संशोधन विधेयक पर संसद की मुहर

उभयलिंगी व्यक्तियों को कानूनी अधिकार देने और उनके हितों की रक्षा करने से संबंधित उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक 2026 को राज्यसभा ने बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन ने विधेयक को प्रवर समिति को भेजे जाने से संबंधित विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है और राज्यसभा में पारित होने के साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गई।

जयशंकर की दोटूक, पाक की तरह हम दलाल देश नहीं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

एस जयशंकर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए केंद्र सरकार ने बुधवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चार जहाज आ चुके हैं और कुछ और जहाज आने वाले हैं। खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को लेकर सरकार ने कहा कि हमारे दूतावास लगातार काम कर रहे हैं और अब तक 4.25 लाख भारतीयों को सुरक्षित लाया जा चुका है। जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधियों ने विदेश मंत्री से पूछा कि ईरान जंग में पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, जबकि हम अब भी मूक दर्शक बने हुए हैं तो इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टका सा जवाब विपक्षी दलों को दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ऐसा 1981 से कर रहा है। इसमें कुछ नई बात नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हम पाकिस्तान की तरह दलाल देश नहीं बन सकते। बैठक खत्म होने के बाद विपक्ष ने कहा कि इस मामले से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं था। विपक्षी दलों ने यह मांग फिर दोहराई कि लोकसभा में नियम 193 और राज्यसभा में नियम 176 के तहत पश्चिम एशिया संकट को लेकर चर्चा होनी चाहिए।

NOTICE INVITING E-TENDERING

The Executive Engineer JSV Division Hamirpur invites following tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work(s) through e- tendering Process:-

Sr. No. 1, Description: Restoration of rain damges of LWSS Khagal Bhatwara Town in Tehsil and Distt. Hamirpur (SH:- Replacement of pumping machinery alongwith all allied accessories), **Estimated cost:** 7,28,000/-, **Earnest money:** 14560/-, **Cost of form:** 350/-, **Time Limit :** 3 Months

Sr. No. 2, Description: Restoration of rain damges of LWSS Hamirpur Town in Tehhsil and Distt. Hamirpur (SH:- Replacement of pumping machinery alongwith all allied accessories at Dhangkawali), **Estimated cost:** 9,87,500/-, **Earnest money:** 19,750/-, **Cost of form :** 350/-, **Time Limit :** 1 Month

Last date of filing/ uploading the tender through e- tendering 31.03.2026 up to 11.00 AM The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hptenders.gov.in. .

Executive Engineer
JS Division Hamirpur
Advt. No.: 7402/25-26

अब टैंकों से पहले दुश्मन को डराएंगे ड्रोन

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

■ भारतीय सेना का नया शौर्य स्क्वॉड्रन, टैंक रेजिमेंट्स ड्रोन से लैस हुई

भारतीय सेना ने अपनी ताकत को और बढ़ाते हुए टैंक रेजिमेंट्स को ड्रोन से लैस कर दिया है। अब आर्मर्ड रेजिमेंट्स में शौर्य स्क्वॉड्रन नाम से छह नई यूनिट शामिल कर ली गई हैं। इन स्क्वॉड्रनों में ड्रोन युद्ध की पूरी क्षमता है। पहले सेना ने अपनी पैदल सेना को अश्नी प्लाटून से मजबूत किया था, अब टैंकों को भी ड्रोन का साथ मिल गया है। यह कदम भविष्य के युद्ध के लिए उठाया गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद इसकी गति और तेज हो गई है। शौर्य स्क्वॉड्रन टैंक रेजिमेंट्स के अंदर एक विशेष ड्रोन यूनिट है। इसमें सर्विलांस ड्रोन, अटैक ड्रोन और लॉइटरिंग मुनिशन (घूम-घूमकर हमला करने वाले ड्रोन) शामिल हैं। ये स्क्वॉड्रन टैंकों के साथ मिलकर काम करते हैं। इनकी मुख्य जिम्मेदारी है दुश्मन की स्थिति की जासूसी करना, सटीक हमला करना, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, इंजीनियरिंग काम जैसे बाधाएं तोड़ना, माइन बिछाना और साफ करना, लॉजिस्टिक्स और मेडिकल सहायता देना। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन युद्ध पर खास ध्यान दिया। अब पांच से ज्यादा कमांड्स में शौर्य स्क्वॉड्रन खड़े किए जा चुके हैं। उन्हें सीमा पर तैनात किया गया है।

हाल ही में साउदर्न कमांड द्वारा बाबिना, उत्तर प्रदेश में आयोजित अमोघ ज्वाला अभ्यास में इन स्क्वॉड्रनों की क्षमता को प्रदर्शित किया गया। इस 13 दिन के बड़े अभ्यास में टैंकों, अटैक हेलिकॉप्टरों, फाइटर एयरक्राफ्ट और ड्रोनों को एक साथ मिलाकर युद्ध का परीक्षण किया गया।

ऐसे बनाएगा मजबूत

टैंक रेजिमेंट्स में ड्रोन जोड़ने से सेना को कई फायदे मिल रहे हैं। अब टैंक सिर्फ फायर पावर नहीं, बल्कि बेहतर खुफिया जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। ड्रोन दुश्मन की स्थिति, हलचल और हथियारों की जानकारी रीयल टाइम में टैंकों को दे सकेंगे। इससे टैंक यूनिट्स की सटीकता और सुरक्षा दोनों बढ़ जाएगी।

HIMACHAL PRADESH JAL SHAKTI VIBHAG
NOTICE INVITING E-TENDER

Online bids on item rate basis are invited by the Executive Engineer, Jal Shakti Division, Katrain on behalf of the Governor of Himachal Pradesh, in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the contractors/firms of appropriate class enlisted with H.P. Jal Shakti Vibhag.

Sr. No.1 NAME OF WORK: Restoration of rain damages to various WSS under JSV Section Raison in Tehsil & Distt. Kullu HP(SH- C/O Zinc Aluminium storage tank of 30000 ltrs. Capacity -2 nos. at Rakhani and Karal) (Under PDNA at Sr. No.18431 & 18278) **Estimated Cost:** 1385161/- **Earnest Money:** 27703/- **Time Limit:** 2 Months **Cost of tender Form:** Rs. 350/-

Sr. No.2 NAME OF WORK: Restoration of rain damages toWSS Aleo Chachoga GP Chachoga in Tehsil & Distt. Kullu HP(SH- C/O Zinc Aluminium storage tank of 100000 ltrs. Capacity at Mini Hydro Project) (Under PDNA at Sr. No.18326 and 18227) **Estimated Cost:** 2092953/- **Earnest Money:** 41859/- **Time Limit:** 2 Months **Cost of tender Form:** Rs. 350/-

Sr. No.3 NAME OF WORK: Restoration of rain damages toWSS Aleo ChachogaGP Chachoga in Tehsil & Distt. Kullu HP(SH- C/O Zinc Aluminium storage tank of 30000 ltrs. Capacity -at Tee Point) (Under PDNA at Sr. No.18229) **Estimated Cost:** 818806/- **Earnest Money:** 16376/- **Time Limit:** 2 Months **Cost of tender Form:** Rs. 350/-

Sr. No.4 NAME OF WORK: A/R and M/O Sewerage scheme Manali Town in Tehsil Manali Distt. Kullu HP(SH- Providing, Installation and commissioning of DO Sensor, Electronic Panel and AI based software for online Enfluent monitoring system and flow meter) **Estimated Cost:** 1580905/- **Earnest Money:** 31618/- **Time Limit:** 2 Months **Cost of tender Form:** Rs. 350/-

Key dates: -

I	Site Visit	22.03.2026 to 28.03.2026 on working day time 10.00 AM to 5.00 P.M.
II	Date of online publication	20.03.2026 AT 06:00 PM
III	Bid Submission Start date and Time	From 20.03.2026, 06:30 PM
IV	Bid submission end date and time.	28.03.2026 Up to 11.00 AM
V	Date of Opening of Bid i.e. Eligibility criteria.	28.03.2026 at 11.30 AM
VI	Date of opening of financial bid.	Date, time and place shall be notified separately online.

The bidders are advised to note other detail of tenders from the department website i.e. www.hptenders.gov.in

Executive Engineer,
JSV Division Katrain
Advt No. 7407/25-26

HIMACHAL PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD LTD
"A State Government Undertaking"
"Press Tender Notice"
(E-tendering mode only)

Online tenders are hereby invited for the following works on Semi –Turn key basis from the contractors listed in the appropriate class having A- Class Electrical License. The dates of sale/receipt and opening of tender is as per detail given below. The detailed tender notification can also be downloaded free of cost from the HPSEBL web site https://www.hptenders.gov.in. Bidders would be required to register in the website which is free of cost. For submission of bids, the bidders are required to have digital signature certificate (DSC) from one of the authorized certifying authority (CA). Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPSEBL may obtain the same from the website https://www.hptenders.gov.in. DSC is mandatory to participate in c-tendering. Bidders already possessing valid DSC issued from authorized CAs can use the same in this tender.

Sr. No.	Tender No.	Name of Work	NIT Amount (In Rs)	Completion Period	Earnest Money @2.5% (In Rs)	Price of tender document Rs.500+ GST @18% (Non-refundable) (Rs.)	Date of online publication	Start date and time of bid submission	End date and time of bid submission	Date and time of opening of techno & comm. bid
1	NIT No 232/2025-26	Tender for providing SOP for the Scheme"Augmentation of WSS Baneshti Jiyog,Kansar Dharwar,WSS Kulachi ,WSS Khumba Ghowata & WSS Churashi Masogal (MS-15),in Electrical section Bithri under electrical sub division Pangna.	Rs.10,76,104/- Only	3 Month	26903/-	590/-	27-03-2026 28.03.2026 (5:00 PM)	28.03.2026 (5:00 PM)	04-04-2026 (10.30AM)	04-04-2026 (3.00 PM)

Advt. No. 2414/25-26
Er. Executive Engineer,
Electrical Division, HPSEBL,Karsog

राज्य के बाहर इलाज करवाना है, तो लेनी होगी सीएम से परमिशन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा सुविधाओं को लेकर नए सख्त नियम लागू किए हैं। अब राज्य के बाहर किसी भी अस्पताल में इलाज कराने से पहले मुख्यमंत्री से पूर्व-अनुमति लेना अनिवार्य होगा। राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से गृह विभाग द्वारा जारी इस निर्देश को 'द कोलकाता गजट' में प्रकाशित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और उपमंत्री इस नियम के दायरे में आएंगे। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, इस फैसले का उद्देश्य चिकित्सा खर्च पर नियंत्रण रखना और प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है। पहले राज्य के बाहर सरकारी खर्च पर इलाज कराने के लिए ऐसी पूर्व-अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। अतीत में चिकित्सा खर्चों को लेकर विवाद भी सामने आ चुके हैं। वाम मोर्चा शासनकाल में तत्कालीन मंत्री मानव मुखर्जी द्वारा महंगे चश्मे की प्रतिपूर्ति को लेकर विवाद हुआ था। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में मंत्री सावित्री मित्रा के मेडिकल बिल को लेकर भी सवाल उठे थे।

No.7-9/2026-EXN-8539-8567 25th March 2026

Department of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh

PUBLIC NOTICE

e-AUCTION OF RETAIL LIQUOR UNITS (REMAINING/ LEFT OUT)FOR THE PERIOD OF ONE YEAR WITH EFFECT FROM 01.04.2026 TO 31.03.2027.

In continuation to the Department of State Taxes & Excise Himachal Pradesh, public notice No.7-9/2026-EXN-8379-405 issued on 24.03.2026 and published on 25.03.2026regarding the e-Auction of the Retail Liquor Units w.e.f. 1.04.2026 to 31.03.2027.The e-Auction process for the remaining/ left out excise units is hereby notified. The dates & time of e-Auction in respect of such Retail Liquor Units are mentioned below: -

Sr. No.	Districts	e-Auction Dates & Time						
		Publishing Date & Time	Document/ Application submission Start Date & Time	Document/ Application submission End Date & Time	Approval (Security) Start Date & Time	Approval (Security) End Date & Time	Auction Start Date & Time	Auction End Date & Time
1	Kullu	26-03-2026 10:00 AM	26-03-2026 10:15 AM	26-03-2026 02:15 PM	26-03-2026 2:30 PM	26-03-2026 03: 30 PM	26-03-2026 03: 45 PM	26-03-2026 06:45 PM

1. The process of auction shall also be executed through online mode (e-Auction). The link of e-Auction portal has been provided on the official website of the Department of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh (www.hptax.gov.in) and e-governance portal for excise function (https://egovef.hptax.gov.in/). The e-Auction portal can also be directly accessed using link: https://eauction.gov.in/ngauction .
2. The e-Auctionof theRetail Liquor Units shall be governed by the provisions of the H.P. Excise Policy for the financial year 2026-27 and such terms & conditions as have been notified by the Commissioner of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh.
3. The detailed terms & conditions of e-Auction of theRetail Liquor Units are available in the H.P. Excise Policy for the financial year 2026-27 and the official website of the Department of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh (www.hptax.gov.in).All intending bidders are advised to go through the same thoroughly before submitting the bids.
4. All details regarding the Retail Liquor (Excise) Unit/Vends and other connected details are available in the H.P. Excise Policy for the financial year 2026-27. The H.P. Excise Policy for the financial year 2026-27 is available on the official website of the Department of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh (www.hptax.gov.in).
5. The e-Auction process will be subject to approval by the Commissioner of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh, who reserves the right to reject the same without assigning any reason.
6. The dates & time are liable to be changed by the Commissioner of State Taxes & Excise, Himachal Pradesh, without assigning any reasons.
7. Applicants may deposit the required amount in advance into their top up account using the "Auction Top Up Payment" option available on the e Auction portal. At the time of submitting the application, he/she may utilize the deposited top up balance for making the necessary payments.
8. Applicants are advised to regularly visit www.hptax.gov.in for updates, notices, Excise Policy 2026-27, Standard Operation Procedure (SOP) and further instructions.

By Order
Commissioner of State Taxes & Excise,
Himachal Pradesh.
Advt. No. 2416/2025-26

दिन की खबर

317 शिक्षक चैक करेंगे 10वीं बोर्ड के पेपर

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं बोर्ड परीक्षा की पेपर चेकिंग दो अप्रैल से शुरू हो रही है, जोकि दो फेज में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिला भर में चार जगहों पर मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं। पेपर चेकिंग के लिए हमीरपुर जिला के 317 शिक्षकों की डयूटियां लगाई गई हैं, ताकि स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों का रिजल्ट समय पर घोषित कर सके।

सोलन में टमाटर की रोपाई पूरी

सोलन। जिला सोलन और इसके आसपास के क्षेत्रों में टमाटर की रोपाई का कार्य लगभग पूरा होने की कगार पर है। वहीं कई क्षेत्रों में किसान अब शिमला मिर्च की फसल लगाने की तैयारी में भी जुट गए हैं। कृषि प्रधान इस जिले में टमाटर किसानों की आय का प्रमुख साधन माना जाता है और हर साल बड़ी मात्रा में इसका उत्पादन किया जाता है। धर्मपुर क्षेत्र के कंडा, क्यारदा तथा सोलन क्षेत्र के देवठी, जौणाजी, कंडाघाट, धरोट, पाट्टी सहित आसपास के इलाकों में किसानों ने टमाटर और शिमला मिर्च की खेती के लिए खेतों की तैयारी लगभग पूरी कर ली है।

पानी दूषित करने पर 91 को नोटिस

गोहर। गोहर उपमंडल में पीलिया (हेपेटाइटिस ए/ई) का प्रकोप अब भी जारी है। 240 का आंकड़ा पार करने वाला पीलिया अभी भी लोगों पर नजर गड़ाए बैठा है। यदि समय रहते जल शक्ति तथा स्वास्थ्य विभाग ने इस पर शिकंजा नहीं कसा तो यह कई लोगों को अस्पताल पहुंचा सकता है। बार एसोसिएशन द्वारा दायर मुकदमे की दूसरी सुनवाई बुधवार को सिविल कोर्ट गोहर में हुई। सुनवाई के दौरान पंचायतों और स्वास्थ्य विभाग ने अपनी रिपोर्ट पेश की, लेकिन अदालत ने पंचायत सचिवों को सख्त हिदायत दी कि वे दूषित करने वालों को रिमाइंडर जारी करें, फिर भी वे नहीं माने तो उन्हें नियमानुसार जुर्माना लगाया जाए।

स्कूलों, कालेजों में नशा रोकने को पुख्ता इंतजाम

चंबा। उपायुक्त मुकेश रेप्सवाल की अध्यक्षता में बुधवार को उपायुक्त कार्यालय में नार्को समन्वय समिति की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में व विशेष रूप से स्कूलों व कालेजों में चिटटा व अन्य मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

पगार न मिलने पर कर्मचारी निराश

टीएमसी। डाक्टर राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा महाविद्यालय टांडा अस्पताल में आउटसोर्स पर कार्यरत कर्मचारियों को मार्च महीने का वेतन अभी तक नहीं मिल पाया है। टांडा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में आउटसोर्स पर कार्यरत 300 के करीब कर्मचारियों को अभी तक मासिक वेतन की अदायगी नहीं हो पाई है, जिसके चलते वार्ड ब्वायज, नर्सेज, आउटसोर्स कर्मचारियों ने बुधवार को प्रधानाचार्य कार्यालय के बाहर रोष प्रदर्शन किया।

सुजानपुर के आसमां में गरजे लड़ाकू विमान

एयर शो में दिखा भारतीय वायु सेना का अद्भुत शौर्य, 9 हॉक एमके-132 जेट की कलाबाजियों से दर्शक हैरान, तालियों से जांबाजों का वेलकम

निजी संवाददाता — सुजानपुर

सुजानपुर का ऐतिहासिक चौगान बुधवार सुबह भारतीय वायु सेना के अद्भुत एयर-शो का गवाह बन गया। इंडियन एयर फोर्स की विश्व प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा के मैदान (चौगान) के ऊपर इस टीम के बेहतरीन अधिकारियों एवं पायलटों के अद्भुत शौर्य, कौशल और आपसी समन्वय के हैरतअंगेज एयर शो को यहां जमा हुए हजारों लोगों ने देखा। सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक एमके-132 जेट विमानों ने बुधवार सुबह करीब 10:50 बजे एक साथ सुजानपुर के आसमान में दस्तक दी। इस एयर शो को देखने के लिए यहां जमा हुए हजारों लोगों ने जोरदार तालियों के साथ भारतीय वायु सेना के इन जांबाजों का स्वागत किया। इसके बाद इन विमानों ने अलग-अलग और ग्रुप में एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज कलाबाजियां और करतब दिखा कर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। गर्जना के साथ आसमान को चीरते हुए इन विमानों ने कई फॉर्मेशन्स बनाकर रोमांच, गति,

सुजानपुर। एयर शो के दौरान करतब दिखाते विमान

नियंत्रण और आपसी समन्वय का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। नौ विमानों के इस समूह ने हवा में डायमंड, तीर, हृदय, डीएनए और कई अन्य आकृतियां बनाने के साथ-साथ जब आसमान में राष्ट्रीय ध्वज के रंग बिखेरे, तो दर्शकों को एक बहुत ही शानदार नजारा देखने को मिला। इन अद्भुत दृश्यों को देखकर सभी दर्शक इन्हें अपने-अपने मोबाइल फोन के कैमरों में कैप्चर करने से अपने आपको रोक नहीं सके। सूर्य किरण एरोबेटिक टीम की कमेंटेटर फ्लाइट लेफ्टिनेंट कंवल संधू ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से इस एयर शो की जानकारी दर्शकों तक पहुंचाई तथा इस टीम के अधिकारियों का परिचय करवाया। स्क्वाड्रन लीडर संजय सिंह ने ग्राउंड ड्यूटी की जिम्मेदारी निभाते हुए पायलटों के साथ समन्वय स्थापित किया। लगभग 30 मिनट तक चले इस रोमांच भरे एयर शो के दौरान दर्शक काफी उत्साहित नजर आए। इससे पहले सैनिक स्कूल की प्रधानाचार्य एवं वायु सेना की वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन रचना जोशी ने मुख्यातिथि विधायक कैप्टन रणजीत सिंह समेत डीसी गंधर्वा राठौड़, एसपी बलवीर सिंह आदि का स्वागत किया।

शहीद विंग कमांडर नमांश स्याल को किया नमन

भारतीय वायु सेना की एरोबेटिक टीम में सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा के पासआउट विद्यार्थी भी शामिल हैं। एयर शो में इसी स्कूल के 10वें बैच के विद्यार्थी रहे और वर्तमान में एयर फोर्स स्टेशन आदमपुर (पंजाब) के प्रभारी एयर कमोडोर बृजेश पॉल और स्क्वॉड्रन लीडर हिमकुश चंदेल भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं एरोबेटिक टीम ने शहीद विंग कमांडर नमांश स्याल के सम्मान में आकाश में एक विशेष फॉर्मेशन बनाकर उन्हें नमन किया। बता दें कि कांगड़ा के नगरोटा क्षेत्र के शहीद विंग कमांडर स्याल सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा के विद्यार्थी थे। 21 नवंबर, 2025 को दुबई में एक एयर शो के दौरान हुई दुर्घटना में वह शहीद हो गए थे।

भारत का 10300 करोड़ का इंडिया एआई मिशन बड़ा कदम

निजी संवाददाता — घुमारवीं

■ बिलासपुर के नित्तम चंदेल ने अमरीका में पढ़ा शोधपत्र

बिलासपुर के डा. नित्तम चंदेल ने अमरीका में भारतीय सार्वजनिक प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते उपयोग, उसके नीतिगत ढांचे और शासन व्यवस्था में उसके दूरगामी प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। भारत सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन 2024 के माध्यम से प्रशासनिक तंत्र में एआई आधारित नवाचार को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत लगभग 10300 करोड़ का इंडिया एआई मिशन देश में एआई अवसंरचना, उच्च क्षमता वाले कम्प्यूटिंग संसाधन तथा स्वदेशी भाषा आधारित, आई मॉडल विकसित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। कैलिफोर्निया (अमरीका) के लॉस एंजिल्स स्थित हॉलीवुड में अमेरिकन सोसाइटी फॉर पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन के वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डा. नित्तम चंदेल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डा. नित्तम चंदेल

इंग्लिश टीचर के लिए इंटरव्यू

हमीरपुर। अंग्रेजी अध्यापक के पदों के लिए बुधवार को पूर्व सैनिकों के साक्षात्कार लिए गए। इंटरव्यू की प्रक्रिया पूर्व सैनिक रोजगार कक्ष में पूरी की गई। पूर्व सैनिक कोटे के तहत मिले अंग्रेजी अध्यापक के 60 पदों को भरने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई गई है। हालांकि इन पदों पर काफी कम संख्या में पूर्व सैनिक पहुंचे। 27 मार्च को पंचायत सचिव के पदों पर साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। कांगड़ा, किन्नौर, लाहुल-स्पीति, कुल्लू, चंबा व शिमला के पूर्व सैनिकों को बुलाया गया है। 31 मार्च को हमीरपुर, बिलासपुर, सिरमौर, कांगड़ा, ऊना व सोलन के पूर्व सैनिकों को बुलाया गया है। चयनित पूर्व सैनिकों का पैनल तैयार किया जाएगा।

राज्य में राष्ट्रगीत को नई गाइडलाइन

सरकार ने तय किए नियम, प्रदेश के स्कूलों में राष्ट्रगीत से दिन की शुरुआत

सिटी रिपोर्टर — धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' के सम्मान और उसके नियमित गायन को लेकर नई गाइडलाइंस मंगलवार को जारी की हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद सामान्य प्रशासन विभाग और शिक्षा विभाग ने प्रदेश भर के सभी जिला अधिकारियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना है। नए नियमों के तहत अब प्रदेश के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से की जाएगी। स्कूल प्रबंधन को ये भी निर्देश दिए गए हैं कि वे समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रतीकों के प्रति सम्मान का महत्त्व समझाएं। उच्च शिक्षा विभाग की उप निदेशक कमलेश कुमारी ने कहा कि, सरकार द्वारा जारी इन निर्देशों का सभी शिक्षण संस्थानों में अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा। राष्ट्रगीत हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है और इसके सम्मान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से अपील की कि वे विद्यार्थियों में देशभक्ति और अनुशासन की भावना को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं।

इन मौकों पर राष्ट्रगीत अनिवार्य

सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय ध्वज फहराने, सांस्कृतिक व औपचारिक कार्यक्रमों, राष्ट्रपति व राज्यपाल के आगमन-प्रस्थान, आकाशवाणी और दूरदर्शन पर राष्ट्रपति के संदेश के प्रसारण तथा परेड के दौरान राष्ट्रगीत का गायन या वादन अनिवार्य होगा।

सम्मान के नियम तय

राष्ट्रगीत की अवधि लगभग तीन मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। इसके दौरान सभी लोगों को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना अनिवार्य होगा। हालांकि, यदि राष्ट्रगीत किसी फिल्म या समाचार के हिस्से के रूप में प्रसारित होता है, तो खड़े होना आवश्यक नहीं होगा। साथ ही, यदि किसी कार्यक्रम में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों हों, तो राष्ट्रगीत पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

शहरी निकायों के वार्ड आरक्षण का शेड्यूल जारी

कोर्ट के निर्देशों के बाद राज्य चुनाव आयोग का फैसला, 31 तक पूरी करनी होगी प्रक्रिया

स्टाफ रिपोर्टर — शिमला

राज्य चुनाव आयोग ने प्रदेश के शहरी स्थानीय निकायों में वार्डों के आरक्षण को लेकर नया शेड्यूल जारी किया है। राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी की गई इस अधिसूचना में बताया गया है कि पहले जारी शेड्यूल अब समाप्त माना गया है, क्योंकि उसे जारी हुए आठ महीने से अधिक समय बीत चुका है और इस दौरान मामला कानूनी प्रक्रिया में चला गया था। राज्य चुनाव आयोग ने यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद उठाया है। कोर्ट ने सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 मार्च तक सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। नई समय-सारिणी के अनुसार 25 मार्च को नियम 10(8) के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद 30 मार्च तक सभी नगर निकायों के लिए अंतिम आरक्षण आदेश जारी कर दिया जाएगा। वहीं, 31 मार्च तक सरकार द्वारा इस अंतिम आरक्षण आदेश की रिपोर्ट आयोग को सौंपनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह पूरा कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 और हिमाचल प्रदेश नगर पालिका चुनाव नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है।

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही पर कार्रवाई

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव ड्यूटी के दौरान लापरवाही, कर्त्तव्य में चूक और आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। 25 मार्च को राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी किए गए आदेश में साफ किया गया है कि चुनाव कार्य में तैनात सभी अधिकारी आयोग के अधीन माने जाएंगे और उन पर आयोग का पूर्ण अनुशासनात्मक नियंत्रण रहेगा। आयोग ने कहा है कि कई मामलों में ड्यूटी में लापरवाही, अनुशासनहीनता और आदेशों की अनदेखी सामने आई है, जिसे गंभीरता से लेते हुए यह कदम उठाया गया है। आदेश के अनुसार चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अपने नियुक्ति आदेश जारी होने के साथ ही आयोग के अधीन प्रतिनियुक्ति पर माने जाएंगे। राज्य चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि क्लास-वन अधिकारियों के मामलों में कार्रवाई का निर्णय स्वयं आयोग करेगा, जबकि अन्य अधिकारियों के मामलों में जिला निर्वाचन अधिकारी निलंबन जैसे कदम उठा सकते हैं। सभी अनुशासनात्मक प्रक्रियाएं आरोप तय होने की तारीख से छह महीने के भीतर पूरी करनी होंगी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन, सर्वश्रेष्ठ कवरेज पर विधायकों-पत्रकारों को सम्मान

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

■ पठानिया बोले, परमार जयंती पर सौंपे जाएंगे अवार्ड

हिमाचल में विधानसभा के पहले और दूसरे कार्यकाल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विधायकों को सम्मान मिलेगा, जबकि सदन में सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज करवाने वाले विधायकों को भी अवार्ड मिलेगा। इसके अलावा विधानसभा कार्यवाही की सर्वश्रेष्ठ कवरेज करने वाले संवाददाता को भी अवार्ड मिलेगा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बुधवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि विधानसभा के पहले और दूसरे कार्यकाल के विधायकों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्य को बेस्ट पार्लियामेंटेरियन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही सदन में सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले विधायक को भी अवार्ड दिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने पठानिया ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने और जनप्रतिनिधियों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। ये सभी पुरस्कार परमार जयंती के अवसर पर चार अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में दिए जाएंगे।

कुलदीप पठानिया

मनीष कुमार एक्स सर्विसमैन कारपोरेशन के सीएमडी

शिमला। प्रदेश सरकार ने पूर्व सैनिकों से जुड़े महत्त्वपूर्ण उपक्रम में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए कर्नल मनीष कुमार को हिमाचल प्रदेश एक्स-सर्विसमैन कारपोरेशन, हमीरपुर का नया चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। सैनिक कल्याण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। कांगड़ा जिले के देहरा तहसील के सनोट गांव निवासी कर्नल मनीष कुमार अब प्रदेश के पूर्व सैनिकों के कल्याण और कारपोरेशन की गतिविधियों की कमान संभालेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नियुक्ति से जुड़े अन्य नियम व शर्तें अलग से जारी किए जाएंगे।

जयराम बोले, जल्द हिमाचल दौरे पर आएंगे पीएम मोदी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

■ कहा, दिल्ली में प्रदेश के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

दिल्ली दौरे से लौटते ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही हिमाचल के दौरे पर आने वाले हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के समक्ष प्रदेश के गंभीर आर्थिक संकट का विस्तार से ब्यौरा रखा गया है और केंद्र से आवश्यक सहयोग का आग्रह भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जल्द ही हिमाचल दौरा प्रस्तावित है, जो प्रदेश के लिए महत्त्वपूर्ण होगा। जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के लिए पूरी तरह से सुक्खू सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। प्रदेश सरकार द्वारा केंद्र पर पैसा रोकने के लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने तंज कसा कि प्रधानमंत्री से मिलना सौभाग्य की बात है और यदि मुख्यमंत्री सुक्खू सही ढंग से समय मांगें, तो उन्हें भी केंद्र के साथ संवाद का अवसर मिल सकता है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि हमें अपने नेताओं से मिलने के लिए कांग्रेस के लोगों से परमिशन लेने की जरूरत नहीं हैं।

जयराम ठाकुर

सिंचाई गणना में हिमाचल को सम्मान

दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने सचिव अभिषेक जैन को दी शाबाशी

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

सिंचाई गणना 2023-25 के तहत पहली मर्तबा प्रमुख एवं मध्यम सिंचाई गणना को सफलतापूर्वक करने पर हिमाचल को दिल्ली में सम्मान मिला है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने सचिव जल शक्ति विभाग डा. अभिषेक जैन को यह पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति सचिव वीएल कंथा राव भी उपस्थिति रहे। हिमाचल के मुख्य सचिव संजय गुप्ता और सचिव जल शक्ति डा. अभिषेक जैन ने बुधवार को शिमला में यह पुरस्कार औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को भेंट किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के लिए विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने में सिंचाई परियोजनाओं का महत्त्वूपूर्ण योगदान है। प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयासरत है। सरकार के प्रयासों की झलक वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदर्शित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभाग की डाटा-आधारित योजना, बेहतर शासन और सिंचाई क्षेत्र को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शिमला। सिंचाई गणना पूरा करने पर मिले पुरस्कार को मुख्यमंत्री सुक्खू को भेंट करते मुख्य सचिव संजय गुप्ता और सचिव जल शक्ति डा. अभिषेक जैन

विनय कुमार बोले, वित्तीय स्थिति पर जनता को गुमराह कर रही भाजपा

वरिष्ठ संवाददाता — शिमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर झूठ बोलने, भ्रम फैलाने व लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा वित्तीय स्थिति पूर्व भाजपा सरकार की देन है। 70 हजार करोड़ से अधिक का ऋण व 10 हजार करोड़ से अधिक की कर्मचारियों की देनदारियां प्रदेश की कांग्रेस सरकार को विरासत में मिली थीं। बाबजूद इसके प्रदेश सरकार कर्मचारियों की देनदारियों के साथ प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा राहत कार्यों को पूरा किया। केंद्र से कोई भी राहत न मिलने के बावजूद प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पर पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अच्छा होता अगर प्रधानमंत्री के समक्ष वह प्रदेश के राजस्व घाटा अनुदान बहाल करने व आपदा राहत घोषणा की याद दिलाते हुए उनके द्वारा घोषित 1500 करोड़ जारी करने के बारे में कोई आग्रह करते। उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान बंद होने से भविष्य में प्रदेश के विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

विनय कुमार

बिंदल बोले, नाहन मेडिकल कालेज को जमीन तक नहीं ढूंढ पाई सरकार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नाहन

■ कहा, साढ़े तीन साल बर्बाद किया सिरमौर की जनता का वक्त

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डा. राजीव बिंदल ने नाहन मेडिकल कालेज के मुद्दे पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उसे घोषणावीरों की टोली करार दिया है। डा. बिंदल ने कहा कि सत्ता के 40 महीने बीत जाने के बाद अब मेडिकल कालेज के लिए नया स्थान चुनना महज एक राजनीतिक पैंतरा और जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सरकार की नीयत साफ होती, तो स्थान चयन का यह ड्रामा जनवरी, 2023 में ही खत्म हो जाना चाहिए था, लेकिन सरकार ने जान-बूझकर साढ़े तीन साल तक सिरमौर की जनता का कीमती वक्त बर्बाद किया। श्री बिंदल ने कहा कि जिस सरकार ने सत्ता संभालते ही बदले की भावना से स्कूल, तहसीलें, पटवार सर्किल और वेटरनरी अस्पताल बंद करने में मिनट भर की देरी नहीं की, उसे मेडिकल कालेज के लिए जमीन तलाशने में साढ़े तीन साल कैसे लग गए।

डा. राजीव बिंदल

गैर-सरकारी सदस्यों के भत्ते तय

शिमला। प्रदेश सरकार के गृह विभाग ने जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण के गैर-सरकारी सदस्यों के लिए बैठक में शामिल होने पर मिलने वाले विभिन्न भत्तों और शुल्क की दरें तय कर दी हैं। इस संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। अब इन सदस्यों को प्रत्येक बैठक के लिए 1500 रुपए का बैठक शुल्क दिया जाएगा। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यात्रा के लिए सदस्यों को अलग से भत्ता मिलेगा। यदि कोई सदस्य अपने निजी वाहन का उपयोग करता है तो उसे 8 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जाएगा। वहीं, यदि सदस्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं तो उन्हें एसी बस के अनुसार यात्रा सुविधा दी जाएगी।

उम्मीद | पहली बार कार्डिया 12एल ईसीजी सिस्टम की स्थापना, मरीजों को सुविधा

एम्स बिलासपुर में हृदय रोगों की तुरंत पहचान

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — बिलासपुर

■ देश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि

एम्स बिलासपुर में हृदय रोग एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल करते हुए संस्थान में पहली बार कार्डिया 12एल ईसीजी प्रणाली की सफलतापूर्वक स्थापना की गई है। खास बात यह है कि यह देश के किसी भी केंद्रीय सरकारी अस्पताल में इस अत्याधुनिक प्रणाली की प्रथम स्थापना है, जो स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। एम्स के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डा. दलजीत सिंह के नेतृत्व में यह उपलब्धि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में (यूएसएफडीए) स्वीकृत उन्नत हृदय जांच तकनीक के समावेश को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य हृदय रोगों की शीघ्र पहचान कर उनके प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करना है। कार्डिया 12एल ईसीजी प्रणाली इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी की नवीनतम पीढ़ी की तकनीक है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित है। यह प्रणाली पारंपरिक ईसीजी मशीनों की तुलना में अधिक सटीक, तीव्र एवं उपयोग में सरल है। इसके माध्यम से चिकित्सकों को हृदय संबंधी विकारों की पहचान में बुद्धिमत्तापूर्ण सहायता प्राप्त होती है, जिससे वे त्वरित एवं सटीक चिकित्सकीय निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। पारंपरिक ईसीजी की तुलना में कार्डिया 12एल के प्रमुख लाभ हैं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण, यह प्रणाली उन्नत एआई एल्गोरिदम का उपयोग कर हृदय की धड़कन की अनियमितताओं इस्कीमिया एवं अन्य हृदय रोगों की पहचान में सहायता करती है, जबकि पारंपरिक ईसीजी पूर्णतः मैनुअल व्याख्या पर आधारित होता है। रोगों की प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान सुनिश्चित करती है, जिससे गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है। तेज़ एवं स्वचालित विश्लेषण के कारण आपातकालीन परिस्थितियों तथा अधिक रोगी संख्या वाले संस्थानों में उपचार प्रक्रिया अधिक तीव्र एवं प्रभावी हो जाती है। कार्डिया 12एल को इस प्रकार विकसित किया गया है कि इसका उपयोग बेडसाइडए बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) तथा दूरस्थ क्षेत्रों में भी सहजता से किया जा सकता है। यह प्रणाली डिजिटल संग्रहण एवं डेटा एकीकरण की सुविधा प्रदान करती है, जिससे रोगियों का चिकित्सीय इतिहास सुरक्षित रहता है और उपचार की निरंतरता बनी रहती है।

वेतन कटौती वापस लेने की मांग

शिमला। बजट में तीन से तीस प्रतिशत तक कर्मचारियों के वेतन कटौती के निर्णय पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने की मांग संयुक्त कर्मचारी महासंघ ने की है। इसी को लेकर बुधवार को महासंघ के एक शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात की है। महासंघ ने दावा किया है कि शिष्टमंडल को सीएम ने आश्वासन दिया है कि कटौती नहीं की जाएगी और इस पर सरकार विचार करेगी। संयुक्त कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान ने कहा है कि संघ ने कांट्रैक्ट कर्मचारियों के दो बार नियमितीकरण के फैसले और कर्मचारियों के स्टडी लीव के दौरान पूरी सैलरी देने के निर्णय पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया है।

ग्रुप इंस्ट्रक्टर का फाइनल रिजल्ट आउट

मैरिट आधार पर 12 अभ्यर्थी सिलेक्ट, पांच फरवरी को हुई थी डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– हमीरपुर

इनकी किस्मत का खुला पिटारा

रोल नंबर

24001000121,	24001000184,
24001000235,	24001000374,
24001000396,	24001000858,
24001001089,	24001001093,
24001001420,	24001001498,
24001001522,	24001001553

हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने बुधवार को पोस्ट कोड 24001 के तहत भरे जाने वाले ग्रुप इंस्ट्रक्टर (डायरेक्टर टेक्निकल एजुकेशन वोकेशनल एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग) के 12 पदों का फाइनल रिजल्ट डिक्लेयर कर दिया। सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों को कॉल लेटर जारी किए जाएंगे। इनकी लिस्ट आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है। बता दें कि आयोग ने मार्च, 2024 में ग्रुप इंस्ट्रक्टर के 12 पदों के लिए आवेदन मांगे थे। आयोग के पास पहुंचे आवेदनों में से 1559 अभ्यर्थियों को सीबीटी एग्जाम के लिए बुलाया गया था। 17 नवंबर, 2025 को करवाए गए सीबीटी एग्जाम में 946 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी थी, जबकि 613 अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों में से मेरिट के आधार पर 39 अभ्यर्थियों को सिलेक्ट किया गया है, जिनकी डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन 5 फरवरी, 2026 को की गई थी। ग्रुप इंस्ट्रक्टर के 12 पदों में 6 पद जनरल (अनरिजवर्ड) के, 2 ओबीसी (अनरिजवर्ड), 2 एससी (अनरिजवर्ड), 1 एससी बीपीएल का और एक एसटी (अनरिजवर्ड) का भरा गया है। राज्य चयन आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन के अनुसार परीक्षा का परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर भी उपलब्ध करवा दिया गया है।

खेलकूद

हिमाचल को कबड्डी में दो ब्रॉन्ज

कबड्डी फेडरेशन कप में महिला-पुरुष वर्ग की टीमों ने दिखाया दम

मंडी। कबड्डी फेडरेशन कप में कांस्य पदक जीतने के बाद मेडल व ट्रॉफी के साथ महिला-पुरुष वर्ग के खिलाड़ी

स्टाफ रिपोर्टर– मंडी

- मध्य प्रदेश के सतना में हुई प्रतियोगिता में देश की आठ टीमों ने लिया हिस्सा
- कबड्डी संघ अध्यक्ष टेक चंद ने खिलाड़ियों को दी बधाई
- सरकार से होनहारों के लिए पुलिस विभाग में मांगी नौकरी

मध्य प्रदेश के सतना में आयोजित पांचवें कबड्डी फेडरेशन कप में हिमाचल प्रदेश की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में देश की आठ शीर्ष टीमों ने भाग लिया था। इस टूर्नामेंट में महिला और पुरुष दोनों वर्गों के मुकाबले आयोजित किए गए।

हिमाचल के लिए यह उपलब्धि खास इसलिए भी रही, क्योंकि पहली बार राज्य की महिला और पुरुष दोनों टीमों ने एक साथ कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। सेमीफाइनल मुकाबले में हिमाचल का सामना सर्विस टीम से हुआ। मैच के दौरान हिमाचल टीम को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टीम के कप्तान शिवांश ठाकुर, जो जिला मंडी से संबंध रखते हैं, चोटिल हो गए। उनके मैदान से बाहर होने के बाद टीम का संतुलन बिगड़ गया और अंततः यह मुकाबला हिमाचल के हाथ से निकल गया। यदि कप्तान पूरी तरह फिट रहते, तो परिणाम अलग हो सकता था। महिला टीम ने भी पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त जुझारूपन और कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कठिन मुकाबलों में अपनी क्षमता साबित करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।टीम के खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि हिमाचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो मंडी के शिवांश ठाकुर और रजत चौधरी ने पुरुष टीम में उत्कृष्ट खेल दिखाया, जबकि महिला टीम में भावना ठाकुर ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। इन खिलाड़ियों का योगदान टीम की सफलता में बेहद अहम रहा। जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष टेक चंद शर्मा ने सरकार से मांग की है कि कप्तान शिवांश ठाकुर सहित अन्य खिलाड़ियों को पुलिस विभाग में डीएसपी पद पर नियुक्त किया जाए।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी घड़ूआ 11 सब्जेक्ट्स में टॉप पर

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स में शानदार प्रदर्शन से चमकाया नाम

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– चंडीगढ़

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी घड़ूआं ने प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग्स-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 11 विषयों में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इसमें 2025 की तुलना में छह नए विषय (सब्जेक्ट) भी शामिल हैं। यह उपलब्धि यूनिवर्सिटी की लगातार बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा और उत्कृष्टता को दर्शाती है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट 2026 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के शानदार प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रविराजा एन. सीताराम ने कहा कि यह अत्यंत गर्व एवं संतोष का क्षण है कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट्स-2026 में 11 विषयों में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। यह संख्या 2025 में क्यूएस की सब्जेक्ट रैंकिंग में शामिल पांच विषयों की संख्या से दोगुनी से भी अधिक है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टरए दीपेंद्र सिंह संधू ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि स्थापना के केवल 14 वर्षों में ही चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड रैंकिंग में लगातार प्रगति करते हुए 6 विषयों में शानदार शुरुआत की है और 5 विषयों में अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी आने वाले वर्षों में भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी तीन विषयों में अब दुनिया की टॉप 300 यूनिवर्सिटियों में शामिल हो गई है, जिनमें कंप्यूटर साइंस और इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और मेकेनिकल, एरोनॉटिकल और मैन्युफेक्चरिंग इंजीनियरिंग शामिल हैं।

इन विषयों में कमाल

जिन 11 विषयों में यूनिवर्सिटी ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, उनमें कम्प्यूटर साइंस और इन्फॉर्मेशन सिस्टम, केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल और मैन्युफेक्चरिंग इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, केमिस्ट्री, एनवायरनमेंटल साइंस, मैथमैटिक्स, फिजिक्स, बिज़नेस और मैनेजमेंट स्टडीज़ और इकोनॉमिक्स शामिल हैं।

धुरंधर 2 ने छह दिन में कमाए 900 करोड़, पुष्पा 2 से बराबरी

एजेंसियां– मुंबई

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज यानी धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को भारत में 56.55 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में 919 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। फिल्म ने सबसे तेज 900 करोड़ रुपए कमाने के मामले में फिल्म पुष्पा 2 की बराबरी कर ली है। दोनों फिल्मों ने 6 दिनों में यह आंकड़ा पार किया। हालांकि 6 दिनों में कुल कमाई के मामले में पुष्पा 2 आगे है, जिसने 951.32 करोड़ रुपए कमाए थे।

जेईई मेन्स 2026 सेशन 2 एडमिट कार्ड जल्द

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में एडमिशन का सपना देख रहे लाखों छात्रों के लिए एक महत्त्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जल्द ही जेईई मेन 2026 सेशन-2 के लिए एडमिट कार्ड अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करने वाली है। जिन उम्मीदवारों ने अप्रैल सत्र के लिए सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन कराया है, वे अपना एडमिट कार्ड **jeemain.nta.nic.in** पर जाकर डाउनलोड कर सकेंगे। एनटीए परीक्षा शुरू होने से 3-4 दिन पहले एडमिट कार्ड जारी करता है, ऐसे में उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे पोर्टल पर पैनी नजर बनाए रखें। जेईई मेन 2026 के दूसरे सत्र की परीक्षाएं पहली अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी।

राशिफल

मेष: पीने की आदत को अलविदा कहने के लिए बहुत ही अच्छा दिन है। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है, लेकिन रिश्तों में मजबूती आएगी।

वृष: काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। अटके हुए मामले और घने होंगे व खर्चे आपके दिमाग पर छा जाएंगे। लोगों की दख़लअंदाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

मिथुन: दोस्त या सहकर्मी का स्वार्थी बर्ताव आपका मानसिक सुकून ख़त्म कर सकता है। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें।

कर्क: अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें, जिन्हें आप वाकई पसंद करते हैं। आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा।

सिंह।अपने ऊर्जा स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है।

कन्या: दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी, लेकिन ज़्यादा खाने से बचें, क्योंकि यह आपकी अगली सुबह ख़राब कर सकती है। दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का गलत फायदा न उठाने दें।

तुला: दिन फ़ायदेमंद साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। काम में धीमी प्रगति हल्का मानसिक तनाव देगी।

वृश्चिक: जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी। आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो।

धनु: जीवनसाथी के साथ पारिवारिक समस्याएं साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक्त एक-दूसरे के साथ बिताएं और खुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें।

मकर: सामाजिक मेलजोल से ज़्यादा सेहत को प्राथमिकता दें। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। अपने जीवन साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। इस राशि के लोगों को आज खुद को समझने की जरूरत है।

कुंभ: नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न नियंत्रित रखें। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को संभाल लेगा। आपके प्रियजन खुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए।

मीन: आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी मुक्त हो सकते हैं। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं है। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन कामयाब नहीं हो पाएंगे।

कल का पंचांग

27 मार्च, 2026, शुक्रवार, विक्रमी संवत् 2083, शाकाब्ध 1948, पक्ष शुक्ल, तिथि नवमी, समाप्तिकाल सुबह 10 बजकर 09 मिनट तक, नक्षत्र पुनर्वसु, समाप्तिकाल दोपहर बाद 03 बजकर 24 मिनट तक, योग अतिगंड, समाप्तिकाल रात्रि 10 बजकर 09 मिनट तक, करण कौलव, समाप्तिकाल सुबह 10 बजकर 09 मिनट तक, प्रविष्टे 14 चैत्र, चंद्रमा कर्क राशि में, सूर्योदय प्रातः 06 बजकर 26 मिनट, सूर्यास्त सायं 06 बजकर 40 मिनट

पहेली 1819 का उत्तर

4	7	1	3	8	9	5	6	2
3	5	8	2	6	1	4	7	9
6	9	2	4	7	5	8	1	3
2	3	9	5	4	7	6	8	1
1	4	6	8	9	3	7	2	5
5	8	7	1	2	6	3	9	4
7	2	5	9	3	8	1	4	6
8	1	4	6	5	2	9	3	7
9	6	3	7	1	4	2	5	8

सुडोकू: पहेली 1820

				7	1			2
		1		3				
3	4		8					
8							5	
	6	2					9	
						3	8	
9				2	6			7
6	8			5				
	2							

निर्देश : बॉक्स में खाली स्थानों को 1 से 9 तक के अंकों से ऐसे भरें कि दाएं से बाएं और ऊपर से नीचे एक भी अंक दोहराया न जाए।

उत्तर: देखें कल

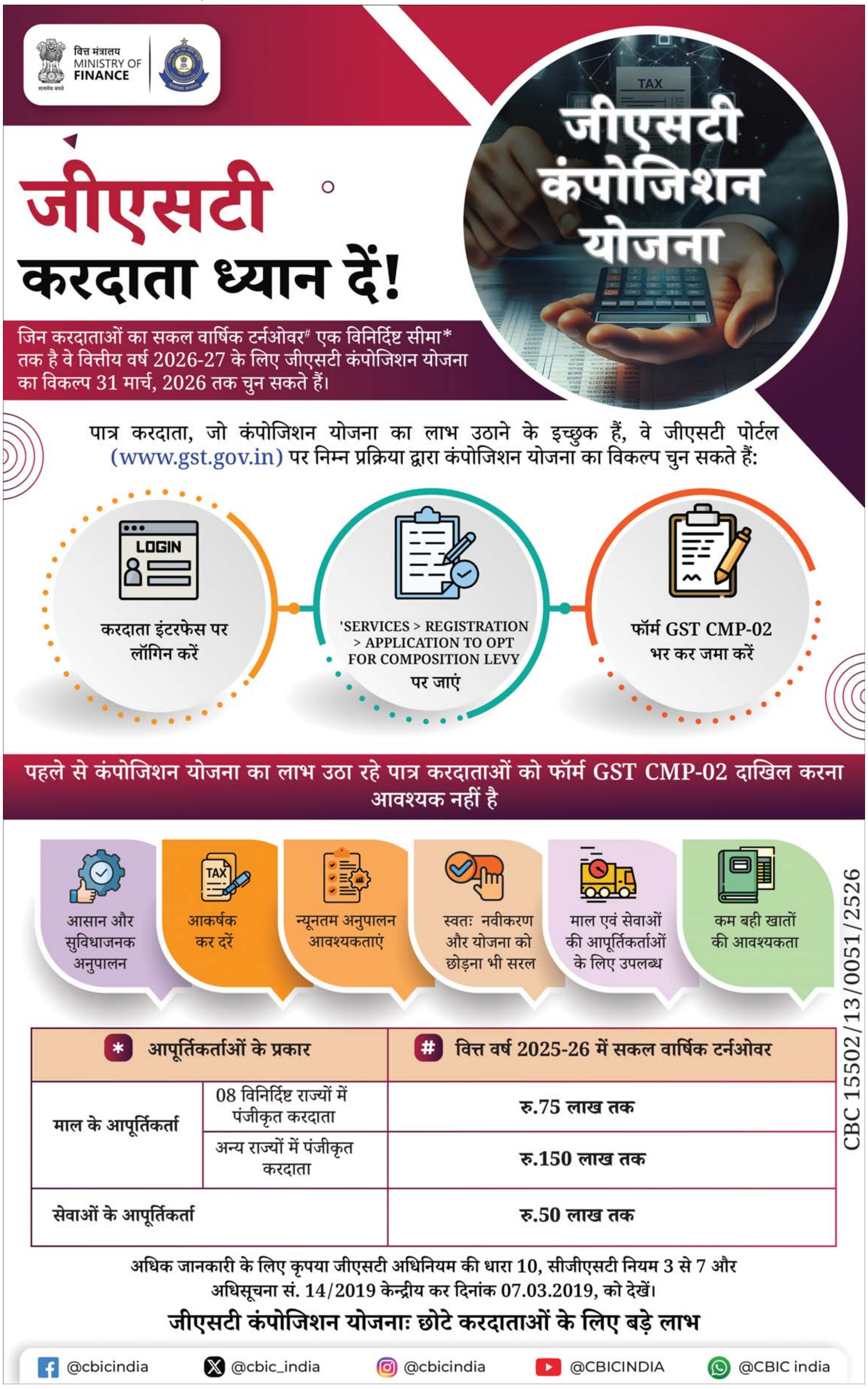

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम

16.71 हजार करोड़ में आदित्य बिड़ला, टाइम्स ग्रुप समेत चार कंपनियों ने खरीदी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

- एक ही दिन में तोड़ा आरआर का रिकार्ड
- 15.28 हजार करोड़ रुपए में बिकी थी राजस्थान रॉयल्स

रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू (आरसीबी) 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बंगलुरू आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई। आरसीबी टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। रिपोर्ट अनुसार, आरसीबी की मेंस और विमेंस टीम को आदित्य बिड़ला ग्रुप (एबीजी), टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप (टीओआई), बोल्ट वेंचर्स (बोल्ट) और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी (बीएक्सपीई) ने मिलकर खरीदा। डील को पूरा करने के लिए बीसीसीबाई, कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य रेगुलेटरी संस्थाओं की मंजूरी जरूरी होगी। दोनों ही टीमें मौजूदा समय में आईपीएल और डब्ल्यूपीएल की चैंपियन हैं। इससे एक दिन पहले राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम बन गई। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मूल के अमरीकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया।

आईपीएल काउंटडाउन
2 दिन शेष

आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे पांच खिलाड़ी

क्रमांक	खिलाड़ी	टीम	कीमत	साल
1.	ऋषभ पंत	डीसी	27 करोड़	(2025)
2.	श्रेयस अय्यर	केकेआर	26.75 करोड़	(2025)
3.	कैमरून ग्रीन	केकेआर	25.20 करोड़	(2026)
4.	मिचेल स्टार्क	केकेआर	24.75 करोड़	(2024)
5.	वेंकटेश अय्यर	केकेआर	23.75 करोड़	(2025)

ऋषभ पंत
27 करोड़

ऋषभ पंत आईपीएल में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। यह आईपीएल का यह 19वां सीजन है। आईपीएल सिर्फ चौकों-छक्कों का खेल नहीं, बल्कि पैसों की भी सबसे बड़ी जंग है। यहां हर सीजन नीलामी में खिलाड़ी करोड़ों की बोली के साथ सुर्खियां बटोरते हैं। कुछ नाम ऐसे हैं, जिन पर फ्रेंचाइजियों ने रिकॉर्ड तोड़ दांव लगाए और उन्हें सबसे महंगे खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया। इन खिलाड़ियों से उम्मीदें भी उतनी ही बड़ी रहती हैं। आईपीएल 2024 तक दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम का हिस्सा रहे ऋषभ पंत आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी में 2 करोड़ रुपए के बेस प्राइस के साथ उपलब्ध थे। उन्हें 27 करोड़ रुपए में लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने खरीदा था और वह इस टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। आईपीएल 2024 में अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर पर आईपीएल 2025 की नीलामी में खूब धनवर्षा हुई थी। अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। आईपीएल 2026 की नीलामी में कैमरून ग्रीन को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी हैं। आईपीएल 2024 की नीलामी में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने आईपीएल 2025 की नीलामी में 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। उनका बेस प्राइस दो करोड़ रुपए था। अब यह खिलाड़ी आरसीबी का हिस्सा है।

भारतीय तीरंदाजों ने जीते दो ब्रॉन्ज

एशिया कप में मेंस रिकर्व और वूमंस कंपाउंड टीम फाइनल में

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

- दोनों टीमों का कजाकिस्तान से होगा मुकाबला

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते, जबकि पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम ने स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था, लेकिन इस बार फाइनल खेलकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229-226 से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान से होगा।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में क्वालिफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233-234 से पराजय मिली। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234-232 से हराया। रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरुष टीम मलेशिया को 5-1 से हराकर फाइनल में पहुंच गई। भारत के देवांग गुप्ता, सुखचैन सिंह और जुयेल सरकार ने एक भी सेट गंवाए बिना जीत दर्ज की। अब उनका सामना कजाकिस्तान से होगा। महिला रिकर्व टीम की तिकड़ी रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिद्धि फोर ने मलेशिया को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

रिंकू सिंह केकेआर के उपकप्तान

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इसकी घोषणा की। रिंकू इस भूमिका में वेंकटेश अय्यर की जगह लेंगे, जिन्हें नीलामी से पहले केकेआर ने रिलीज़ कर दिया था। रिंकू ने कभी टी-20 में कप्तानी नहीं की है, लेकिन वह 2018 के डेब्यू सीजन के बाद से ही केकेआर के साथ हैं। वह मध्य क्रम में बल्लेबाज़ी के साथ ही फिनिशर की भूमिका अदा करते रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी में दो पायदान ऊपर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले चार मुकाबलों में प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग की नई लिस्ट जारी की गई है। इस अपडेट में दोनों देशों के कई खिलाड़ियों की रेटिंग में सुधार देखने को मिला है। बल्लेबाजी रैंकिंग में इस बार बड़े बदलाव नहीं हुए, लेकिन गेंदबाजी सूची में भारी उथल-पुथल देखने को मिली है।

ऑलराउंडर्स की सूची में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा लंबे समय से शीर्ष पर काबिज हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत का दबदबा बरकरार है।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ताजा रेटिंग में दो स्थानों की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया है। टिम साइफर्ट और डेवाल्ड ब्रेविस न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका सीरीज में नहीं खेले, जिसकी वजह से दोनों की रेटिंग गिरी और स्काई को ऊपर चढ़ने का मौका मिला।

दिव्य हिमाचल

प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान संपादक अनिल सोनी द्वारा दिव्य हिमाचल प्रकाशन प्रा. लि. के लिए, प्लाट नंबर 23, एचपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, दवनी, बद्दी, (हि.प्र.) से मुद्रित तथा टिंबर हाउस बिल्डिंग, नजदीक सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला (हि.प्र.), से प्रकाशित। स्थानीय संपादक, संजय अवस्थी समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन।

पंजीयन संख्या-•HPHIN/2003/11579
फोन: (0177) 2629030, 2627667
डाक रजिस्टर्ड नंबर-21